

जबलपुर

गुरुवार, 1 अक्टूबर 2026

- आश्विन मास कृष्ण पक्ष-5
- वर्ष : 21 अंक : 149
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 32
न्यून. 24

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस आज



दो दिवसीय मप्र प्रवास पर भाजपा प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब और सह प्रभारी रेखा वर्मा

सशक्त संगठन, सशक्त सरकार बनाना यही हमारा लक्ष्य, बेहतर समन्वय बनाएंगे : बिप्लब कुमार देब

- एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत, सबसे पहले दर्शन के लिए लाल घाटी स्थित प्राचीन गुफा मंदिर पहुंचे
- भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर तिवारी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित अन्य मंत्री और वरिष्ठ नेता पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भाजपा प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब और सह प्रभारी रेखा वर्मा दायित्व मिलने के बाद पहली बार मध्यप्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर हैं। संगठन में नई जिम्मेदारी संभालने के बाद दोनों नेताओं का यह पहला महत्वपूर्ण दौरा माना जा रहा है। बुधवार को भोपाल पहुंचे बिप्लब देब का एयरपोर्ट पर प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल समेत सरकार के कई मंत्रियों ने स्वागत किया है। एयरपोर्ट के बाद प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब और सह प्रभारी रेखा वर्मा सबसे पहले के लिए लाल घाटी स्थित प्राचीन गुफा मंदिर पहुंचे। यहां दर्शन करने के बाद बिप्लब कुमार देव ने कहा कि सशक्त संगठन, सशक्त सरकार बनाना यही हमारा लक्ष्य है।



बिप्लब कुमार देब, रेखा वर्मा, खंडेलवाल, सीएम डॉ. यादव एवं अन्य



पूजा करते बिप्लब कुमार देब

हमारे लिए गौरव कि हमारी पार्टी कार्यकर्ताओं का महत्व देती है: रेखा वर्मा

सह प्रभारी रेखा वर्मा ने कहा कि दोनो सरकारें डबल इंजन के रूप में काम कर रही हैं। सरकार और संगठन मिलकर काम कर रहे हैं। संगठन को मजबूत करने और सरकार के काम को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने के लिए सभी मिलकर काम करेंगे। हमारा संगठन कार्यकर्ताओं का सम्मान भी करता है और उन्हे आगे बढ़ाने का काम भी करता है। कई मुख्यमंत्री हमारे बूथ के कार्यकर्ता बने हैं। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि हमारी पार्टी कार्यकर्ताओं का महत्व देती है।

पहले पहुंचे प्राचीन गुफा मंदिर, फिर कार्यकर्ता के घर लंच

एयरपोर्ट के बाद प्रदेश प्रभारी बिप्लब देब और सह प्रभारी रेखा वर्मा सबसे पहले दर्शन के लिए प्राचीन गुफा मंदिर गए हैं। यहां दोनों ने पूजा-अर्चना की है। बिप्लब देब ने हनुमान जी के सामने दंडवत होकर आशीर्वाद लिया है। इसके बाद उन्होने दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-32, बूथ क्रमांक-69 स्थित मीना जाटव के ए/131, शास्त्री नगर स्थित निवास पर भोजन किया।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय पैकेज देखो
TATA PLAY पैकेज न. 1155 | airtel पैकेज न. 366



खबर संक्षेप

आज राहुल बालाघाट में मृत बच्चों के परिजनों से मिलेंगे

भोपाल। बालाघाट में बैगा आदिवासी बच्चों की मौतों के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी 1 अक्टूबर को जिले के दौरे पर आएंगे। वे बैहर और बिरसा के प्रभावित आदिवासी इलाकों में जाकर मृत बच्चों के परिवारों से मुलाकात करेंगे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक 32 बच्चों की मौत हो चुकी है। राहुल गांधी का 13 दिन में मध्यप्रदेश का यह दूसरा दौरा है। इससे पहले वे 19 सितंबर को इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने बच्चों की मौतों को लेकर सवाल उठाए थे।



आईसीसी वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल शीर्ष पर

नई दिल्ली। आईसीसी ने बुधवार को ताजा वनडे रैंकिंग जारी की। बल्लेबाजों की रैंकिंग में शुभमन गिल 816 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 पर बरकरार हैं। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ तिरुवनंतपुरम वनडे में 88 गेंदों पर 139 रन की पारी खेलने वाले विराट कोहली एक स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। विराट के 796 रेटिंग अंक हैं। न्यूजीलैंड के डैरिल मिचेल खिसककर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।



सीईसी के खिलाफ लामबंद विपक्ष: इंडिया गठबंधन की बैठक में 20 दल हुए शामिल

खरगे ने कहा- ज्ञानेश को इस्तीफा देना होगा, हम सेव डेमोक्रेसी मार्च निकालेंगे

- बैठक में अखिलेश यादव नहीं पहुंचे, उन्होंने अपनी जगह अपने दो सांसदों को भेजा, केजरीवाल और एमके स्टालिन भी मीटिंग में नहीं शामिल हुए

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा-ये परिवार बचाव मार्च

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बीते कई दिनों से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर घमासान मचा हुआ है। गर्माती राजनीति के बीच विपक्षी गठबंधन लगातार मुख्य चुनाव आयुक्त के बहाने सरकार पर हमला कर रहा है। आगे की रणनीति को लेकर बुधवार को इंडिया गठबंधन की बैठक हुई जिसमें 20 सहयोगी दल शामिल हुए। बैठक में तय किया गया कि 2 से 8 अक्टूबर तक 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' निकाला जाएगा।

यह मार्च सभी जिलों में आयोजित होगा। इसके जरिए लोगों को जागरूक किया जाएगा और जिला अधिकारियों के कार्यालय में ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि ये लोकतंत्र का मामला है इसे बचाने के लिए हम किसी भी स्तर तक संघर्ष करने को तैयार है। ये संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं हो जाता, उन्हे हर हाल में पद छोड़ना ही होगा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यहां तक कह दिया कि ज्ञानेश कुमार को आजीवन इम्युनिटी क्यों दी जा रही है ये देश जानना चाहता है।



सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी एवं अन्य

कांग्रेस की मांग

वोटर लिस्ट के बदलाव में पारदर्शिता अनिवार्य हो, और बैलट पेपर मतदान कराया जाए

- *6 अक्टूबर को विपक्षी सांसद चुनाव आयोग के तक पैदल मार्च निकालेंगे,इसमें कई दलों के सांसद शामिल होंगे*
- *प्रत्येक जिले में 2 से 8 अक्टूबर तक सेव डेमोक्रेसी मार्च निकालकर जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे*
- *1 नवंबर को दिल्ली में बड़ी मेगा रैली निकालेंगे और बताएंगे कि आखिर वोट चोरी कैसे किया जा रहा*

राहुल ने पूछा- ज्ञानेश कुमार को आजीवन इम्युनिटी क्यों?

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को कानून के तहत मिले संरक्षण को लेकर सवाल उठाए हैं। राहुल ने बुधवार को पूछा कि ज्ञानेश कुमार को 'आजीवन इम्युनिटी' क्यों दी गई है? राहुल गांधी ने खुद ही इस सवाल का जवाब देने की कोशिश की है। राहुल ने बैठक के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सीईसी ज्ञानेश कुमार ही ऐसे एकमात्र भारतीय क्यों हैं जिन्हें आजीवन पूर्ण कानूनी सुरक्षा मिली हुई है? राहुल गांधी ने इस सवाल के जवाब में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ज्ञानेश कुमार का इस्तेमाल 'चुनाव चोरी करने' के लिए करते हैं।

चुनाव आयोग ने फॉर्म 6 से हटाया एसआईआर वाला हिस्सा

नई वोटर आईडी बनवाने या वोटर लिस्ट में पहली बार नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6 भरा जाता है। पिछले कुछ समय में इस फॉर्म को लेकर इसलिए विवाद हुआ क्योंकि चुनाव आयोग के पोर्टल पर इसके साथ एसआईआर से जुड़ी एक अतिरिक्त घोषणा दिखाई देने लगी थी। अब चुनाव आयोग ने बुधवार देर रात उन राज्यों में पोर्टल पर फॉर्म 6 में जोड़े गए एसआईआर घोषणा पत्र को हटा दिया।

मप्र में ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर कांग्रेस का प्रदर्शन



भोपाल। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मप्र कांग्रेस ने बुधवार को प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। पांढुर्णा में पुतले को जंजीर से बांधकर करीब 500 फीट घसीटा गया, जबकि देवास में प्रतीकात्मक अर्थी निकाली गई। बैतूल में पुतले को फांसी दी गई।

मोदी कैबिनेट ने दिया किसानों को बड़ा तोहफा

रबी सीजन के लिए छह फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी



- *2.79 लाख करोड़ के पैकेज का ऐलान*
- *कुसुम का समर्थन मूल्य सबसे ज्यादा 675 और गेहूं की एमएसपी में 25 रुपए की वृद्धि*

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में करीब 2.79 लाख करोड़ रुपए से जुड़े तीन अहम फैसलों को मंजूरी दी गई। इनमें किसानों के लिए रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी, रिन्यूएबल एनर्जी के लिए ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर और दिल्ली में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम शामिल हैं। आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने मार्केटिंग सीजन 2027-28 के लिए छह प्रमुख रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दी है। इसमें सबसे ज्यादा 675 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी कुसुम के एमएसपी में हुई है। वहीं गेहूं का एमएसपी 25 रुपए बढ़ाकर 2,610 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, उत्पादन लागत के मुकाबले अनुमानित मार्जिन गेहूं में 106 प्रतिशत, सरसों में 96 प्रतिशत, मसूर में 92 प्रतिशत, चना में 59 प्रतिशत, जौ में 58 प्रतिशत और कुसुम में 50 प्रतिशत है। सरकार के मुताबिक एमएसपी में बढ़ोतरी से किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

किसानों को उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होगा: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार देशभर के किसानों के हितों की रक्षा और उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में 2027-28 के मार्केटिंग सीजन के लिए रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। इससे देश के करोड़ों किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिलना सुनिश्चित होगा।

इन फसलों को फायदा

फसल	एमएसपी (2027-28)	बढ़ा
गेहूं	2610 रु	25 रु
जौ	2286 रु	136 रु
चना	5958 रु	83 रु
मसूर	7390 रु	390 रु
सरसों	6613 रु	413 रु
कुसुम	7215 रु	675 रु

ट्विशा शर्मा डेथ केस

सीबीआई की जांच में दहेज प्रताड़ना के आरोप खारिज



सास गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई, हाईकोर्ट ने आवेदन में संशोधन के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

बहुचर्चित मॉडल ट्विशा शर्मा मौत मामले में आरोपी उनकी सास और भोपाल की पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका पर बुधवार को मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि दहेज की मांग और प्रताड़ना के आरोपों की पुष्टि के लिए जांच में पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले। इसके चलते मामले में दहेज एक्ट की धाराएं हटा दी गई हैं। जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की एकलपीठ के समक्ष सीबीआई ने अपनी लिखित आपत्ति पेश की।

30 साल की व्यवस्थागत लापरवाही हुई उजागर

भागीरथपुरा कांड : पूरी व्यवस्था ही 'दूषित', रिपोर्ट में खुली परतें

> सीवर और पेयजल लाइनों में गंभीर तकनीकी खामियां मिलीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से बीमारी और मौतों के मामले में एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट ने व्यवस्था की लंबी लापरवाही को उजागर किया है। बुधवार को हाई कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड हुई रिपोर्ट के मुताबिक, यह संकट किसी एक अधिकारी की



गलती से पैदा नहीं हुआ, बल्कि करीब तीन दशक में सीवर और जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़ी कई खामियां, निगरानी की कमी, शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई न होना और पाइपलाइन बदलने में हुई लंबी देरी धीरे-धीरे जमा होती गईं।

चार दिन पहले नौकरी पर रखे नौकर ने ही दिया अंजाम

फार्म हाउस की अलमारियां खुली मिली, लूटपाट की नीयत से हत्या की वारदात को दिया अंजाम

रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल की गला रेतकर निर्मम हत्या की

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित सूरज नगर पनघट कॉलोनी के पीछे फार्म हाउस में सेवानिवृत्त आईएएस राकेश अग्रवाल की गला रेतकर हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हत्या के बाद से घर का नौकर फरार है। लिहाजा पुलिस उसकी संदेह के आधार पर तलाश कर रही है।

घटनास्थल का निरीक्षण करने पर पता चला कि फार्म हाउस की अलमारियों और कबर्ड के लॉकर खुले हुए थे।



- बागसेवनिया की एक एजेंसी की मदद से किया था हायर, पुलिस एजेंसी के संचालक से कर रही पूछताछ
- सीएम डॉ. यादव ने जताया शोक

सर्वेंट क्वार्टर में रहता है एक अन्य नौकर

बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे राकेश अग्रवाल की पत्नी की नींद खुली और वह मॉर्निंग वॉक पर जाने के लिए तैयार हुईं। उनके कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। उन्होंने सर्वेंट क्वार्टर में रहने वाले नौकर अमर को कॉल कर बुलाया। अमर ने फार्म हाउस के दरवाजे खोले और अंदर पहुंचा। उसने अग्रवाल की पत्नी के कमरे का दरवाजा खोला। राकेश अग्रवाल भी प्रतिदिन मॉर्निंग वॉक पर जाते थे।

खूनाखून हुआ कॉकपिट, झगड़ा देख घबरा गए यात्री

हवा में था विमान, तभी 2 पायलट भिड़े और चलाने लगे चाकू... फ्लाइट अनियंत्रित हुई

- फ्लाइट 17 हजार फिट नीचे आ गई
- क्रैश की कोशिश के बाद सऊदी अरब में विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी ⏭ तेल अवीव

दुबई से इजराइल के तेल अवीव जा रही एक फ्लाइट में उस वक्त हड़कंप मच गया जब अचानक कॉकपिट में तेज आवाजें आने लगीं और



चाकूबाजी शुरू हो गई। दो पायलटों में हुई भिडंत में चले चाकुओं से पूरा कॉकपिट खूना खून हो गया। दृश्य देखकर यात्रियों में दहशत फैल गई। कुछ ही क्षण में फ्लाईदुबई की यह फ्लाइट अनियंत्रित हुई और 34 हजार फिट से नीचे 17 हजार फिट नीचे आ गई। बिगड़ते हालातों को देखते हुए सऊदी अरब के तबूक मिलिट्री और सिविल बेस पर आपातकालीन लैंड कराना पड़ी। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार सभी यात्री और क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं।

इधर इजराइल में हाईजैक के सिग्नल मिलते ही हड़कंप मच गया। तेल अवीव ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत फाइटर जेट्स को रवाना कर दिया और प्रधानमंत्री बेंजामिन सुरक्षा अधिकारियों के साथ आपात बैठक की।

एशियन गेम्स 2026 : एक दिन में चार गोल्ड से भारत का धमाका, तीरंदाजी में हैट्रिक

शूटिंग के ट्रैप मिक्स्ड टीम में नीरू ढांडा-कायनन चेनाई ने एशियन रिकॉर्ड के साथ रचा इतिहास

कंपाउंड आर्चरी में महिला टीम, मिक्स्ड टीम और पुरुष टीम ने जीते स्वर्ण पदक

> भारत के कुल पदकों की संख्या 60 हो गई है, जिसमें 10 स्वर्ण शामिल



साहिल जाधव, कुशल दलाल और तिरुमुरु गणेश



बाएं से भारतीय तीरंदाज पृथिका प्रदीप, चिकिथा तनिपर्थी और ज्योति सुरेखा वेन्नम।

एजेंसी ⏭ नागोया

एशियन गेम्स के 11वें दिन बुधवार को भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ही दिन में चार स्वर्ण पदक जीत लिए। इनमें तीन गोल्ड कंपाउंड तीरंदाजी और एक निशानेबाजी में आया। इस प्रदर्शन के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 60 हो गई है, जिसमें 10 स्वर्ण शामिल हैं।

चिकिथा का डबल गोल्ड

चिकिथा तनिपर्थी ने भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने पहले महिला टीम इवेंट में स्वर्ण हासिल किया और इसके बाद साहिल जाधव के साथ मिक्स्ड टीम का खिताब भी अपने नाम किया। इसके साथ ही कंपाउंड आर्चरी में भारत के खाते में तीन गोल्ड आए।

नीरू-कायनन ने बनाया एशियन रिकॉर्ड

निशानेबाजी के ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में नीरू ढांडा और कायनन चेनाई ने भी भारत को स्वर्ण दिलाया। क्वालिफिकेशन में चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 34 का स्कोर कर पहला स्थान हासिल किया। कतर के मोहम्मद अल-रुमैही और रे बासिल ने 32 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। नीरू और कायनन ने स्वर्ण के साथ नया एशियन रिकॉर्ड भी बनाया। इससे पहले 30 का रिकॉर्ड कतर के नाम था।

वित्त मंत्री से मुलाकात के बाद व्यापारियों ने बदला फैसला

अब व्यापारिक संगठनों के नेताओं ने बदला रुख, कल का होने वाला आंदोलन 'नो यूपीआई डे' लिया वापस, सरकार से करेंगे समाधान पर चर्चा

0.40 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को लेकर व्यापारियों ने दी थी चेतावनी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूपीआई इस्तेमाल करने वालों के लिए बड़ी खबर है। 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' मनाने का ऐलान अब वापस ले लिया गया है। 2,000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर प्रस्तावित 0.40 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को लेकर व्यापारियों के एक बड़े वर्ग ने विरोध जताया था। इसी विरोध में 2 अक्टूबर को यूपीआई से दूरी बनाने का आह्वान किया गया था। अब व्यापारिक संगठनों के नेताओं की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात के बाद यह फैसला वापस ले लिया गया है।

पहले एमडीआर को लेकर वायपारियों ने जताया था केंद्र पर विरोध



सांसद खंडेलवाल के नेतृत्व में वित्तमंत्री से की मुलाकात

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल के नेतृत्व में करीब 20 वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं ने वित्त मंत्री से मुलाकात की। बैठक में कारोबारियों ने 2,000 रुए से ज्यादा के रुपए लेन-देन पर 0.40 फीसदी एमडीआर लगाने के प्रस्ताव को लेकर अपनी चिंता बताई। व्यापारियों का कहना है कि डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अगर हर बड़े यूपीआई लेन-देन पर दुकानदारों पर अतिरिक्त शुल्क आता है, तो खासकर छोटे और मध्यम कारोबारियों पर इसका असर पड़ सकता है।

20 वरिष्ठ व्यापारिक नेता वित्तमंत्री से मिले

हमारे आंदोलन का मकसद सरकार तक बात पहुंचानी थी

एआईसीपीडीएफ और एआईएमआरए समेत कुछ व्यापारिक संगठनों ने 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' मनाने का आह्वान किया था। इसका मकसद यूपीआई को बंद करना नहीं, बल्कि प्रस्तावितएमडीआर के खिलाफ सरकार तक अपनी बात पहुंचाना था। अब वित्त मंत्री के साथ हुई बातचीत के बाद दोनों संगठनों ने यह आह्वान वापस ले लिया है। सरकार ने उनकी चिंताओं पर उचित विचार करने का भरोसा दिया है।

दुकानदारों को इस बात की थी चिंता

यदि किसी दुकान पर ग्राहक ने 10,000 रुपए का यूपीआईपेमेंट किया। प्रस्तावित 0.40 फीसदी एमडीआर के हिसाब से शुल्क करीब 40 रुपए बनता है। कारोबारियों की चिंता है कि बड़ी संख्या में डिजिटल पेमेंट होने पर ऐसे छोटे-छोटे शुल्क मिलकर उनके खर्च को बढ़ा सकते हैं। खासकर छोटे दुकानदारों और कम मार्जिन वाले कारोबार में व्यापारी यह देखना चाहते हैं कि डिजिटल पेमेंट की सुविधा बनी रहे, लेकिन उसका खर्च सीधे उनकी जेब पर न आए।

व्यापारी बोले- हम यूपीआई के खिलाफ नहीं

व्यापारिक संगठनों ने साफ किया कि उनका विरोध यूपीआई से नहीं है। कारोबारियों का कहना है कि यूपीआई ने देश में पेमेंट करना बेहद आसान बना दिया है। छोटी दुकान से लेकर बड़े स्टोर तक लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। हम इसके खिलाफ नहीं हैं।

खबर संक्षेप

6 साल बाद फिर खुला गुंडिचा मंदिर

पुरी। ओडिशा के पुरी में प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के समीप स्थित गुंडिचा मंदिर 6 साल के अंतराल



के बाद बुधवार को श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोल दिया गया। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाढ़ी की मौजूदगी में अनुष्ठान संपन्न होने के बाद सुबह 7.45 बजे द्वार खोले गए। कोविड से बंद था।

भाजपा पार्षद के घर लूट, नौकर पर शक

देहरादून। भाजपा पार्षद अमिता सिंह के घर लूट की वारदात में सामने आई है। नेपाल निवासी



नौकर को उनकी बेटी मेघा ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये हायर किया था। मेघा दिल्ली में रहती हैं। 25 दिन पहले ही नौकर को घर के कामकाज के लिए रखा गया था। मेघा ने नौकर की जानकारी जुटाने के बाद काम दिया था।

भाजपा विधायक को पाक से मिली धमकी

मथुरा। यहां के मांट विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री राजेश चौधरी ने



पाकिस्तानी नंबर से धमकी भरे फोन आने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। उन्होंने मामले में मुकदमा दर्ज कर अपने और परिवार की सुरक्षा की व्यवस्था कराने की मांग की है। मंगलवार रात 10:38 बजे कॉल आई।

पूर्व पुलिस अधिकारी वाजे की जमानत पर रोक

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट से मुंबई के पूर्व पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट



ने वाजे को मिली जमानत पर रोक लगा दी है। वाजे को 2021 के एंटीलिया बम धमकी मामले और मनसुख हिरेन हत्याकांड में स्पेशल कोर्ट ने 29 सितंबर को जमानत दी थी। वाजे बॉम्बे हाई कोर्ट गए थे।

जालंधर में केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने किया बड़ा ऐलान

सरकार बनी तो 31 दिसंबर 2029 से पहले पंजाब को नशामुक्त कर देंगे

पंजाब के लोग भाजपा को एक मौका दें



एजेंसी ▶▶ जालंधर

पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नशे को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जालंधर के परागपुर में आयोजित नशामुक्त पंजाब महारैली में आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला। 18 सितंबर से शुरू हुई भाजपा की 4 नशामुक्त पंजाब यात्राओं के 117 विधानसभा क्षेत्रों में करीब 4000 किलोमीटर का सफर पूरा करने के बाद आयोजित रैली में शाह ने कहा कि पंजाब को चिट्टे से मुक्त करने के लिए भाजपा को एक मौका दिया जाए।31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को नशामुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब की माताओं, बहनों और युवाओं को वह यह भरोसा देने आए हैं कि तय समय सीमा के बाद बच्चों को चिट्टा देने वाला कोई नहीं बचेगा। शाह ने कहा कि पंजाब देश के अन्न भंडार भरने वाले किसानों और देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सबसे आगे रहने वाले जवानों की धरती है। पंजाब के जवानों ने सबसे पहले अपना बलिदान दिया।

भाजपा की 4 नशामुक्त पंजाब यात्राओं के 117 विधानसभा क्षेत्रों में 4000 किमी का सफर पूरा करने के बाद रैली में शाह ने कहा

000

- परागपुर में आयोजित नशामुक्त पंजाब महारैली में शाह ने किया दावा
- आप सरकार के चिट्टे से पूरा राज्य परेशान हो रहा, युवा नशे के गिरफ्त में आ रहे



जालंधर में त्रिपुरमालिनी शक्ति पीठ के दौरे के दौरान कगृह मंत्री अमित शाह।

मान सरकार ने चिट्टे का कारोबार बढ़ाया, ये क्या रोकेंगे

शाह ने कहा कि पंजाब का विकास तब तक नहीं हो सकता, जब तक उसका युवा नशे से मुक्त नहीं होगा। शाह ने आप सरकार और सीएम भगवंत मान पर आरोप लगाया कि पंजाब में चिट्टे के कारोबार को रोकने के बजाय उसे बढ़ने दिया। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल ने तीन महीने में पंजाब को नशामुक्त करने की गारंटी दी थी, लेकिन नशा खत्म नहीं हुआ।

जो खुद घोटाले में लिप्त वे युवाओं को क्या भविष्य देंगे

शाह ने मान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'मान ने नशे के व्यापार को और बढ़ाया है' और आरोप लगाया कि जो लोग खुद शराब घोटाले में घिरे रहे हैं, वे युवाओं को नशामुक्त भविष्य नहीं दे सकते।

संबोधन के पहले शहीदों को श्रद्धांजलि दी

शाह ने पंजाब के लोगों से भाजपा का समर्थन करने की अपील भी की और कहा कि पार्टी 2029 के अंत तक चिट्टा के कारोबार को खत्म करने की दिशा में काम करेगी। आज मैं यमाताओं और युवाओं से वादा करता हूं कि चुनाव में भाजपा का समर्थन करेंऔर 31 दिसंबर 2029 से पहले हम पंजाब को चिट्टा के कारोबार से मुक्त कर देंगे। शाह ने संबोधन की शुरुआत सिख गुरुओं और पंजाब से जुड़े अन्य प्रमुख लोगों को श्रद्धांजलि देकर की।

मान से मांगा वादों का हिसाब, हमने जो कहा वो करके दिखाएंगे

गृहमंत्री शाह ने आगे कहा कि पंजाब में निकम्मी सरकार को हटा दो, 2 साल में इसे नशा मुक्त कर देंगे। ये नशा हमारी आने वाली पीढ़ियों को बर्बाद कर रहा है। मैं मान से पूछना चाहता हूं कि आपके वादों का क्या हुआ, आप तो 25 लाख युवाओं को नौकरी देने वाले थे। सभी फसलों पर एमएसपी देने वाले थे, आपने तो नहीं दिया लेकिन हरियाणा ने देकर दिखाया। शाह बोले कि हम किसानों की समस्या का समाधान करेंगे। हम पंजाब की वित्तीय हालात को ठीक भी करेंगे। युवाओं को रोजगार देंगे। भाजपा को पंजाब में वोट देना है। आप केवल और केवल नशामुक्त पंजाब के लिए वोट देना।

नशा रोकना हम सबकी जिम्मेदारी: हरभजन

शाह की नशे के खिलाफ महारैली को लेकर भाजपा सांसद हरभजन सिंह ने कहा कि



बिल्कुल यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है और यह हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि पंजाब से नशा खत्म हो। कुछ दिन पहले शुरू हुई रैली आज समाप्त हो गई है। मैं उम्मीद करता हूं कि पंजाबी इस रैली से जागरूक हों। पंजाब से नशा पूरी तरह समाप्त करना हम सबकी जिम्मेदारी है।

जमीन धोखाधड़ी मामला

'विशेष पीएमएलए' ने हेमंत के खिलाफ आरोप तय किए

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश हुए सीएम

एजेंसी ▶▶ रांची

रांची की विशेष पीएमएलए अदालत ने 8.86 एकड़ जमीन की कथित धोखाधड़ी से जुड़े मामले में बुधवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ आरोप तय किए। उनके वकील ने यह जानकारी दी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य की राजधानी के बरगाईं क्षेत्र में जमीन के कथित अवैध अधिग्रहण और हस्तांतरण के संबंध में धनशोधन का मामला दर्ज किया है। अधिवक्ता संजीव सहाय ने कहा कि विशेष पीएमएलए अदालत ने



झारखंड के मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं और अब मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। सोरेन सुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश हुए। इस मामले में अब सुनवाई शुरू होगी और गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

भूमि के बदले नौकरी घोटाला

लालू और परिवार के खिलाफ नए सिरे से दलीलें सुनेगी कोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत रेलवे में जमीन के बदले नौकरी से जुड़े धनशोधन मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू प्रसाद यादव और अन्य के खिलाफ आरोपों पर दलीलें नए सिरे से सुनेगी।

विशेष न्यायाधीश प्रशांत कुमार ने बुधवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील आरोप तय करने के बिंदु पर नए सिरे से दलीलें पेश करने के लिए कुछ समय मांग रहे हैं। आरोप तय करने के संबंध में दलीलों के लिए 14 अक्टूबर को मामला सूचीबद्ध किया जाए। इससे पहले, विशेष



न्यायाधीश विशाल गोगने ने आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के संबंध में आदेश सुरक्षित रख लिया था। ईडी ने इस साल 16 मार्च को आरोप तय करने के बिंदु पर अपनी दलीलें पूरी कर ली थीं।बाद में न्यायाधीश गोगने का तबादला द्वारका अदालत में कर दिया गया। बुधवार को अदालत के कर्मचारियों ने सूचित किया कि न्यायाधीश का तबादला हो चुका है।

कैबिनेट ने ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-3 को मंजूरी

1.86 लाख करोड़ की योजना से मजबूत होगा राज्यों का पावर ग्रिड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-3 योजना को मंजूरी दे दी है। इस पहल का उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की



इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम मजबूत होगा, जिससे 135 जीवी तक की नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी और ग्रिड में एकीकरण संभव होगा। यग्रिड में लचीलापन बढ़ाने के लिए 50 जीडब्ल्यूएच बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी लगाए जाएंगे। इन्हें रिनेबल एनर्जी डेवलपर या जनरेटर के स्तर पर अथवा ग्रिड के लिए अहम अन्य स्थानों पर स्थापित किया जा सकेगा।

एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली भी स्वीकृत

कैबिनेट ने दिल्ली में एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली लागू करने को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर 1,789.52 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसका उद्देश्य दिल्ली में यातायात व्यवस्था को आधुनिक तकनीक के जरिए अधिक सुचारु, सुरक्षित और प्रभावी बनाना है।इस के तहत दिल्ली के 42 प्रमुख यातायात गलियारों को 3चरणों में शामिल किया जाएगा। इसे 24 महीने में लागू करने का लक्ष्य है।

सुप्रीम कोर्ट लेगा फैसला

पटाखों पर पूरी तरह रोक फिलहाल नहीं लगा सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली से पहले पटाखे जलाने वाले मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि पूरे देश में पटाखों पर पूरी तरह रोक लगाने पर विचार नहीं किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि धार्मिक भावनाओं,



स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। जस्टिस एमएम सुंद्रेश ने कहा कि चौबीसों घंटे पटाखे जलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने संकेत दिया कि कोर्ट पटाखे जलाने के लिए तय समय और इस्तेमाल किए जा सकने वाले पटाखों के प्रकार पर विचार करेगा। कोर्ट ने केंद्र और सीपीसीबी को बेरियम की जांच और डेसिबल लेवल तय करने, संयुक्त फायर टेस्ट के लिए समय भी दिया। अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी।

भाजपा ने सीएम रेड्डी के बयान पर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु बोले

जो राम का विरोध कर भगवान शिव की पूजा करे, वह रावण के समान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने तेलंगाना के सीएम ए रेवंत रेड्डी की भगवान राम और भगवान शिव के संबंध में हालिया टिप्पणियों की आलोचना की और कांग्रेस पर हिंदुओं के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश का आरोप लगाया। रेड्डी ने दावा किया था कि कांग्रेस सिर्फ दक्षिण में सफल है, उत्तर के राज्यों में नहीं, क्योंकि भाजपा ने भगवान राम को हथिया लिया है।दक्षिणी राज्यों में शिव की पूजा होती है। शिव गरीबों के भगवान हैं, राम अमीरों के भगवान हैं और भाजपा अमीरों की पार्टी है। इस पर भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि हिंदू समाज को पूरी ताकत के साथ बांटने की हर साजिश में शामिल रही कांग्रेस अब हिंदू देवी-देवताओं को भी बांटने के स्तर तक गिर गई है।

इसे भारत की राजनीति में सबसे घृणित उदाहरणों में से एक बताया

सुधांशु ने कहा कि मेरा मानना है कि यह भारत की राजनीति में सबसे घृणित उदाहरणों में से एक है। ऐसा



प्रतीत होता है कि मुस्लिम लीग के साथ सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पर पड़ा इस्लामी प्रभाव इतना गहरा हो गया है कि पार्टी हिंदू देवी-देवताओं को इस्लाम और ईसाई धर्म के चश्मे से देखने लगी है। जो कोई भगवान राम का विरोध करते हुए भगवान शिव की पूजा करता है, वह 'रावण की तरह' है। यह रामचरितमानस में लिखा है। कोई राम का विरोध कर शंकर की भक्ति का दावा करता है, वह 'राक्षसों' की प्रवृत्ति को ही दर्शाता है।

'इंडिया ब्लाक' की बैठक पर बोले भाजपा नेता शाहनवाज़

आप बाहर अब डीएके भी आउट

गठबंधन में न कोई नेता न लीडरशिप बैठक में हर बार गिरते जा रहे विकेट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गठबंधन की बैठक पर भाजपा नेता शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि इंडीगठबंधन जैसी कोई चीज़ नहीं है।



गठबंधन के लोगों के पास न तो कोई ऑफ़िस है, न कोई अध्यक्ष। कोई पॉलिसी नहीं है, न कोई लीडरशिप। हर बैठक में उनकी संख्या कम होती जा रही है। जब भी वे कोई बैठक करते हैं, तो अगली बैठक तक उनके एक-दो 'विकेट' गिर चुके होते हैं। आप का विकेट पहले ही गिर चुका है। डीएमके का विकेट गिर चुका है। इस बीच शिवराज सिंह चौहान ने कहा, गठबंधन के नेताओं को राहुल गांधी की लीडरशिप पसंद ही नहीं, इसीलिए तो बड़े बड़े नेता इस बैठक से दूर हैं।

बंगाल में ऐतिहासिक चुनाव कराया

टीएमसी का बागी गुट बोला- ज्ञानेश को मिले भारत रत्न

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर सियासत तेज है। एसआईआर मामले के बाद से विपक्ष उनके इस्तीफे की मांग कर रहा है। इसी बीच नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया ने उन्हें भारत रत्न देने की मांग की है। पार्टी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न देने का अनुरोध किया है। पार्टी के अध्यक्ष ज्योतिप्रकाश चटर्जी ने बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान कुमार के नेतृत्व की तारीफ की और शांतिपूर्ण मतदान, वोटर लिस्ट में सुधार और रिकॉर्ड मतदान का जिक्र किया।

आज से एलपीजी यूपीआई और रेलवे टिकट के नियम बदले

ग्राहकों से एमडीआर नहीं कटेगा, केवाईसी जरूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अक्टूबर में एसबीआई की नई लिमिट, एलपीडी के लिए आधार ऑथेंटिकेशन, एनपीएस और यूपीआई नियमों में बदलाव अहम हैं। नया यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क,

■ 1 अक्टूबर से होंगे लागू

जो 2000 रुपए से ऊपर के खास मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर लागू होगा। ग्राहकों से कोई एमडीआर नहीं कटेगा और व्यक्ति से-व्यक्ति यूपीआई ट्रांजैक्शन मुफ्त रहेंगे। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज ने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट फाइल करने की डेडलाइन बढ़ाकर 21 अक्टूबर कर दी गई है, जबकि इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की डेडलाइन 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर कर दी गई है।

इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की डेडलाइन 21 नवंबर की

एलपीजी के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन जरूरी

1 अक्टूबर से घरेलू एलपीजी ग्राहकों को सब्सिडी के साथ तय रिटेल सेलिंग प्राइस पर



रिफिल बुक करने के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन पूरा करना होगा। जो पूरा नहीं करते, वे भी एलपीजी ले सकते हैं, लेकिन उन्हें बिना सब्सिडी के लागू मार्केट प्राइज पर एलपीजी मिलेगी।यह कंपनियों के नियमों के अधीन होगा।

दूसरे बैंकों के एटीएम पर मुफ्त मासिक ट्रांजैक्शन संख्या 5 होगी

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सैलरी पैकेज अकाउंट होल्डर्स के लिए दूसरे बैंकों के एटीएम पर मुफ्त



मासिक ट्रांजैक्शन की संख्या 10 से घटाकर 5 कर देगा। इस लिमिट में फाइनेंशियल और नॉन-फाइनेंशियल, दोनों तरह के ट्रांजैक्शन शामिल होंगे।बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट्स के लिए, महीने में 4 बार कैश निकालना मुफ्त रहेगा, फिर 15 रुपए और जीएसटी का चार्ज लगेगा।

रेलवे यात्रा के दौरान ओरिजिनल पहचान पत्र

सेंट्रल रेलवे 31 अक्टूबर तक एक खास 'टिकट चेकिंग अभियान' चलाने जा रहा है। इस अभियान का



सबसे बड़ा नियम है 'वन टिकट, वन ओरिजिनल आईडी'। अब सफर के दौरान सिर्फ टिकट होना ही काफी नहीं है, बल्कि ओरिजिनल पहचान पत्र भी होना चाहिए।

एफिल टावर की देखरेख वाली कंपनी के प्रमुख रुइवो साल के अंत तक छोड़ेंगे पद

एजेंसी ▶▶ पेरिस

हिंदू संगठन के दौरे पर महिला कर्मियों को हटाए जाने का मामला

एक स्वतंत्र कंपनी द्वारा की गई जांच, अब जल्द देंगे इस्तीफा

जांच में कई संचालन और व्यवस्थागत खामियां सामने आई थीं

हड़ताल के कारण उसे बंद करना पड़ा था

फ्रांस की राजधानी पेरिस स्थित एफिल टॉवर में एक हिंदू धार्मिक समूह के दौरे के दौरान महिला कर्मचारियों को हटाए जाने को लेकर हुए विवाद के बाद अब इस ऐतिहासिक इमारत का संचालन करने वाली कंपनी के प्रमुख साल के अंत में अपने पद से हट जाएंगे। एफिल टॉवर के संचालन की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी 'सोसिएते डी एक्सप्लॉयटेशन डे ला टूर एफिल' (सीईटीई) के महानिदेशक पैट्रिक ब्रांको रुइवो एक स्वतंत्र कंपनी द्वारा की गई जांच के बाद अपना पद छोड़ेंगे। इसके बाद उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। जांच में 5 सितंबर को हुए धार्मिक समूह के दौरे से संबंधित मामले में कई व्यवस्थागत और कामकाज की खामियां सामने आईं।


पैट्रिक ब्रांको रुइवो


5 सितंबर को बीएपीएस के प्रतिनिधि एफिल टॉपर पहुंचे थे फाइल फोटो

सीईटीई ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि इन खामियों के कारण उस दिन महिला कर्मचारियों को दौरे से अलग रखा गया, जो एक अस्वीकार्य स्थिति थी। रुइवो को 2018 के अंत में सीईटीई का महानिदेशक नियुक्त किया गया था। हर साल करीब 70 लाख पर्यटक 1,083 फुट ऊंचे एफिल टॉवर को देखने आते हैं। एफिल टॉवर को 7 सितंबर को कर्मचारियों की हड़ताल के कारण बंद करना पड़ा था।

बीएपीएस के प्रतिनिधिमंडल ने किया था वहां का दौरा

बीएपीएस के नाम से जाना जाने वाला यह समूह स्वामीनारायण संप्रदाय (हिंदू धर्म की एक शाखा) का एक वैश्विक धार्मिक और नागरिक संगठन है। यह समूह पेरिस में एक पारंपरिक हिंदू पत्थर के मंदिर के उद्घाटन पर कार्यक्रम आयोजित कर रहा था। इस मामले पर बाप्स संस्था ने कहा था कि वह इन चिंताओं को 'गंभीरता से' लेती है और 'इस स्थिति से किसी को भी ठेस पहुंचने या असुविधा होने पर ईमानदारी से माफी मांगती है। हमारी जानकारी के मुताबिक, किसी भी समय किसी को एफिल टावर में प्रवेश करने से नहीं रोका गया। प्रतिनिधिमंडल की संख्या अधिक होने के कारण, अन्य पर्यटकों को होने वाली असुविधा को यथासंभव कम रखने के लिए एफिल टावर की टीम के साथ समन्वय करके, सामान्य समय पर टावर खुलने की शुरुआत में इस यात्रा का आयोजन किया गया था।



खबर संक्षेप

नीदरलैंड में 24 महीने के बच्चे को इच्छामृत्यु



एम्स्टर्डम। नीदरलैंड में पहली बार 24 महीने के बच्चे को इच्छामृत्यु दी गई। साल 2024 में लागू हुए नियम के बाद यह पहला मामला है। स्वास्थ्य मंत्री सोफी हरमन्स ने बताया कि 2025 के अंत में गंभीर बीमारी से पीड़ित एक बच्चे की इच्छामृत्यु दी गई थी। बच्चे का जन्म 26 सप्ताह व तीन दिन की गर्भावस्था में हुआ था। समय पहले जन्म से उसे मस्तिष्क को गंभीर नुकसान पहुंचा था।

युगांडा में पत्रकार से राजा बने एडवर्ड रुकिडी



कंपाला। युगांडा के टूरो साम्राज्य में एक पत्रकार को पारंपरिक राजशाही का राजा बनाया गया। इस राजशाही ने पिछले महीने ही अपने राजकुमार को खो दिया था, जिसके बाद टूरो साम्राज्य में उत्तराधिकार को लेकर विवाद भी हुआ था। यह पत्रकार एक राजकुमार भी हैं जो लंबे समय से युगांडा ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन में ब्रॉडकास्टर और एडिटर के तौर पर काम कर रहे थे।

एफबीआई के हजारों कर्मियों का डेटा चोरी



वॉशिंगटन। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के हजारों मौजूदा व पूर्व कर्मियों का संवेदनशील निजी डाटा चोरी हो गया है। साइबर अपराधी समूह शाइनी हंटर्स ने इसे डाटा एजेंसी के नौकरी पोर्टल से चुराया और ऑनलाइन लीक करने की धमकी भी दी थी। इस हमले में हजारों कर्मियों के डाटा चोरी के साथ एजेंटों की जान को भी खतरा बताया जा रहा है।

घर खरीदारों से धोखाधड़ी मामले में 2 गिरफ्तार



नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े धन-शोधन के मामले में गुरुग्राम की रियल एस्टेट कंपनी वाटिका समूह के दो प्रवर्तकों को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि वाटिका लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अनिल भल्ला और प्रवर्तक गौतम भल्ला को 28 सितंबर को हिरासत में लिया गया था।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने जब्त किए हथियार



इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सुरक्षाबलों ने एक ड्रोन बम, हथियार एवं गोला-बारूद जब्त किया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जब्त सामान में एक एमपी5 सब-मशीन गन (मैगजीन सहित), 4 हथगोले, एक ड्रोन बम, 6 अपरिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी), विभिन्न हथियारों की 7 मैगजीन और कारतूस शामिल हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और प्रमुख एआई कंपनियों के अधिकारियों के बीच बैठक

'व्हाइट हाउस अकॉर्ड' पर लगी मुहर एआई पर नैतिक लगाम लगाने पर राजी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में दुनिया की बड़ी टेक और एआई कंपनियों के प्रमुखों के साथ बैठक की। ट्रंप ने इसे अमेरिका के टेक्नोलॉजी सेक्टर के लिए एक खास बैठक बताया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य एआई के संभावित खतरों को देखते हुए इसकी सुरक्षा, विश्वसनीयता और जवाबदेही तय करना था। इस मीटिंग में 'व्हाइट हाउस अकॉर्ड' पर मुहर लगाई गई, जिसके तहत कंपनियों ने एआई से साइबर हमलों, जैविक हथियार के खतरों और अनधिकृत हैकिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए कड़े सुरक्षा घेरे बनाने और स्वतंत्र ऑडिटिंग की जिम्मेदारी खुद ली।

एआई कंपनियों के अधिकारियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सुरक्षा के लिए स्वैच्छिक मानक तैयार करने पर सहमति जताई है। बैठक में एक्स से एलन मस्क, मेटा से मार्क जुकरबर्ग, एनवीडिया से जेन्सेन हुआंग, एंथ्रोपिक से डारियो अमोदेई, गूगल से सुंदर पिचाई और ओपनएआई के प्रेसिडेंट ग्रेग ब्रॉकमैन, अमेजन के जेफ बेजोस और पालांटिर के एलेक्स कार्प भी मौजूद थे। वहीं, मीटिंग की अध्यक्षता में डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन भी शामिल थे।

कंपनियों ने स्वतंत्र ऑडिटिंग की जिम्मेदारी खुद ली

एआई से साइबर हमलों से निपटने सुरक्षा कड़ी होगी

10 सदस्यीय बोर्ड के गठन का प्रस्ताव


टेक दिग्गजों के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

ट्रंप ने एआई सुरक्षा की निगरानी के लिए 10 सदस्यों वाले एक बोर्ड के गठन पर विचार करने की बात भी कही। उन्होंने इस बोर्ड के संभावित सदस्यों के नाम नहीं बताए। साथ ही, उन्होंने कहा कि एआई से जुड़ी व्हाइट हाउस की नीतियों का नेतृत्व करने के लिए जल्द एक नए अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।

डेटा सेंटरों का विस्तार होगा, प्रभावित समुदाय को कंपनियां देंगी लाभ

बैठक में डेटा सेंटरों का विस्तार भी प्रमुख मुद्दा रहा। एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने और चलाने के लिए बड़े डेटा सेंटरों की जरूरत होती है। हालांकि, अमेरिका के कई समुदायों में बिजली की बढ़ती मांग, बिजली की लागत और स्थानीय स्तर पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर इन परियोजनाओं का विरोध भी हो रहा है। ट्रंप ने कहा कि तकनीकी कंपनियां डेटा सेंटरों के निर्माण से जुड़े समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए काम करेंगी। उन्होंने कहा कि बड़ी तकनीकी कंपनियां स्थानीय समुदायों में बड़े स्तर पर योगदान करेंगी। इससे पहले ट्रंप सोशल मीडिया पर कह चुके हैं कि समुदायों को डेटा सेंटर्स का विरोध तभी करना चाहिए जब वे पिछड़े और गरीब बने रहना चाहते हों।

एआई की जगह सुपर इंटेलिजेंस

अमेरिका में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को सुपर इंटेलिजेंस के नाम से जाना जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में एआई का नाम बदलने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप और तकनीकी कंपनियों के प्रमुखों ने व्हाइट हाउस में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत वे उन्नत 'सुपर इंटेलिजेंस' प्रणालियों के विकास और तैनाती के दौरान सुरक्षा उपायों, स्वतंत्र ऑडिट और बोर्ड-स्तरीय निगरानी को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हुए हैं।

एआई कंपनियां खुद संभालेंगी सुरक्षा की जिम्मेदारी

राष्ट्रपति ने ऐलान किया कि सभी एग्जीक्यूटिव्स ने एक नैतिक रूप से बाध्यकारी दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं, जो एआई के खतरों से सुरक्षा कवच के रूप में काम करेगा। इस समझौते के तहत अब कंपनियां अपनी तकनीक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खुद जिम्मेदार होंगी। सभी फर्म्स ने इस बात पर भी सहमति जताई कि वे मॉडल्स को सही तरीके से काम करने और किसी भी तकनीकी खामी को तुरंत पकड़ने व सुधारने के लिए सुरक्षा उपाय लागू करेंगी।

ट्रंप ने लॉन्च किया एआई पोर्टल

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एंड्रयू डब्ल्यू मेलन ऑडिटोरियम में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान अमेरिका डॉट जीओवी पोर्टल का आधिकारिक शुभारंभ किया। अमेरिकी सरकार के इस एआई संचालित ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को दर्जनों सरकारी वेबसाइटें खंगालने से बचाना और नौकरशाही की जटिलताओं को कम करना है। इस पोर्टल से आम नागरिक को सरकारी फॉर्म, लाभ, योजनाओं और पूछताछ से जुड़ी सभी जानकारियां एक ही जगह मिल सकेंगी। ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर भी किए, जिसके तहत सभी सार्वजनिक सरकारी सेवाओं को इस पोर्टल से जोड़ना अनिवार्य कर दिया गया है। यह प्लेटफॉर्म गूगल के जेमिनी और एक्सआई के ग्रोक का उपयोग करता है, जिसे व्हाइट हाउस नेशनल डिजाइन स्टूडियो के साथ मिलकर विकसित किया जा रहा है। उपयोगकर्ता सरकारी सेवाओं के लिए इन टूल की मदद ले सकते हैं। सामान्य भाषा में प्रश्नों के जवाब मिलने से संघीय सेवाओं को समझना आसान होगा।

जयशंकर की गुटेरेस से मुलाकात

पश्चिम एशिया संघर्ष, यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों पर मंथन

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क


एस. जयशंकर और एंटोनियो गुटेरेस

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ग्लोबल साउथ देशों पर इनके असर पर चर्चा की। विदेश मंत्री की महासचिव गुटेरेस से यह मुलाकात मंगलवार को यूएन मुख्यालय में हुई। दोनों नेता यूएन महासभा के हाई-लेवल कार्यक्रमों के समापन के समय मिले। जयशंकर ने कहा कि यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मिलकर खुशी हुई। हमारी बातचीत पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों और उनके असर को कम करने की जरूरत पर केंद्रित थी। महासचिव के कार्यालय से जारी बैठक के विवरण में कहा गया है कि गुटेरेस और जयशंकर ने बहुपक्षवाद, भारत-यूएन सहयोग और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों, जिनमें यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के हालात शामिल हैं, पर चर्चा की। इस दौरान महासचिव ने यूएन के साथ भारत के सहयोग की सराहना की।

गुटेरेस के सेवा की सराहना की

शनिवार को यूएन में आम बहस के दौरान भारत की तरफ से विदेश मंत्री जयशंकर ने विश्व संगठन के प्रमुख के तौर पर गुटेरेस की सेवा की सराहना की थी। बता दें, इस साल दिसंबर में गुटेरस का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा था कि बहुपक्षवाद के उद्देश्य के लिए एक दशक की सेवा और समर्पण के बाद, हम जल्द ही महासचिव एंटोनियो गुटेरस को विदाई देंगे। भारत उनके कई योगदानों, खासकर 'मिशन लाइफ' के लिए उनके व्यक्तिगत समर्थन को बहुत महत्व देता है। गुटेरस के लिए यह आखिरी हाई-लेवल सप्ताह था। यूएन महासचिव के रूप में उनका दूसरा पांच साल का कार्यकाल दिसंबर, 2026 में समाप्त होगा। इस महीने की शुरुआत में वे ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन में शामिल होने भारत आए थे।

संयुक्त राष्ट्र पर ईरान का तंज

नई दिल्ली। भारत में ईरानी दूतावास ने यूएन पर तंज कसते हुए एक्स पर एक मीम शेयर किया, जिसमें पहली तस्वीर मार्वल के सुपरहीरो डॉक्टर स्ट्रेंज की है, जिसमें उनके कई हाथ नजर आते हैं। इसके साथ लिखा गया है- 'यूएन अकॉर्डिंग टू स्कूल बुक्स', यानी स्कूली किताबों के अनुसार यूएन।

भारत-इटली के बीच बैठक

पर्यटन सहयोग बढ़ाने के लिए तकनीकी समूह गठित करने पर सहमत हुए दोनों

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



भारत और इटली ने पर्यटन क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए विशेष तकनीकी समूह बनाने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच सहयोग के चिन्हित क्षेत्रों को आगे बढ़ाने और संबंधित पक्षों के बीच लगातार संवाद बनाए रखने के लिए संपर्क अधिकारी भी नियुक्त किए जाएंगे। भारत-इटली पर्यटन पर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की दूसरी बैठक मंगलवार को नई दिल्ली में हुई। इसकी सह-अध्यक्षता केंद्रीय पर्यटन सचिव भुवनेश कुमार और इटली के पर्यटन मंत्रालय की महासचिव इमानुएला त्रिपी ने की। बैठक में दोनों देशों के बीच पर्यटन सहयोग बढ़ाने के कई क्षेत्रों पर चर्चा हुई। इनमें पर्यटन से जुड़े आंकड़ों का आदान-प्रदान, कम चर्चित पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देना, सिने-पर्यटन, पर्यटन स्थलों की साझेदारी, कौशल विकास और क्षमता निर्माण तथा कारोबारियों के बीच सहयोग बढ़ाना शामिल है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों पक्षों ने इन क्षेत्रों में काम को आगे बढ़ाने के लिए विशेष तकनीकी समूह गठित करने और संबंधित अधिकारियों को संपर्क बिंदु के रूप में नामित करने पर सहमति जताई।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

2025 में हैजा से 7870 लोगों की मौत छोटे बच्चों के लिए आज भी जानलेवा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



कॉलरा (हैजा रोग) का नाम सुनने पर शायद आपको लगे जैसे ये कोई पुरानी बीमारी है, लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में यह आज भी जानलेवा साबित हो रहा है।

वैश्विक स्तर पर 5 साल से कम उम्र के बच्चों में मौत का बड़ा कारण रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएओ) के आंकड़े बताते हैं कि एक साल में इस बीमारी से 7,870 लोगों की मौत हुई और यह आंकड़ा 1999 के बाद सबसे ज्यादा है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक साल 2025 में दुनियाभर में रिपोर्ट किए गए 90% कॉलरा के मामले और मौतें अकेले सात देशों से सामने आई हैं। दुनियाभर में कॉलरा से होने वाली मौतों में करीब 30% की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान कुल 7,870 लोगों की बीमारी से जान गई साल जो 1999 के बाद किसी एक साल में दर्ज सबसे ज्यादा मौत के मामले हैं। 2025 में कॉलरा के 4.51 लाख नए मामले रिपोर्ट हुए, जो 2024 के मुकाबले करीब 20% कम हैं। 2025 में बस 7 देशों अंगोला, बांग्लादेश, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, नाइजीरिया, दक्षिण सूडान, सूडान और यमन से ही दुनिया के करीब 90% रिपोर्ट किए गए।

पीएम मोदी ने ट्रंप से फोन पर की बात

व्यापार, रक्षा और ऊर्जा पर बातचीत लगातार संपर्क आगे बढ़ाने पर जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ फोन पर हुई बातचीत की जानकारी साझा की है। पीएम मोदी ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच भारत-अमेरिका संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर उपयोगी बातचीत हुई। इस दौरान व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण तकनीकों समेत कई क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग की समीक्षा की गई। बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत और अमेरिका के बीच लगातार संपर्क बनाए रखना जरूरी है, ताकि दोनों देशों के संबंधों को आगे बढ़ाया जा सके।


पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फाइल फोटो

भारत में संयुक्त निवेश और सप्लाई चेन बनाने का न्योता



वॉशिंगटन। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को अमेरिका की आधिकारिक यात्रा के दौरान नेशनल एसोसिएशन ऑफ मैन्युफैक्चरर्स (एनएएम) के बिजनेस राउंडटेबल को संबोधित किया। कार्यक्रम में अमेरिका भर के छोटी और बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। पीयूष गोयल ने अमेरिकी मैन्युफैक्चरर्स को भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाने, भारतीय एसएमई के साथ साझेदारी करने तथा निर्माण संयुक्त निवेश कर मजबूत सप्लाई चेन बनाने के मौके तलाशने का आमंत्रण दिया।

स्वदेशी स्टील्थ ड्रोन निर्माण में भारतीय तकनीक से अमेरिका को बड़ा झटका

कावेरी इंजन का रूस में परीक्षण सफल, 48.5 किलो न्यूटन थ्रस्ट किया पैदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के स्वदेशी कावेरी ड्राई इंजन ने रूस में कठिन हाई-एल्टीट्यूड और फ्लाइट ट्रायल्स सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। यह इंजन 48.5 किलोन्यूटन थ्रस्ट पैदा करने में कामयाब रहा, जबकि उसका लक्ष्य 46 किलोन्यूटन था। यह उपलब्धि महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि यह इंजन भारत के आगामी डीआरडीओ घातक स्टील्थ ड्रोन का मुख्य पावर सोर्स बनेगा। इंजन गैस टरबाइन रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (जीटीआरई) द्वारा विकसित किया गया है। अब इसे अंतिम एयरवर्थिनेस सर्टिफिकेशन के लिए सेमिलैक यानी सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थिनेस एंड सर्टिफिकेशन की मंजूरी का इंतजार है। मंजूरी मिलने के बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) इसका उत्पादन संभालेगा।

डीआरडीओ के घातक यूसीएवी के लिए उपयोगी


कावेरी इंजन

कावेरी का ड्राई वर्जन यानी बिना आफ्टरबर्नर वाला संस्करण घातक (घातक) यूसीएवी के लिए भी उपयोगी है। यह मानवरहित लड़ाकू ड्रोन उच्च ऊंचाई और लंबे समय तक उड़ान भरने के लिए डिजाइन किया गया है। ड्राई इंजन ईंधन की बचत करता है। स्टेल्थ विशेषताओं को बनाए रखने में मदद करता है। डीआरडीओ का 'घातक' यूसीएवी भारत का महत्वपूर्ण स्टील्थ ड्रोन कार्यक्रम है। यह बिना पायलट वाला लड़ाकू विमान दुश्मन के इलाके में घुसकर मिशन पूरा कर सकेगा। ऐसे ड्रोन के लिए विश्वसनीय और स्वदेशी इंजन होना बेहद जरूरी है।

कठिन परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन

कावेरी ड्राई इंजन को रूस में कठोर परिस्थितियों में परखा गया। हाई-एल्टीट्यूड ट्रायल्स में इंजन ने ऊंचाई वाले इलाकों में अपना प्रदर्शन साबित किया। फ्लाइट ट्रायल्स में भी यह स्थिर और प्रभावी रहा। लक्ष्य से ज्यादा थ्रस्ट हासिल करना दर्शाता है कि इंजन की डिजाइन और इंजीनियरिंग मजबूत है।

फाइटर जेट को तेज उड़ान की मिलेगी ताकत

जीटीआरई ने इसे पूरी तरह से नया कोर डिजाइन करके फिर से बनाया है। नया कावेरी 2.0 बिना आफ्टरबर्नर के 55 से 60 किलोन्यूटन ड्राई थ्रस्ट और आफ्टरबर्नर के साथ 90 से 100 किलोन्यूटन वेट थ्रस्ट देने का लक्ष्य रखता है। यानी इससे फाइटर जेट को तेज उड़ान की ताकत मिलेगी। यह क्षमता मौजूदा अमेरिका के जीई एफ404 इंजनों के बराबर या उससे बेहतर है, जो वर्तमान में तेजस एमके1ए को ताकत दे रहे हैं। कावेरी 2.0 को मिड-लाइफ अपग्रेड के रूप में 2030 के दशक में तेजस बेड़े में फिट करने की योजना है। जब मौजूदा इंजन अपने ओवरहाल साइकिल में पहुंचेंगे, तब स्वदेशी इंजन लगाने से विदेशी निर्भरता कम होगी और आपूर्ति संबंधी जोखिम समाप्त होंगे।

5वीं पीढ़ी की लड़ाकू विमान परियोजना से एचएएल बाहर

देश में पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने के एडवांस मिडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोजेक्ट से एचएएल बाहर हो गई है। यह पहला मौका होगा जब किसी स्वदेशी लड़ाकू विमान प्रोजेक्ट में एचएएल शामिल नहीं होगी। एचएएल तेजस-एमके2 लड़ाकू विमान विकसित कर रही है, जिसे देसी राफेल कहा जाता है। रक्षा सचिव आरके सिंह ने बताया कि कुछ जरूरी तकनीकी शर्तें पूरी नहीं कर पाने के कारण एचएएल को बाहर किया गया है। एचएएल के बाहर होने के बाद अब एएमसीए के प्रोटोटाइप बनाने की दौड़ में तीन दावेदार बचे हैं। टाटा एडवांस्ड सिस्टम, एलएंडटी-बेल-डायनामैटिक कंसोर्टियम और भारत फोर्ज-बीईएमएल-डाटा पैटर्न्स का कंसोर्टियम। इस तरह पहली बार लड़ाकू विमानों के प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी निजी क्षेत्र की कंपनियों पर होगी।

चिंतन

कॉकपिट की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

विमान की सुरक्षा की सबसे मजबूत दीवार कॉकपिट का दरवाजा माना जाता है, लेकिन जब खतरा इसी दरवाजे के भीतर से पैदा होने लगे तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था कठघरे में खड़ी हो जाती है। फ्लाईदुबई की दुबई-तेल अवीव उड़ान में पायलटों के बीच हिंसक घटना और विमान के अचानक हजारों फीट नीचे आने की प्रारंभिक खबरों ने विमानन सुरक्षा के एक बेहद गंभीर पहलू पर बहस छेड़ दी है। यह घटनाक्रम महज दो पायलटों का आपसी विवाद मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक कॉकपिट में हिंसक टकराव हुआ, एक पायलट घायल हुआ और विमान तेजी से नीचे आया। विमान से पहले 7700 और फिर 7500 जैसे आपात संकेत प्रसारित हुए। इसके बाद विमान का मार्ग बदला गया और उसे सऊदी अरब के तबूक में उतारा गया। विमान में करीब 180 यात्री सवार बताए गए थे। वे सुरक्षित उतर गए, लेकिन घटना एक बुनियादी सवाल छोड़ गई। अगर विमान की कमान संभालने वाले पायलट ही हिंसा पर उतर आएं तो सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा किसके भरोसे होगी? ऐसे में कॉकपिट तक पहुंच रखने वाले लोगों के मामले में सुरक्षा मानकों की गंभीरता और बढ़नी चाहिए। पायलट की तकनीकी दक्षता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी उसका जिम्मेदार और संतुलित व्यवहार भी है। इसलिए पायलटों की पृष्ठभूमि जांच को केवल नियुक्ति के समय की औपचारिकता नहीं बनाया जा सकता। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और नशे की जांच के साथ मानसिक एवं व्यवहारिक स्वास्थ्य की समय-समय पर समीक्षा भी सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा होनी चाहिए। काउंसलिंग की ऐसी व्यवस्था हो, जिसमें पायलट तनाव या व्यक्तिगत संकट की स्थिति में बिना किसी भय के मदद मांग सके। मानसिक स्वास्थ्य को संदेह का आधार बनाना गलत होगा, लेकिन गंभीर जोखिम के संकेतों को नजरअंदाज करना भी खतरनाक है। सवाल यह है कि मौजूदा व्यवस्था ऐसे संकेतों को कितनी जल्दी पहचान पाती है। घटना ने कॉकपिट सुरक्षा प्रोटोकॉल पर भी सवाल खड़े किए हैं। यदि दो पायलटों के बीच विवाद अचानक हिंसा में बदल जाए तो केबिन क्रू कितनी जल्दी हस्तक्षेप कर सकता है? विमान का नियंत्रण सुरक्षित रखने की वैकल्पिक व्यवस्था क्या है? एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना देने और सुरक्षा एजेंसियों को सक्रिय करने की प्रक्रिया कितनी तेज है? इन सवालों के जवाब केवल नियम पुस्तिका में दर्ज होना पर्याप्त नहीं हैं। उनका नियमित अभ्यास और सिमुलेशन भी जरूरी है। 7500 कोड संभावित गैरकानूनी हस्तक्षेप या हाइजैकिंग का संकेत होता है। इसलिए आपात संचार प्रणाली की विश्वसनीयता और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता की समीक्षा भी जरूरी है। विमानन सुरक्षा में बाहरी खतरों हाइजैकिंग, आतंकवादी हमले या घुसपैठ पर लंबे समय से ध्यान दिया जाता रहा है। अब अंदरूनी खतरे को भी उतनी ही गंभीरता से देखने की जरूरत है। घटना की जांच से यह स्पष्ट होगा कि कॉकपिट में हिंसा की शुरुआत कैसे हुई और विमान के तेजी से नीचे आने की वजह क्या थी। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना भी उचित नहीं। इसलिए पायलटों की चयन प्रक्रिया, पृष्ठभूमि जांच, नशे की जांच, काउंसलिंग और कॉकपिट में हिंसा की स्थिति से निपटने के प्रोटोकॉल हर कड़ी को मजबूत करना होगा। कॉकपिट में अनुशासन के लिए जीरो टॉलरेंस जरूरी है। क्योंकि कॉकपिट का दरवाजा यात्रियों को खतरे से बचाने के लिए बनाया गया है, खतरे का दरवाजा बनने के लिए नहीं।



मुद्दा
ज्ञानेन्द्र रावत

खत्म नहीं हो रहा वायु प्रदूषण का संकट

दुनिया में बढ़ती गर्मी और जंगलों में लग रही विनाशकारी आग की बेतहाशा बढ़ती घटनाओं से दुनिया की हवा जहरीली हो रही है। डब्ल्यूएमओ के वैज्ञानिक लोरेंगो लैब्रेडोर का कहना है कि जंगलों में लगी आग का जहरीला धुंआ दुनियाभर के शहरों की हवा को तेजी से बुरी तरह प्रदूषित कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी डब्ल्यूएमओ की हालिया रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है कि वायु प्रदूषण का संकट वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और लोगों की सेहत सुधारने के अंतराष्ट्रीय प्रयासों पर पानी फेर रहा है। जलवायु परिवर्तन के चलते डब्ल्यूएमओ के वायु गुणवत्ता मानकों को पाना अब मुश्किल होता जा रहा है। भारत भी उस मार से अछूता नहीं रहा है।

वायु प्रदूषण का संकट थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुनिया में बढ़ती गर्मी और जंगलों में लग रही विनाशकारी आग की बेतहाशा बढ़ती घटनाओं से दुनिया की हवा जहरीली हो रही है। डब्ल्यूएमओ के वैज्ञानिक लोरेंगो लैब्रेडोर का कहना है कि जंगलों में लगी आग का जहरीला धुंआ दुनियाभर के शहरों की हवा को तेजी से बुरी तरह प्रदूषित कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी डब्ल्यूएमओ की हालिया रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है कि वायु प्रदूषण का संकट वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और लोगों की सेहत सुधारने के अंतराष्ट्रीय प्रयासों पर पानी फेर रहा है। जलवायु परिवर्तन के चलते डब्ल्यूएमओ के वायु गुणवत्ता मानकों को पाना अब मुश्किल होता जा रहा है। भारत भी उस मार से अछूता नहीं रहा है।

यहां पर भी पराली आदि जलाये जाने से पीएम 2.5 के स्तर में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। वैसे यह एक आम मिथक सा बन गया है कि अक्सर भारत में, जबकि यह समस्या विश्व व्यापी है, खासकर उत्तर भारत में वायु प्रदूषण के लिए पराली को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है, जबकि वायु प्रदूषण में पराली का योगदान डीजल-पेट्रोल व कारखानों से निकलने वाले प्रदूषकों के मुकाबले काफी कम है जो वायु गुणवत्ता सम्बंधी समस्याओं को बढ़ाने में अहम भूमिका निबाहते हैं। देखा जाए तो वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेवार 32 से 44 फीसदी प्रदूषक किन स्त्रोतों से आते हैं, उनकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है, जिनसे वायु गुणवत्ता खराब होती है। इनसे निपटने का कोई प्रभावी उपाय भी अभी तक ईजाद नहीं हो सका है। जहां तक पराली का सवाल है, वायु प्रदूषण में उत्तर भारत के राज्यों खासकर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में पराली यानी फसलों के अवशेष जलाने का योगदान आमतौर पर 22 से 35 फीसदी तक रहता है। यह हवा की स्थिति और मौसम के आधार पर कभी-कभी बढ़ता-घटता रहता है। इस बारे में आईआईटी और टेरी के वैज्ञानिक अध्ययनों की मानें तो सर्दियों की शुरुआत में जब पंजाब और हरियाणा में पराली जलाई जाती है, तब उत्तर-पश्चिम हवाओं के कारण यह धुंआ एनसीआर की हवा में पीएम 2.5 का स्तर काफी बढ़ा देता है, लेकिन अभी तो सितम्बर का महीना भी खत्म नहीं हुआ है और मौसम के बदलाव और मानसून के कमजोर पड़ने के साथ ही पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से सटे कई राज्यों में पराली जलाये जाने का असर वायु गुणवत्ता पर साफ-साफ दिखाई देने लगा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के क्रीम्स यानी कंसोर्टियम फार रिसर्च आन एग्रो इकोसिस्टम मानीटरिंग एंड माडलिंग फ्राम स्पेस उपग्रह निगरानी की मानें तो आने वाले दिनों में पराली जलाने से निकलने वाला धुंआ हवा की दिशा और मौसम सम्बंधी परिस्थितिजन्य हालातों के चलते एनसीआर की हवा को और खराब हालात में पहुंचा देगी। देश में राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता पर हर बार सवाल उठते रहे हैं। यहां वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु बीते सालों में उठाये गये कई कदमों और कुछ नये प्रयोगों के बावजूद यहां की हवा नहीं सुधरी। हां, उन प्रयासों से प्रदूषण के स्तर में कुछ मात्रा में ही सही, कमी तो आई। आज भी स्वच्छ वायु सर्वेक्षण रैंकिंग में दिल्ली 21वें नम्बर पर है। उसे 200 में से 172 अंक हासिल हुए हैं और अभी भी दिल्ली देश में



साफ हवा वाले शहरों की सूची में पहले दस स्थानों में भी शामिल नहीं है। जबकि एनसीआर में गाजियाबाद और फरीदाबाद भी दिल्ली से ऊपर 184 और 179.1 स्थान यानी 9वें और 14वें स्थान पर हैं। दिल्ली में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण की रैंकिंग सबूत है कि हवा की गुणवत्ता की स्थिति उस स्तर तक नहीं पहुंची है जिसकी राजधानी दिल्ली को जरूरत है। इसके लिए प्रदूषण नियंत्रण हेतु उपलब्ध एनसीएपी यानी राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की राशि के इस्तेमाल की धीमी रफ्तार, खर्च का सीमित दायरा और व्यवस्था की प्राथमिकताएं जिम्मेवार हैं। यदि सीपीसीबी के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2016 में प्रदूषण कण पीएम 10 का औसत स्तर 245.22 पर था, जो साल 2026 में सुधर कर 177.48 आ गया।

मानकों के मुताबिक पीएम 10 का औसत स्तर 60 पर रहना चाहिए। इसमें सबसे बड़ी समस्या सरकार का प्रदूषण के स्रोत घटाने के स्थान पर प्रदूषण दिखने के बाद धूल दबाने और तत्काल नियंत्रण वाले उपायों पर ज्यादा निर्भर रहना है। यही वजह है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के प्रमुख न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव को कहना पड़ा कि स्वच्छ हवा केवल पर्यावरण से जुड़ी आकांक्षा नहीं है, बल्कि यह ऐसा व्यावहारिक लक्ष्य है जिसे ठोस प्रयास और जमीन पर प्रभावी अमल से ही हासिल किया जा सकता है। अब इस बाबत दिल्ली सरकार की वायु प्रदूषण से निपटने हेतु उद्योग, निर्माण, सड़क से उठने वाली धूल, वाहनों के प्रदूषण, कचरे को जलाने से रोकने जैसे सात इलाकों पर फोकस करने, स्थानीय निवासियों व आरडब्ल्यूए के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाने, हरियाणा सरकार की 14 जिलों के मुताबिक प्लान बनाने, हर जिले में नोडल अधिकारी की तैनाती, वहीं उत्तर प्रदेश की एनसीआर से सटे पांच थर्मल पावर सहित आठ जिलों में पराली जलाने से रोकने, सड़कों की मशीनों से सफाई व मरम्मत कराने, पुराने वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर लगाम लगाने के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, उद्योगों में ऑनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली लगाए जाने और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाये जाने की योजना है।

अब देखना यह है कि इन योजनाओं पर अमल कब तक हो पाता है या इनका क्रियान्वयन भी पुराने ढर्रे पर ही होगा, यह तो भविष्य के गर्भ में है। अब तो उत्तरी भारत के मुकाबले साफ माने जाने वाले देश के दक्षिणी राज्यों के प्रमुख शहर चेन्नई और बंगलुरू में भी वायु गुणवत्ता बिगड़ने के संकेतों के पीछे मौसम को जिम्मेदार बताया जा रहा है। देश के दिल्ली, मुंबई, बंगलुरू, पटना, कोलकाता और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों के विश्लेषण से खुलासा हुआ है कि वायु प्रदूषण को केवल उत्सर्जन की समस्या मानना अधूरा दृष्टिकोण है। उत्सर्जन और मौसम के बीच की परस्पर क्रिया ही वायु गुणवत्ता को नियंत्रित करती है। वायु प्रदूषण से जुड़ी होने वाली ज्यादातर स्वास्थ्य समस्यायें एयरोसोल से जुड़ी होती हैं, जिसके कण मानव आंखों को मुश्किल से दिखाई देते हैं जो जलवायु, मौसम और शरीर में विषाक्तता सम्बंधी प्रतिक्रियाओं को जन्म देते हैं। इसके लम्बे समय तक संपर्क में रहने से फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। अत्याधिक सांद्रता के कारण श्वसन तंत्र अवरुद्ध होने से मृत्यु तक हो सकती है। इसके प्रभाव से जानवर और पौधे भी अछूते नहीं रह सके हैं।

इसके अलावा स्ट्रोक से होने वाली लगभग 40 फीसदी मौतों के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची की आला पीठ ने सही ही कहा है कि वायु प्रदूषण अब एक गंभीर समस्या का रूप ले चुका है। अब इसका फौरी निदान के बजाय दीर्घ-कालिक उपाय ढूंढना जरूरी हो गया है।

(लेखक पर्यावरणविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

वृद्ध दिवस पर विशेष
ऋतुपर्ण दवे

बुजुर्ग समाज की शान अनुभव-ज्ञान के भण्डार

वृद्ध हमारे परिवार और समाज की गरिमा हैं, शान हैं। एक तरह से धरोहर हैं। समाज में वृद्धजनों की भूमिका केवल एक परिवार के बुजुर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज के नैतिक और सांस्कृतिक आधार भी हैं। उनका जीवन, अनुभव और ज्ञान समाज को सही दिशा दिखाने में महत्वपूर्ण होता है। आज जब इस दौर में समाज में अलगाव और व्यस्तताएं बढ़ रही हैं, वृद्धजनों की देखभाल और सम्मान के प्रति समाज की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। समाज, परिवार और राष्ट्र के निर्माण में वरिष्ठ नागरिकों के अमूल्य योगदान का सम्मान करना तथा उनके स्वास्थ्य, अधिकारों और गरिमापूर्ण जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस मनाया जाता है। इस नेक काम की शुरुआत पहली बार 1 अक्टूबर 1991 में हुई। हर वर्ष इसी दिन मनाने का निर्णय 14 दिसंबर 1990 को संयुक्त राष्ट्र महासभा लिया गया। हर साल 1 अक्टूबर को, हम अपने करीब के चिकित्सालयों में ऐसा कुछ देखते हैं जो वास्तव में कैलेण्डर में नहीं होता है। 70-80 वर्ष की आयु के मरीज जो अभी भी अकेले आते हैं, अपनी दवाइयों का समय खुद तय करते हैं और लक्षणों को कम करके आंकते हैं क्योंकि वे किसी को परेशान नहीं करना चाहते। यह दिन स्वस्थ वृद्धावस्था वास्तव में कैसी होती है, इस पर चर्चा करने का अवसर है, न कि केवल इसे सरसरी तौर पर रस्म अदायगी कर मनाने का। बुजुर्गों की देखभाल के बारे में हम बातें तो बहुत करते हैं लेकिन अमल में नहीं लाते। बस इसी कथनी और करनी की खाई पाटने के लिए अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस की परिकल्पना की गई। निश्चित रूप से इस दिन को समारोहपूर्वक मनाने से समाज में काफी बदलाव आया है। लोग सजग हुए हैं, खासकर वो युवा जो कल वृद्ध होंगे, एक सकारात्मक सोच और अपना भविष्य देखने के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

यह एक अच्छा संकेत है। हर वर्ष एक नए थीम के साथ इस दिन को इसलिए भी मनाया जाता है ताकि बुजुर्गों की देखरेख को लेकर नए-नए विचार और सुधार को अंजाम दिया जा सके। इस वर्ष की थीम 'दी एज ऑफ लॉन्गेविटी, रीथिंकिंग सिस्टम्स फॉर लांगर लाइव्स' यानी 'दीर्घायु का युग, दीर्घायु के लिए प्रणालियों पर पुनर्विचार' है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अब दुनिया के आधे देशों में औसत आयु 75 वर्ष से अधिक हो गई है, जो 1950 की तुलना में 2030 तक 25 वर्ष अधिक होने का अनुमान है। एक अनुमान के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वृद्धों की संख्या युवाओं से अधिक है और विकासशील देशों में यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसीलिए वृद्धों की देखरेख, उनके योगदान, ज्ञान, गरिमा और जरूरतों को स्वीकार करने और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी और उसमें नए-नए संशोधनों और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए इस दिन पूरे विश्व में गहन विचार-विमर्श होता है और नए कार्यक्रमों, सुधारों और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को शामिल किया जाता है। इसीलिए हर वर्ष एक नए थीम के साथ यह दिन मनाया जाता है। विश्व में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों की संख्या वर्तमान में लगभग 1.25 अरब है, जो कुल वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2020 में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 1 अरब थी।

अब दुनिया में हर 9 में से 1 व्यक्ति की उम्र 60 साल या उससे अधिक है। 65 वर्ष से अधिक उम्र के आज दुनिया में लगभग 83 करोड़ लोग हैं। अनुमान है कि 2030 तक दुनिया में हर 6 में से 1 व्यक्ति 65 वर्ष या उससे अधिक आयु का होगा और तब इनकी संख्या लगभग 1.4 अरब होगी। 2050 तक का अनुमान है कि यह संख्या लगभग दोगुनी यानी 2.1 अरब हो जाएगी। जबकि 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों की संख्या 2030 से 2050 के बीच तीन गुना बढ़कर 42.6 करोड़ हो जाने का अनुमान है। अभी चीन दुनिया में सबसे बड़ी बुजुर्ग जनसंख्या वाला देश है, जो लगभग 193.8 मिलियन है। जबकि भारत लगभग 97.7 मिलियन बुजुर्गों के साथ दूसरे स्थान पर है, वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका 57.1 बुजुर्गों के साथ तीसरे क्रम पर है। इस बार बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, ऑस्टियोआर्थराइटिस और जोड़ों का दर्द, ऑस्टियोपोरोसिस, हृदवाहिनी रोग, संज्ञानात्मक गिरावट और मनोभ्रंश, दृष्टि और श्रवण हानि, अवसाद और सामाजिक अलगाव, स्वस्थ दीर्घायु को बढ़ावा देने में अस्पतालों की भूमिका पर आधारित थीम के साथ निश्चित रूप से वृद्धजनों की बेहतरी के लिए काफी कुछ होगा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

श्वास जीवन की पहली और आखिरी क्रिया



संकलित
दर्शन

क्या आपने कभी गिना है कि एक मिनट में आप कितनी बार श्वास लेते हैं? श्वास जीवन की पहली और अंतिम क्रिया है। पूरे जीवन भर हम श्वास लेते रहते हैं, पर उस पर ध्यान नहीं देते। शरीर की लगभग 90 प्रतिशत अशुद्धियाँ श्वास से बाहर निकलती हैं, क्योंकि हम 24 घंटे श्वास लेते हैं, पर अपनी फेफड़ों की क्षमता का केवल 30 प्रतिशत ही उपयोग करते हैं। एक मिनट में हम लगभग सोलह-सत्रह बार श्वास लेते हैं। यदि आप चिंतित हैं तो यह बीस तक बढ़ सकती है, यदि आप क्रोध या अत्यधिक तनाव में हैं तो यह पच्चीस तक जा सकती है। शांत और प्रसन्न होने पर यह लगभग 10 रहती है और ध्यानावस्था में केवल दो-तीन श्वास प्रति मिनट। गहरा ध्यान श्वास की गति को अत्यंत धीमा कर देता है। मन पतंग के समान है और श्वास उसकी डोर। पतंग जितनी ऊंची उड़ानी हो, डोर उतनी लंबी चाहिए। यदि आप श्वास पर ध्यान देना सीख लें, तो किसी औषधि की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। श्वास अपार ऊर्जा प्रदान करती है और प्राणशक्ति को बढ़ाती है। ऊर्जा के चार स्रोत बताए गए हैं- भोजन, नींद, प्राणायाम (सुदर्शन क्रिया) और ध्यान में बिताए गए क्षण। इन सबका संतुलन समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। सुदर्शन क्रिया के लयबद्ध श्वास-प्रवाह से शरीर की विषाक्तता घटती है और मन में शांति बढ़ती है। शोध से यह प्रमाणित हुआ है कि सुदर्शन क्रिया रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाती है।

जीवन में सब ईश्वर की दया ही है

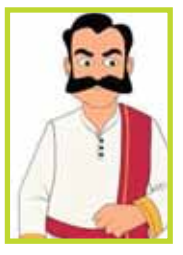

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक अमीर सेठ के यहां एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची और कड़वी थी। सेठ ने वह ककड़ी अपने नौकर को दे दी। नौकर ने उसे बड़े चाव से खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछा- ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोला- आप मेरे मालिक हैं, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वाद या कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएं दी हैं, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं। असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हम केवल जीवन में अच्छे व उजले पक्ष को ही देखते हैं। हमें सुख, आराम पसंद है, पर दुख व कष्ट के क्षण आते ही हमारा मन विचलित होने लगता है। जीवन में सुख और दुख दोनों ही पल होते हैं।

सटाका



आज की पाती

जीवित मां-बाप व सास ससुर की सेवा की है?

कहते हैं कि कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं, बाद में अमृत पिलाने से क्या फायदा? जिन लोगों ने अपने माता-पिता, सास-ससुर और पूर्वजों की उनके जीवित रहते हुए सेवा नहीं की हो, उन्हें लोक दिखावे के लिए उनका श्राद्ध भी नहीं करना चाहिए। इससे ऐसे लोगों के पूर्वजों की आत्मा को शायद ही शांति मिले। हमारे देश में पत्थर को पूजा जाता है। नदियों की पूजा की जाती है। अपने पूर्वजों को याद करने के लिए हमारे देश में श्राद्धों का आयोजन किया जाता है। हमारे देश की महान संस्कृति हमेशा ही संदेश देती है कि हमें अपने पूर्वजों का सम्मान करना चाहिए। पूर्वजों को सम्मान करने से एक तो नैतिकता का संचार होता है, दूसरा उनके चलाए रास्तों पर चलने से कोई भी इनसान कभी नाकामयाब नहीं होता। - वीरेंद्र कुमार, रोहतक

ट्रेंड

जनगणना में भाग लें



जनगणना में भाग लेना हम सभी का राष्ट्रीय कर्तव्य है। इससे देश के भविष्य की सही तस्वीर बनाने में मदद मिलती है। मैं एक बार फिर अपने सभी देशवासियों से आग्रह करता हूँ कि वे इसके लिए ज़रूर समय निकालें।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मेडल जीतने पर बधाई



नायब सूबेदार गुलवीर सिंह ने एशियन गेम्स पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने तीन इवेंट्स में तीन मेडल अपने नाम किए।गुलवीर ने लगातार अच्छा प्रदर्शन और ज़बरदस्त जज्बा दिखाया है। एक और मेडल जीतने पर उन्हें बधाई!
- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

वोटों की चोरी



भारतीय लोकतंत्र के सामने वोटों की चोरी एक बेहद गंभीर समस्या बन गई है। हमारे नेता राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से उठा रहे हैं लेकिन दुर्भाग्य से, चुनाव आयोग चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और ईमानदार बनाने की दिशा में काम करने को तैयार नहीं है।
- कमलनाथ, पूर्व सीएम, मध्यप्रदेश

छात्राओं की सुरक्षा



आज सभी छात्राएं अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। और सरकार क्या कर रही है? वह सलाह दे रही है। शाम के बाद घर से बाहर न निकलें। अरे सरकार! अपना काम करो। सुरक्षा का इंतज़ाम करो।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

अमेरिका में ईबी-5 ग्रीन कार्ड की फीस बढ़ेगी



अमेरिका ने देश में निवेश करने और आगे चलकर स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) हासिल करने की इच्छा रखने वाले प्रवासियों के लिए ईबी-5 निवेशक कार्यक्रम की फीस में भारी बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। ईबी-5 निवेशक कार्यक्रम भारतीय उद्यमियों और उनके परिवारों के लिए ग्रीन कार्ड हासिल करने के भरोसेमंद रास्तों में से एक माना जाता है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने मंगलवार को एक अंतिम नियम जारी किया, जिसके तहत ईबी-5 वीजा के लिए आवेदन करने की फीस दोगुने से भी अधिक बढ़ जाएगी। यह नियम 30 नवंबर से प्रभावी होगा। अमेरिका का 'ईबी-5 निवेशक कार्यक्रम' उन विदेशी निवेशकों और उनके निकटतम परिजनों को स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) प्राप्त करने का अवसर देता है, जो किसी अमेरिकी व्यावसायिक उद्यम में निर्धारित पूंजी निवेश करते हैं और अमेरिकी कामगारों के लिए कम से कम 10 पूर्णकालिक नौकरियां पैदा करते हैं। अकेले निवेश करने वाले आवेदकों के लिए फॉर्म आई-526 की फीस 3,675 डॉलर से बढ़कर 7,615 डॉलर हो जाएगी। स्वीकृत रीजनल सेंटर के माध्यम से निवेश करने वाले आवेदकों के लिए शुरुआती फॉर्म आई-526 फीस 3,675 डॉलर से बढ़कर 7,850 डॉलर हो जाएगी।

ऑफ बीट

एआई भाषाई असमानता को बढ़ावा दे सकता है



कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर यह चिंता लगातार बढ़ रही है कि इससे सामाजिक और आर्थिक असमानता बढ़ सकती है। हालांकि, एआई भाषाई असमानता को भी बढ़ावा दे सकता है, क्योंकि जनरेटिव एआई के पीछे काम करने वाले बड़े भाषा मॉडल में कुछ भाषाओं का प्रतिनिधित्व बहुत अधिक है, जबकि कई अल्पसंख्यक भाषाएं लगभग गायब हैं। जनरेटिव एआई बहुसंख्यक भाषाओं पर बेहतर काम करता है। इसके विपरीत, जिन भाषाओं की ऑनलाइन मौजूदगी बहुत कम है, उनके बारे में एआई मॉडल के पास पर्याप्त आंकड़े नहीं होते। इससे ऐसी भाषाओं में पूछे गए सवालों के गलत या अधूरे जवाब मिलने की संभावना बढ़ जाती है। पापुआ न्यू गिनी की हुला भाषा के करीब 10,000 भाषाभाषी हैं, जबकि तिमोर-लेस्ते में व्यापक रूप से बोली जाने वाली टेटुन भाषा के करीब 10 लाख से अधिक वक्ता हैं। दोनों भाषाओं का एआई मॉडल के प्रशिक्षण आंकड़ों में प्रतिनिधित्व बेहद कम है। शोधकर्ताओं ने पिछले एक वर्ष में एक अलग प्रवृत्ति भी देखी है। एआई स्थानीय समुदायों को अपनी जरूरत के मुताबिक डिजिटल उपकरण बनाने में सक्षम बना रहा है, जिससे वे अपनी भाषाओं और ज्ञान को संरक्षित कर सकते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

सीबीआई ने आठ कर्मचारियों को हिरासत में लिया

फर्जी दस्तावेजों से डाक विभाग में नौकरी का मामला सीबीआई ने आठ को पकड़ा

जबलपुर। डाक विभाग में फर्जी शैक्षणिक दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। ग्रामीण डाक सेवक सहित डाक विभाग के विभिन्न पदों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति पाने के आरोप में सीबीआई ने आठ कर्मचारियों को पकड़ा है। इनमें पांच को जबलपुर और तीन को कटनी से पकड़े जाने की जानकारी है। मामले की जांच जारी है और संदिग्ध नियुक्तियों की संख्या बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। सीबीआई ने फर्जी दसवीं की अंकसूची के आधार पर ग्रामीण डाक सेवक की नौकरी हासिल करने वाले अभ्यर्थियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। जांच में फिलहाल आठ अभ्यर्थियों के नाम सामने आए हैं, जबकि 30 से अधिक संदिग्ध नियुक्तियां भी जांच के दायरे में बताई जा रही हैं।



बोर्ड से सत्यापन में खुली गड़बड़ी

जांच के दौरान डाक विभाग में नियुक्त अभ्यर्थियों की दसवीं की अंकसूचियों का संबंधित शैक्षणिक बोर्डों से सत्यापन कराया गया था। सत्यापन में कुछ अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत अंकसूचियां संबंधित बोर्डों से जारी नहीं होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद मामले की जांच आगे बढ़ाई गई। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि अलग-अलग अभ्यर्थियों ने विभिन्न राज्यों के शैक्षणिक बोर्डों के नाम पर तैयार किए गए कथित फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। इनमें बिहार, झारखंड और जम्मू-कश्मीर सहित अलग-अलग राज्यों के बोर्डों से संबंधित दस्तावेज बताए जा रहे हैं।

अलग-अलग डाकघरों में थी पदस्थापना

मामले में सामने आए अभ्यर्थियों की जबलपुर जिले के विभिन्न डाकघरों में पदस्थापना रही है। इनमें मानवेंद्र सिंह को कुंडम, राजा बाबू अहिरवार और सौरभ शर्मा को पाटन, प्रदीप कुमार को उमरिया-बरेला तथा नयन कुमार को शाहपुरा क्षेत्र के डाकघर में पदस्थ किया गया था। इसके अलावा बद्री प्रसाद यादव, देवेन्द्र सिंह चौहान और रमाकांत शर्मा की भी डाक विभाग में नियुक्ति हुई थी।दस्तावेजों के सत्यापन में गड़बड़ी सामने आने के बाद डाक विभाग ने संबंधित आठ अभ्यर्थियों की सेवाएं समाप्त कर दी थीं। अब सीबीआई ने मामले को अपने हाथ में लेकर फर्जी दस्तावेज तैयार करने, उनका इस्तेमाल करने और भर्ती प्रक्रिया में कथित धोखाधड़ी की पूरी कड़ी की जांच शुरू कर दी है।

30 से अधिक नियुक्तियां भी जांच के घेरे में

सीबीआई की जांच अभी जारी है। प्रारंभिक जांच में आठ अभ्यर्थियों के नाम सामने आए हैं, लेकिन विभागीय नियुक्तियों से जुड़े 30 से अधिक मामलों की भी जांच किए जाने की जानकारी है। जांच आगे बढ़ने के साथ और कर्मचारियों की भूमिका सामने आने की संभावना है। सीबीआई दस्तावेजों के स्रोत, उनके सत्यापन और भर्ती प्रक्रिया में उनकी स्वीकार्यता से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।



महाकौशल को मिली अत्याधुनिक डायलिसिस सुविधा

बडेरिया मेट्रो प्राइम अस्पताल में एडवांस हीमोडायफिल्ट्रेशन सिस्टम की शुरुआत

जबलपुर। दमोह नाका स्थित बडेरिया मेट्रोप्राइम मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने अपनी 20 वर्षों की यात्रा पूरी होने के अवसर पर महाकौशल क्षेत्र को अत्याधुनिक डायलिसिस तकनीक की सौगात दी है। अस्पताल के डायलिसिस यूनिट में विश्व प्रसिद्ध जर्मन तकनीक एडवांस्ड हेमोडायफिल्ट्रेशन पर आधारित एडवांस फ्रेसेनियस 5008 प्रणाली का उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अत्याधुनिक प्रणाली का उद्घाटन किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. विशाल वढेरा, किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. राजेश पटेल, मेडिकल स्पेशलिस्ट डॉ. शैलेंद्र राजपूत एवं डायरेक्टर राजीव बडेरिया के द्वारा किया गया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के डॉ. हर्ष सक्सेना, डॉ. अरविंद जैन, डॉ. अजय सेठ, डॉ. तरुण नागपाल, डॉ. प्राची शर्मा, सीओ अभिषेक शर्मा सहित समस्त चिकित्सक स्टाफ उपस्थित रहे। हॉस्पिटल प्रबंधन ने कहा कि 20 साल पहले एक छोटे से सपने के साथ शुरुआत की गई थी और आज 20 साल बाद महानगरों जैसी विश्वस्तरीय किडनी रोग उपचार सुविधा क्षेत्र के लोगों को यहीं उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि उन्हें इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े।



सफाई मित्रों की सुरक्षा में जबलपुर को देश में प्रथम स्थान

जबलपुर। सफाई मित्रों की सुरक्षा, सम्मान एवं कल्याण के क्षेत्र में जबलपुर नगर निगम ने देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि के बाद नगर निगम ने सफाई मित्रों के सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण और योजनाओं के हितलाभ वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने 243 सीवर एवं सेप्टिक टैंक कर्मचारियों को 5 लाख रुपये तक निःशुल्क इलाज की सुविधा के प्रमाण पत्र एवं कार्ड वितरित किए। नमस्ते योजना के तहत कर्मचारियों को आयुष्मान भारत एवं राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ा गया। स्वास्थ्य परीक्षण के साथ दवाइयां और सुरक्षा किट भी वितरित की गईं। सीवर एवं सेप्टिक टैंक सफाई को सुरक्षित बनाने कर्मचारियों को आधुनिक मशीनों, सुरक्षा उपकरणों और पीपीई किट के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। महापौर ने कहा कि सफाई मित्रों की सुरक्षा और सम्मान नगर निगम की प्राथमिकता है। कार्यक्रम में रिंकू विज, डॉ. सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, दामोदर सोनी, अंशुल राघवेंद्र यादव, अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान एवं स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आज सायंकालीन जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

जबलपुर। कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि म.प्र.पू.क्षे.वि.वि. कम्पनी द्वारा संधारण कार्य हेतु आज दिनांक 01 अक्टूबर 2026 को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी. जिससे 120 एम.एल.डी. रमनगरा जल शोधन संयंत्र से सायंकालीन जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। संयंत्र से भरी जाने वाली उच्चस्तरीय टंकियाँ क्रमशः बिडला धर्मशाला, मेडिकल, त्रिपुरी, गुलौआ, राईट टाउन, रामेश्वरम, मनमोहन नगर, लक्ष्मीपुर, कोतवाली, मोतीनाला, आनंद नगर, लेमा गार्डन, सर्वोदय नगर, मदर टैरेसा, बेदी नगर, मिल्क स्कीम, किलकारी गार्डन, न्यू शोभापुर निर्मलचंद जैन वार्ड व राजीव नगर बाबा की कुटिया तथा अमृत योजना की क्रमशः कोंगवा, करमेता, शिवनगर, अमखेरा, रवीन्द्र नगर, सुहागी, खैरी व देवताल उच्चस्तरीय टंकियों से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

उक्त अतिमहत्वपूर्ण कार्य के चलते क्षेत्रीय नागरिकों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू", जल प्रभारी दामोदर सोनी एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने खेद व्यक्त किया है। प्रभावित क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जायेगी।



महाकौशल विद्यालय के 1975 बैच का स्नेह मिलन समारोह संपन्न

जबलपुर। महाकौशल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जबलपुर के भूतपूर्व छात्रों के 1975 बैच सहित विद्यालय के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पूर्व छात्रों और उनके परिवारों का स्वर्ण जयंती स्नेह मिलन, अभिनंदन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होटल शिखर पैलेस में गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। शाम 6 से रात 10 बजे तक चले समारोह के मुख्य अतिथि विपिन बिहारी व्यौहार रहे, जबकि अध्यक्षता भूतपूर्व गुरुवर आर.पी. श्रीवास्तव ने की। विशिष्ट अतिथियों में जयंत तन्खीवाले, दत्तात्रेय कुलकर्णी, जी.एस. रैकवार, आर.के. गुजराल एवं रवि शुक्ल शामिल रहे। अतिथियों का माल्यार्पण, तिलक-वंदन कर शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। रवि शुक्ल ने मधुर गायन से समां बांधा। कविता सिन्हा ने मां शारदे का भजन, जबकि प्रसन्न रथ ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। रजनीश सुल्लेरे, आर.आर. वैद्य, राजकुमार सिन्हा एवं मनोहर शेरेकर ने गीत प्रस्तुत किए। श्रीमती साहू ने भजन और मदन मोहन सोनी ने स्वरचित काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन रजनीश सुल्लेरे ने तथा आभार प्रदर्शन संतोष दुबे ने किया। सभी साथियों को स्मृति चिह्न एवं महिलाओं को उपहार स्वरूप छतरियां भेंट की गईं। समारोह की सफलता में विनोद ओमरे, कमल जैन, विजय साहू, जेठानंद खत्री, कुमार प्रशांत, अरुण जैन, संजय हरिदास एवं माधव गोसावी सहित अनेक पूर्व छात्रों का योगदान रहा। कार्यक्रम की स्मृतियों को छायाकार सुनील गुप्ता ने कैमरे में संजोया।

जल संसाधन व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभागों का मामला

हाईकोर्ट की सख्ती पर उपयंत्री भर्ती में संविदा कर्मियों को मिला 50 फीसदी आरक्षण



जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में दायर याचिका के बाद राज्य सरकार के जल संसाधन एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने उपयंत्री (सिविल) पदों की भर्ती प्रक्रिया में संशोधन कर पात्र संविदा कर्मियों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान लागू कर दिया है। गत 24 सितंबर को सुनवाई के दौरान जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने राज्य सरकार को स्थिति स्पष्ट करने और निर्देश प्राप्त करने के आदेश जारी किए थे। आधारताल जबलपुर के राजू यादव सहित 24 संविदा उपयंत्रियों ने हाईकोर्ट की शरण ली थी।याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता नवीन सैनी ने तर्क दिया कि 29 अगस्त 2026 को जारी भर्ती विज्ञापन में पोस्ट कोड 124 (जल संसाधन विभाग) और पोस्ट कोड 130 (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी) में संविदा कर्मियों के निर्धारित कोटे का उल्लेख नहीं था। शासन की वर्ष 2023 की संशोधित नीति के तहत पात्र संविदा कर्मियों को नियमित सीधी भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण मिलना अनिवार्य है। याचिकाकर्ता वर्षों से संविदा पर सेवाएं दे रहे हैं, फिर भी उन्हें उनके अधिकार से वंचित रखा गया था। सैनी ने बताया कि हाईकोर्ट द्वारा मामले को 30 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किए जाने के बाद संबंधित विभागों ने आनन-फानन में पृथक आदेश जारी कर विज्ञापन की तालिका में संशोधन किया और 50 फीसदी आरक्षण का लाभ प्रदान कर दिया। 24 संविदा उपयंत्रियों की इस कानूनी पहल से न केवल याचिकाकर्ताओं को न्याय मिला है, बल्कि प्रदेश भर के उन तमाम संविदा कर्मियों के लिए भी रास्ते खुल गए हैं जो नीति के तहत पात्रता पूरी करते हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त और प्रधानमंत्री के पुतले जलाकर जताया विरोध

एसआईआर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस ने वाटर कैनन चलाया

जबलपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में कांग्रेस ने बुधवार को जबलपुर में पैदल मार्च निकाला। विक्टोरिया टाउन हॉल से जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर निकले मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले जलाए गए।

घंटाघर पहुंचने पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर मार्च को रोक दिया। आगे बढ़ने के प्रयास में कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया।



प्रदर्शनकारियों ने एसआईआर और चुनाव प्रक्रिया से संबंधित अपनी आपत्तियां उठाईं। विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व मंत्री तरुण भनोत, शहर अध्यक्ष सौरभ शर्मा और ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव सहित कांग्रेस नेताओं ने मतदाता अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठाए। प्रदर्शन में विनय सक्सेना, पंकज पाण्डेय, अमरीष मिश्रा, दिनेश यादव, आयोध्या तिवारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।



रेलवे अपर महाप्रबंधक सहित 72 रेलकर्मी सेवानिवृत्त

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में अपर महाप्रबंधक पी.के. खत्री एवं प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक एम.के. गुप्ता के सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। महाप्रबंधक, प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने दोनों अधिकारियों के सेवाकाल को स्मरण करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा मुख्यालय के संजय गर्ग, अचलेश कुमार गर्ग एवं शिव कुमार वर्मा सहित जबलपुर, भोपाल, कोटा मंडलों और दोनों कारखानों के कुल 72 रेलकर्मी 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हुए। इनमें जबलपुर मंडल के 17, भोपाल मंडल के 24, भोपाल कारखाने के 4, कोटा मंडल के 21 और कोटा कारखाने का एक कर्मचारी शामिल है। मुख्यालय में आशुतोष, प्रमुख मुख्य इंजीनियर, एस.डी. पाटीदार, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एवं अब्दुल मतीन, उप मुख्य वित्त सलाहकार ने सेवानिवृत्त रेलसेवकों को दस्तावेज प्रदान किए। समारोह में संजय कुमार सिन्हा सहित कार्मिक एवं लेखा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। संचालन शैलेन्द्र सिंह गौर ने किया।

चाइल्ड हेल्पलाइन और पुलिस को दी सूचना, सीडब्ल्यूसी के जरिए शिक्षा व संरक्षण की उम्मीद

बेसहारा बच्चों ने सुनाई व्यथा, मोक्ष ने दिया सहारा

हरिभूमि, जबलपुर।

मेडिकल कैंपस परिसर में बेसहारा स्थिति में रह रहे तीन नाबालिग बच्चों की व्यथा सामने आने के बाद उन्हें फिलहाल मोक्ष आश्रम में सुरक्षित आश्रय दिया गया है। बच्चों की स्थिति की जानकारी मिलने पर मोक्ष संयोजक आशीष ठाकुर ने तत्काल पहल करते हुए उनके लिए कपड़े, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था कराई। मामले की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन और पुलिस को भी दी गई है। बताया गया कि तीनों बच्चे आर्थिक और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण उचित देखभाल एवं शिक्षा से वंचित हो रहे थे। एक बच्ची की मां का निधन हो चुका है और पिता मजदूरी करते हैं, जबकि भाई-बहन की मां कई वर्ष पहले उन्हें छोड़कर चली गई थीं। उनके पिता भी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

पुलिस ने दर्ज किए बयान- बच्चों की स्थिति की जानकारी मिलने पर गढ़ा पुलिस ने उनके बयान दर्ज किए। अब बाल संरक्षण



तंत्र के माध्यम से आगे की प्रक्रिया किए जाने की उम्मीद है। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद बच्चों की परिस्थितियों के अनुरूप शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षित आश्रय और संरक्षण की व्यवस्था की जा सकती है।

किसी को डॉक्टर तो किसी को बनना है पुलिस अधिकारी- मोक्ष आश्रम में फिलहाल तीनों बच्चों को भोजन, कपड़े और रहने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बातचीत के दौरान बच्चों ने अपने भविष्य के सपने भी बताए। दो बच्चों ने डॉक्टर बनने की इच्छा जताई, जबकि एक बच्चा पुलिस अधिकारी बनना चाहता है। बच्चों की यह इच्छा उनके बेहतर भविष्य के लिए सुरक्षित वातावरण और शिक्षा की जरूरत को भी रेखांकित करती है।

सीडब्ल्यूसी की प्रक्रिया सुरक्षित भविष्य का अवसर- मोक्ष संयोजक आशीष ठाकुर ने कहा कि ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें नियमानुसार संरक्षण और शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकारी एवं सामाजिक संस्थाओं को मिलकर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीडब्ल्यूसी की प्रक्रिया के बाद बच्चों को सुरक्षित भविष्य के लिए उचित अवसर मिल सकेगा।

कार सहित शराब बनाने की भट्ठी व 800 लीटर लाहन नष्ट

अवैध शराब के कारोबार पर पुलिस की कार्रवाई

जबलपुर। अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पनागर और पाटन थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 950 पाव देशी शराब और 60 लीटर कच्ची शराब जब्त की। पनागर पुलिस ने जंगल में दबिश देकर एक आरोपी को कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया, जबकि पाटन में लावारिस हालत में खड़ी कार से 950 पाव देशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने शराब बनाने में इस्तेमाल भट्ठी और करीब 800 लीटर लाहन भी मौके पर नष्ट किया। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर जिले में अवैध शराब और मादक पदार्थों के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध जितेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक अधारताल राजेश्वरी कौरव और अनुविभागीय पुलिस अधिकारी पाटन आशुतोष द्विवेदी के नेतृत्व में दोनों थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई।

पाटन में कार से मिली 950 पाव शराब

पाटन पुलिस के अनुसार 30 सितंबर की रात हनुमान मंदिर के पास भीड़ जमा होने की सूचना पर पुलिस पहुंची। मौके पर मारुति जैन एस्टिलो क्रमांक एमपी 04 सीबी 0458 क्षतिग्रस्त हालत में डिवाइडर रोड पर खड़ी मिली। कार में चालक मौजूद नहीं था। पुलिस कार को टोचन कर थाने ले गई और तलाशी ली। कार की डिक्की में 19 कार्टून रखे मिले, जिनमें 50-50 पाव के हिसाब से कुल 950 पाव देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब और कार जब्त कर अज्ञात चालक के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया।

जंगल में भट्ठी लगाकर बना रहा था कच्ची शराब

इधर पनागर पुलिस को 29 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम ककरहाई के जंगल में नाले के पास कुछ लोग अवैध रूप से शराब बना रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। जंगल में एक व्यक्ति प्लास्टिक के डिब्बों के साथ मिला। घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम सूरज केवट निवासी ग्राम बिसेंधी बताया।पुलिस ने उसके कब्जे से चार डिब्बों में रखी करीब 60 लीटर कच्ची शराब बरामद की। मौके पर शराब बनाने की भट्ठी और करीब 800 लीटर लाहन भी मिला। पुलिस ने भट्ठी और लाहन को मौके पर नष्ट कर दिया तथा 60 लीटर कच्ची शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की।

भारत-बांग्लादेश इयूबॉल सीरीज के खिलाड़ियों का सम्मान

जबलपुर। भारत-बांग्लादेश इयूबॉल सीरीज 2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के सम्मान में मध्यप्रदेश इयूबॉल एसोसिएशन ने समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में इयूबॉल के संस्थापक फिरोज खान, एसोसिएशन अध्यक्ष हर्षित सिंघई एवं सचिव रजनीश जैन सहित खेल जगत से जुड़े अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनके प्रदर्शन की सराहना की गई तथा भविष्य में बेहतर उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में आशुतोष, मौलश्री दुबे, जसविंदर कौर, रंजीत कौर, राजिंदर कौर, शिशिर अग्रवाल, डॉ. अभिजीत परिहार, सिल्की सोनकर एवं सुशील जैन सहित खेलप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कलयुग के 'भगवान' पर मासूम को प्रताड़ित करने के आरोप

पीठ पर चोटों के निशान दिखाकर रोती रही बच्ची

मोहल्ले वालों ने बचाई जान



शहडोल। डॉक्टर को समाज में अक्सर 'धरती का भगवान' कहा जाता है, लेकिन शहडोल की आशीर्वाद कॉलोनी में सामने आया घटनाक्रम इस सम्मानित पेशे पर ही सवाल खड़े कर रहा है। जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉक्टर बी.आर.प्रजापति और उनकी पत्नी शांति प्रजापति पर महज 7-8 साल की मासूम को घर में कथित रूप से बंधक बनाकर रखने, घरेलू काम कराने और मारपीट करने के गंभीर आरोप लगे हैं। बच्ची मौका पाकर भागी तो मोहल्ले वालों ने उसे पनाह दी। बच्ची को जबरन वापस ले जाने का प्रयास हुआ तो लोगों ने पुलिस बुलाकर उसकी जान बचाई।

घर से भागी तो खुले कथित जुल्मों के राज











हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाती रही मासूम

बुधवार शाम करीब 6 बजे आशीर्वाद कॉलोनी में अचानक हंगामा मच गया। लोगों ने देखा कि एक मासूम बच्ची को डॉक्टर की पत्नी कथित रूप से घसीटते हुए ले जाने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान डॉक्टर भी वहां पहुंच गए। बच्ची खुद को छुड़ाने के लिए हाथ जोड़ती रही और लोगों से उसे बचाने की गुहार लगाती रही। मामला देखकर मोहल्ले के लोग घरों से बाहर निकल आए। किसी ने वीडियो बनाया तो किसी ने पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते पूरा मोहल्ला घटनास्थल पर जमा हो गया। यही वह पल था, जब कथित तौर पर महीनों से बंद दीवारों के भीतर चल रही मासूम की पीड़ा पहली बार लोगों के सामने आई।

घर से भागी तो सामने आई प्रताडना की कहानी

बताया गया कि बच्ची मौका पाकर घर से निकल गई थी। उसने आसपास के कई घरों के दरवाजे खटखटाकर मदद मांगने की कोशिश की। बड़े मकानों और बंद दरवाजों के कारण उसे तत्काल मदद नहीं मिल सकी। आखिरकार वह एक ऐसे मकान में पहुंची, जहां किराएदार रहते हैं और दरवाजा खुला था। बच्ची कमरे में जाकर छिप गई। इसी बीच उसे तलाशते हुए डॉक्टर की पत्नी वहां पहुंच गई, लेकिन तब तक बच्ची अपनी आपबीती मोहल्ले के लोगों को बता चुकी थी। बच्ची के कथन ने लोगों को झकझोर दिया। इसके बाद मोहल्ले वालों ने बच्ची को अकेला नहीं छोड़ा और पुलिस को सूचना दी।

पीठ के निशान दिखाकर बोली— 'मुझे मारा जाता था'

मोहल्ले के लोगों के अनुसार, बच्ची ने बताया कि उसे करीब पांच-छह माह पहले उत्तर प्रदेश के बांदा जिले से यहां लाया गया था। उससे झाड़ू-पोछा और घर के दूसरे काम कराए जाते थे। डॉक्टर दंपति की बच्ची की देखभाल भी उससे कराई जाती थी। बच्ची ने कथित रूप से अपनी पीठ पर मौजूद निशान दिखाते हुए बताया कि उसके साथ मारपीट की जाती थी। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसे गर्म चिमटे जैसी वस्तु से मारा गया। यदि मेडिकल जांच में इस तरह की चोटों की पुष्टि होती है तो यह महज डांट-फटकार का मामला नहीं, बल्कि एक मासूम पर हुई गंभीर शारीरिक प्रताडना का मामला होगा। बच्ची ने यह भी बताया कि उसे अक्सर घर से बाहर नहीं निकलने दिया जाता था। उसके कथन के अनुसार, वह मौका पाकर ही घर से भाग सकी। ऐसे में यह सवाल बेहद गंभीर है कि यदि बच्ची उस दिन घर से बाहर निकलकर लोगों तक नहीं पहुंचती तो वह कथित प्रताडना कितने समय तक सहती रहती?

'मदद नहीं मिलती तो क्या होता?'

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे भयावह पहलू यही है कि बच्ची यदि उस दिन हिम्मत करके घर से नहीं भागती और मोहल्ले के किसी व्यक्ति के घर नहीं पहुंचती तो कथित प्रताडना का सिलसिला कब तक चलता, यह किसी को नहीं पता। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें और खिलौने होने चाहिए, उस उम्र में एक बच्ची से घरेलू काम कराने और उसके साथ मारपीट के आरोप सामने आए हैं और जिस व्यक्ति को समाज 'धरती का भगवान' कहता है, उसके परिवार पर ही एक मासूम के साथ कथित क्रूरता के आरोप लगना बेहद शर्मनाक और चिंताजनक है। हालांकि आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के बाद ही होगी।

मोहल्ले वालों ने दिखाई इंसानियत

इस पूरे मामले में आशीर्वाद कॉलोनी के लोगों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही। बच्ची को देखकर लोगों ने उसे चुप कराने या मामले को दबाने के बजाय उसकी बात सुनी, उसके शरीर पर मौजूद बताए जा रहे निशानों को देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। यदि मोहल्ले के लोग उस समय सामने नहीं आते तो संभव है कि बच्ची को दोबारा उसी घर में ले जाया जाता और उसके साथ क्या होता, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। लोगों की सजगता ने न केवल मामले को सामने ला दिया, बल्कि एक मासूम को संभावित खतरे से भी बाहर निकाला।

पुलिस ने शुरू की जांच

सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। महिला पुलिसकर्मियों ने बच्ची को अपने संरक्षण में लिया और थाने ले जाकर पूछताछ की। पुलिस ने बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है तथा उसके परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। बाल संरक्षण से जुड़े अधिकारियों को भी सूचना दी गई है। अब जांच में यह सामने आना बाकी है कि बच्ची को बांदा से यहां किन परिस्थितियों में लाया गया, क्या उसके परिजनों की अनुमति थी, उसे घर में किस हैसियत से रखा गया और उसके साथ वास्तव में किस प्रकार का व्यवहार किया गया।

इनका कहना है...

बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। उसके परिजनों से संपर्क किया जा रहा है और बाल संरक्षण अधिकारियों को भी सूचना दी गई है। मामले की जांच चल रही है, जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।
रावेन्द्र तिवारी, कोतवाली प्रभारी, शहडोल

ब्यौहारी में कार्य के दौरान मिट्टी में दबने से बीएसएनएल कर्मी की मृत्यु

शहडोल। जिले के ब्यौहारी तहसीलदार गैलेक्सी नागपुरे ने बताया है कि ब्यौहारी थाना क्षेत्र में 29 सितम्बर 2026 को कार्य के दौरान हुई दुर्घटना में बीएसएनएल कर्मी रामसेवक सोंधिया उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी बोड़ाबाड़, रीवा की मृत्यु हो गई। मृतक लगभग 25 वर्षों से बीएसएनएल में कार्यरत थे तथा बीएसएनएल के कार्य के लिए रीवा से ब्यौहारी भेजे गए थे।उन्होंने बताया कि रामसेवक सोंधिया सहित कुल तीन व्यक्ति रात्रि लगभग 2 बजे ब्यौहारी पहुंचे थे। अस्पताल के सामने लगभग दो मीटर गहरी खुदाई कर भूमिगत प्रकाशीय तंतु केबल को जोडने का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान नाली की दीवार अचानक धसक गई, जिससे मिट्टी एवं मलबा रामसेवक सोंधिया के ऊपर गिर गया और वे उसमें दब गए। घटना के तत्काल बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। परिवारजनों के अनुसार मृतक ने घटना वाले दिन रीवा में ड्यूटी की थी तथा इसके बाद उन्हें अचानक रात्रि में बीएसएनएल के कार्य के लिए ब्यौहारी भेजा गया था। बीएसएनएल द्वारा वाहन भेजकर परिजनों को मृतक के बीमार होने तथा ब्यौहारी में होने की सूचना दी गई। जानकारी के अनुसार भूमिगत प्रकाशीय तंतु केबल जोडने का कार्य ठेके के माध्यम से कराया जा रहा था। कार्य के ठेकेदार का नाम चतुर्वेदी बताया गया है, जो सतना निवासी बताए गए हैं।

बिजली चोरी पर विद्युत विभाग का शिकंजा

सतना। बिजली चोरी और अनधिकृत उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए विद्युत विभाग ने सतना संभाग के विभिन्न क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया है। कार्यपालन अभियंता के निर्देशन में शहर के अलग -अलग इलाकों में बिजली कनेक्शनों की जांच की गई,जिसमें विद्युत अधिनियम की धारा 135 और 126 के तहत कई स्थानों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से बिजली उपयोग करने वाले कई मामले पकड़ में आए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी और अनियमितताओं के खिलाफ यह सख्त अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा,ताकि विद्युत व्यवस्था को सुचारू और पारदर्शी बनाया जा सके।

सुनसान घरों में किया चोरी का प्रयास, कीमती सामान नहीं मिलने पर किया तोड़फोड़

नकाबपोश बदमाशों ने महेश्वर नगर में मचाया आतंक



हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों चोरों का आतंक मचा हुआ है। कभी यह चोर मकान, दुकानों या सुनसान घरों को अपना निशाना बना रहे है। कुछ ऐसी ही घटना 28 सितंबर की रात वारासिवनी नगर के वॉर्ड नंबर 8 महेश्वर नगर में घटित हुई है। जहां कुछ नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने कुछ सुनसान घरों में चोरी करने का प्रयास किया। मगर घर में कुछ कीमती सामान नहीं मिलने पर सामानों को बिखेरा व तोडफ़ोड़ कर वहां से रफूचक्कर हो गए। ये सारी घटना एक मकान में लगे सीसीटीवीटी कैमरे में कैद हो गई। घटना के बाद वहां निवासरत लोगों ने वारासिवनी थाने में पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज करवा दी है।

विदित हो कि इसी महेश्वर कालोनी में दो से तीन पुलिस वालों के परिवार भी निवास करते है। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार घटनाओं के चलते कालोनी में निवासरत लोगों में भय बना हुआ है। यह सारी घटना वहां लगे मकानों के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

सुबह उठा तो देखा मकान का टूटा हुआ था ताला-जे एस चौरे

महेश्वर नगर में निवासरत जे एस चौरे ने बताया कि 28 सितंबर की में रात्रि लगभग 3-4 घरों के ताले टूटे है। मेरे उस कालोनी में दो मकान है। एक मकान में मेरा परिवार निवास करता है। दूसरे मकान में कोई नहीं रहता है। मगर उस कमरे का ताला टूटा हुआ था। कोई समान नहीं रखा हैं, इसलिए कुछ चोरी नहीं हुई है। दूसरे दिन जब सुबह मै उठा, तो देखा कमरे का ताला टूटा हुआ था। फिर कालोनी में कुछ लोगों ने भी बताया कि अन्य लोगों के मकानों के ताले भी टूटे हुए हैं। शिक्षक लक्ष्मी चौधरी शासकीय शिक्षक है। जो बाहर पदस्थ है। उनके निवास में पूरा सामान बिखरा हुआ था। हालांकि उनके घर में कुछ चोरी नहीं हुआ है। मगर उनके घर में यह चोरी की तीसरी घटना है।

हथियारबंद बदमाशों को देखकर कॉलोनीवासियों में बना है डर-सिद्धांत ठाकुर

सिद्धांत ठाकुर ने बताया कि 28 सितंबर को निवासरत कालोनी के लोगों ने शोर मचाया कि चोरी हुई है। जिसके बाद मैने अपने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखा, तो उसमें 4-5 नकाबपोश बदमाश, जिनके हाथों में लठ, डंडे व लोहे के कुछ हथियार दिखाई दे रहे है। अन्य मकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज भी देखे, तो सभी घरों में वे दिखाई दे रहे है। यह घटना पहली बार नहीं है। लगातार हो रही घटनाओं से कालोनी वासियों में डर बना हुआ है।



मैहर के जंगलों में आतंक मचाने वाला नर हाथी बाण सागर पार कर शहडोल रवाना

मैहर। ग्रामीण इलाकों में बीते कई दिनों से दहशत का पर्याय बना नर जंगली आखिरकार मैहर की सीमा से बाहर निकल गया है। मंगलवार शाम हाथी ने बाणसागर डैम के अथाह पानी में करीब 8 किलोमीटर की लंबी दूरी तैरकर तय की और उत्तर शहडोल के जंगलों में सुरक्षित प्रवेश किया। हाथी के जिले से बाहर जाने के बाद वन विभाग और स्थानीय ग्रामीणों ने बड़ी राहत की सांस ली है। इससे पहले यह हाथी अमरपाटन और रामनगर क्षेत्र में जमकर उत्पात मचा चुका था,जहां एक किसान की भी जान चली गई थी। वन विभाग की टीम लगातार उसकी हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है।

संजय गांधी अस्पताल और सिरमौर चौराहे से बाइक उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

दो मोटर साइकिलें बरामद, डेढ़ लाख का मशरूका जब्त

रीवा। शहर के संजय गांधी अस्पताल और सिरमौर चौराहे से मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में अमहिया पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। बरामद वाहनों की कुल कीमत करीब 1.50 लाख रुपए बताई गई है। आरोपी की पहचान उमेश पटेल पिता राजबहोर पटेल, निवासी सेमरिया, जिला रीवा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार शहर में लगातार हो रही दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देशन में वाहन चोरों की धरपकड़ के लिए अमहिया थाना प्रभारी मनोज कुमार गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी,जांच के दौरान पुलिस को संजय गांधी अस्पताल परिसर और सिरमौर चौराहे से मोटरसाइकिल चोरी होने के मामलों में महत्वपूर्ण सुराग मिले। पुलिस टीम ने संदिग्धों की जानकारी जुटाते हुए आरोपी उमेश पटेल तक पहुंच बनाई। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद कर लीं। बरामद वाहनों में विक्रांता मोटरसाइकिल की अनुमानित कीमत 90 हजार रुपए और स्प्लेंडर मोटरसाइकिल की कीमत करीब 60 हजार रुपए बताई गई है। दोनों वाहनों की कुल कीमत 1 लाख 50 हजार रुपए है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार गौतम, सहायक उपनिरीक्षक मनोज प्रजापति, प्रधान आरक्षक रामदेव मिश्रा, प्रधान आरक्षक केमला प्रसाद, आरक्षक विकास तिवारी, आरक्षक शंकरदत्त और योगेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



उड़ीसा जेल में रची थी फरारी की साजिश, प्रोडक्शन वारंट के जरिए रीवा लाने की खुद कराई थी तैयारी

छुहिया घाटी में पुलिस कस्टडी से छुड़ा ले गए साथी, रीवा-सीधी-मऊगंज की कई टीमें तलाश में जुटीं

रीवा। उड़ीसा पुलिस की अभिरक्षा से कुख्यात गांजा तस्कर आदित्य मिश्रा के फरार होने के मामले में जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे वारदात की पूरी प्लानिंग सामने आने लगी है। पुलिस जांच में प्रारंभिक तौर पर यह बात सामने आई है कि आदित्य ने अपने साथियों के साथ मिलकर उड़ीसा की जेल में ही पुलिस कस्टडी से भागने की साजिश तैयार की थी। इस साजिश को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कथित पत्नी और उसके संपर्क में रहने वाले लोगों की मदद लिए जाने की बात भी जांच में सामने आई है। बताया जा रहा है कि आदित्य मिश्रा को उड़ीसा से रीवा न्यायालय लाने की प्रक्रिया की जानकारी पहले से थी। इसी बीच उसकी ओर से न्यायालय में प्रोडक्शन वारंट के लिए आवेदन लगाए जाने की बात सामने आई है। पुलिस अब इस आवेदन से लेकर उसे उड़ीसा से रीवा लाए जाने तक की पूरी कड़ी को खंगाल रही है। जांच का मुख्य बिंदु यही है कि आदित्य को रीवा लाए जाने की जानकारी उसके साथियों तक कैसे पहुंची और छूहीया घाटी में पुलिस वाहन की गतिविधि का पता बदमाशों को किस माध्यम से चला। पुलिस के अनुसार, उड़ीसा पुलिस आदित्य मिश्रा को लेकर रीवा न्यायालय की ओर आ रही थी। रीवा-सीधी सीमा पर स्थित छूही घाटी के पास पहुंचते ही बदमाशों ने पुलिस अभिरक्षा वाले वाहन को निशाना बनाया। आरोप है कि पहले से घात लगाए बदमाशों ने पुलिसकर्मियों को घेर लिया और आदित्य मिश्रा को अपने कब्जे से छुड़ाकर फरार हो गए।वारदात के दौरान बदमाशों की संख्या, इस्तेमाल किए गए वाहनों और उनकी भूमिका को लेकर पुलिस अलग-अलग बिंदुओं पर जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और रीवा, सीधी सहित आसपास के जिलों की पुलिस को अलर्ट किया गया।

एक सप्ताह में दो मंदिरों में चोरी, चोरों ने दानपात्र और चांदी के आभूषण किए पार



हरिभूमि न्यूज ⏭ छपारा।

नगर व आसपास के क्षेत्र में मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए एक सप्ताह में चोरी की दो वारदातें सामने आई हैं। 26 सितंबर को तकिया वार्ड स्थित सुभाष ग्राउंड के हनुमान मंदिर से चांदी की पादुका चोरी हुई थी। इसके तीन दिन बाद 29 सितंबर की रात ग्राम माल्हनवाड़ा स्थित बंजारी माता मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया। मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे ग्रामीण मंदिर पहुंचे तो चोरी की जानकारी सामने आई। चोर दानपात्र में रखी करीब 30 हजार रुपए की नगदी और माता की प्रतिमा को पहनाई गई करीब 200 ग्राम वजनी चांदी की पायल चोरी कर ले गए। ग्रामीणों ने छपारा थाने और डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। लगातार दूसरी मंदिर चोरी से क्षेत्र में नाराजगी है। ग्रामीणों ने पुलिस गश्त बढ़ाने और आरोपियों का जल्द पता लगाकर कार्रवाई करने की मांग की है।

मैहर में रात 11 बजे तक दुकानें बंद

मैहर। शहर की कानून-व्यवस्था को बेहतर और चुस्त-दुरस्त बनाए रखने के उद्देश्य से मैहर थाना के नवागत थाना प्रभारी अभिषेक सिंह परिहार पुलिस बल के साथ मंगलवार रात शहर के भ्रमण पर निकले। उन्होंने प्रमुख चौक-चौराहों,बाजार क्षेत्रों और रेलवे स्टेशन के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।भ्रमण के दौरान टीआई ने दुकानदारों और व्यापारियों से संवाद स्थापित कर रात 11 बजे तक अपनी दुकानें अनिवार्य रूप से बंद करने की समझाइश दी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि तय समय के बाद अनावश्यक रूप से दुकानें खुली न रखी जाएं।

मां शारदा मंदिर मार्ग की सुरक्षा कड़ी: तेंदुए की आवाजाही पर 20 हाईटेक कैमरों से होगी निगरानी

मैहर। प्रसिद्ध मां शारदा मंदिर की पहाड़ी और आसपास के सीढ़ी मार्ग पर तेंदुए की लगातार आवाजाही को देखते हुए वन विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। श्रद्धालुओं की पुख्ता सुरक्षा और तेंदुए की हर गतिविधि को ट्रैक करने के लिए मंदिर परिसर और संवेदनशील रास्तों पर कुल 20 हाईटेक नाइट विजन एवं ट्रैप कैमरे लगाए जा रहे हैं। मंगलवार शाम से ही कैमरों को स्थापित करने का कार्य शुरू कर दिया गया है,जिनमें से शुरुआती कैमरे लगाए जा चुके हैं। डीएफओ विद्या सरण मिश्रा और एसडीओ सिद्धार्थ दीपांकर सहित पूरा प्रशासनिक अमला पहाड़ी क्षेत्र का निरीक्षण कर रहा है। विभाग ने श्रद्धालुओं से भी पूरी तरह सतर्क रहने की अपील की है।



कैबिनेट की बैठक में कई जरूरी निर्णयों को मिली मंजूरी

दो अभ्यर्थियों के अंक समान होने पर छग के मूल निवासी अभ्यर्थी को वरीयता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सीएम विष्णुदेव साय कैबिनेट की बैठक बुधवारो सुबह 11.30 बजे से दोपहर एक बजे मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर में हुई। इसकी अध्यक्षा मुख्यमंत्री साय ने की। मंत्रिपरिषद ने प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में लागू अतिथि व्याख्याता नीति (पॉलिसी)-2024 में प्रशासकीय अनुमोदन के बाद जारी संशोधित नीति-2026 का कार्योत्तर अनुमोदन किया गया। संशोधित नीति में पूर्व की व्यवस्था को और अधिक स्पष्ट करते हुए यह प्रावधान किया गया है कि मेरिट सूची में एक ही श्रेणी के दो अभ्यर्थियों के अंक समान होने की स्थिति में छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थी को वरीयता दी जाएगी।

वहीं अनुभव के लिए निर्धारित अधिकतम 30 अंकों के अंतर्गत अब शासकीय महाविद्यालय के साथ राजकीय विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र में न्यूनतम 5 माह अध्यापन कार्य पूर्ण करने पर 5 अंक दिए जाने का प्रावधान किया गया है। पूर्व नीति में राजकीय विश्वविद्यालय में किए गए अध्यापन अनुभव का यह लाभ स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं था।

मुख्यमंत्री साय ने की कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता

अतिथि व्याख्याता नीति 2024 में प्रशासकीय अनुमोदन के बाद जारी संशोधित नीति-2026 का कार्योत्तर अनुमोदन



कालखंड के स्थान पर कार्य-दिवस आधारित मानदेय व्यवस्था लागू होगी

साय कैबिनट ने यह भी निर्णय लिया गया है कि शासकीय महाविद्यालयों के साथ राजकीय विश्वविद्यालयों के विस्थापित अतिथि व्याख्याताओं के कार्यानुभव का उपयोग करते हुए उन्हें रिक्त पदों पर पुनर्नियोजन का अवसर दिया जाए। मानदेय निर्धारण में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए कालखण्ड आधारित व्यवस्था के स्थान पर कार्य-दिवस आधारित मानदेय व्यवस्था लागू की जाए। अतिथि व्याख्याताओं एवं अन्य अतिथि शैक्षणिक अमले के कार्य-दायित्व, कार्य-अवधि एवं आकस्मिक अवकाश संबंधी प्रावधानों को भी स्पष्ट किया गया है।

इन महत्वपूर्ण निर्णयों से आम जनता को मिलेगा लाभ

बैठक में सीएम ने 10 सितंबर को फिल्म 'हनुमान अंश' को टैक्स फ्री किए जाने की घोषणा के परिपालन में देय एस.जी.एस.टी. के समतुल्य धनराशि की प्रतिपूर्ति सिनेमाघरों को किए जाने के लिये वाणिज्यिक कर विभाग की ओर से जारी आदेश का अनुसमर्थन किया गया। मंत्रिपरिषद के पूर्व अग्निवीर सैनिकों को राज्य की सिविल सेवाओं के तृतीय श्रेणी पदों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है। इसके तहत पुलिस विभाग में आरक्षक, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में वनरक्षक और जेल विभाग में जेल प्रहरी के पदों पर पूर्व अग्निवीरों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। अब इस आरक्षण को लागू करने छत्तीसगढ़ लोक सेवा पूर्व अग्निवीर सैनिक भर्ती नियम, 2026 बनाया गया है, जिसका मंत्रिपरिषद की ओर से अनुमोदन किया गया है।

भारतीय पद्म विभूषण सम्मान 2026-27 से डॉ. अतुल सम्मानित



भोपाल। लेखक एवं समाजसेवी डॉ. अतुल मलिकराम को सामाजिक सरोकार, जनसेवा के लिए नई दिल्ली में वर्ल्ड कल्चर एंड एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन कमीशन द्वारा आयोजित 'भारतीय पद्म विभूषण सम्मान 2026-27' से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान समाज, शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए दिया गया। डॉ. अतुल ने कहा कि यह उनके लिए गौरव और कृतज्ञता का विषय है तथा यह सम्मान सामाजिक सरोकारों, जनसेवा और समाज के लिए सकारात्मक योगदान देने के उनके संकल्प को और मजबूत करता है। डॉ. मलिकराम ने कहा, यह सम्मान मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सामाजिक सरोकारों और जनसेवा के प्रयासों का सम्मान है, जिनसे मैं लंबे समय से जुड़ा रहा हूं।

प्रदेश में सुगम हुआ परिवहन, सेवा ज्योति कलश कार्यक्रम में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करें

भोपाल को विकसित और हरित बनाने में मील का पत्थर साबित होगा मास्टर प्लान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पहले 21 साल बाद सुगम बस के रूप में सरकारी बस सेवा शुरू हुई। अब 21 साल बाद भोपाल के मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट जारी किया गया। यह मास्टर प्लान भोपाल को वर्ष 2047 में विकसित और हरित बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अनुरोध है कि वे मास्टर प्लान के प्रारूप पर अपने दावे-आपत्ति और सुझाव देने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती और अनंत चतुर्दशी के अवसर पर सुगम परिवहन सेवा के रूप में प्रदेश में एक बार फिर सरकारी बसें शहर-शहर और गांव-गांव तक सड़कों पर दौड़ने लगी है। सुगम परिवहन शहर के अंदर चलने वाली ई-बसें, जिले के अंदर चलने वाली बसें, एक से दूसरे जिले को जोड़ने वाली बसें और अन्य राज्यों को जाने वाली बस सेवाएं प्रदेशवासियों को उपलब्ध होंगी। उज्जैन में धार्मिक पर्यटन के लिए बस सेवा का संचालन शुरू किया है।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की।

सभी विभाग अभियान चलाकर करें अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के संदर्भ में सेवा संकल्प अभियान-2026

सीएम ने बताया कि पीएम के जन्मदिवस के संदर्भ में आरंभ सेवा-संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में करीब 3 करोड़ 88 लाख दीये सम्पूर्ण मप्र में प्रज्ज्वलित किए गए। प्रदेश में 650 से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित हुए, जिनमें लगभग 11 हजार यूनिट रक्त एकत्र हुआ। भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता में 87 हजार से अधिक स्कूल-कॉलेजों के 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। आंगन मिलन कार्यक्रम अब तक 43 हजार से अधिक आंगनवाडियों में आयोजित हो चुका है, जिनमें 17 लाख से अधिक माताओं और बच्चों ने भाग लिया हैं। नमो - सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 484 नुक्कड़ टोलियों की ओर से 3000 से अधिक प्रस्तुतियां दी गईं। वड़नगर से वाराणसी यात्रा में अब तक 1000 ग्राम और 190 नगरीय क्षेत्रों में 725 सभाएं आयोजित हुई हैं।

अब लिक्विड नेचुरल गैस ट्रेन

सीएम ने कहा कि पीएम की ओर से पहली हाइड्रोजन ट्रेन जींद से सोनीपत के बीच प्रारंभ की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से गुजरात के साबरमती से मेहसाणा तक देश की पहली लिक्विड नेचुरल गैस से चलने वाली ट्रेन को हरी झण्डी दिखाई गई है। यह ट्रेन एलएनजी और डीजल दोनों से चल सकती है।

900 अनुकंपा नियुक्ति के आदेश जारी

सीएम ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग में एक साथ 900 से अधिक अनुकंपा नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं। इनमें 600 से अधिक लिपिकीय पद और 200 से अधिक भृत्य के पद हैं। इस अभियान से, ऐसे शिक्षक जिनका सेवा में रहते हुए निधन हो गया था, उनके परिजन अनुकंपा नियुक्ति के लिए बरसों से इन्तजार कर रहे थे।

दमोह-कटनी मार्ग के निर्माण के लिए 4,470 करोड़ 30 लाख की कैबिनेट ने दी मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कैबिनेट ने दमोह-कटनी मार्ग लंबाई 105.10 किमी का 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर के साथ हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल (एचएएम) के लिए बनाए गए मॉडल कंसेशन एग्रीमेंट के आधार पर निर्माण के लिए 4,470 करोड़ 30 लाख रुपए (जीएसटी सहित) की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। कैबिनेट ने नीमच की रामपुरा मनासा सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई परियोजना की निरंतरता के लिए 524 करोड, उज्जैन की कान्ह डायवर्सन क्लोस डक्ट परियोजना के निरंतर संचालन के लिए 358 करोड़, सागर की बण्डा वृहद सिंचाई परियोजना की निरंतरता के लिए 1,052 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। दमोह-कटनी मार्ग की स्वीकृति अनुसार परियोजना निर्माण लागत की 40 प्रतिशत राशि 865 करोड़ 15 लाख रुपए (जीएसटी सहित) का भुगतान निर्माण अवधि के दौरान मप्र सडक विकास निगम की ओर से लिए जा रहे ऋण के माध्यम से किया जाएगा।

इग रेग्युलेटरी सिस्टम के लिए 3,245 करोड़ 80 लाख रुपए की स्वीकृति

कैबिनेट ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के तहत तीन योजनाओं के एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर संचालन के लिए 3,245 करोड़ 80 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। इग्र रेग्युलेटरी सिस्टम का सुदृढीकरण से संबंधित योजना के लिए 20 करोड़ 90 लाख रुपए और औषधि नियंत्रण से संबंधित योजना के लिए 111 करोड़ 63 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। कैबिनेट ने छिन्दवाडा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल के निर्माण के लिए 953 करोड़ 69 लाख रुपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी है।

एक रुपए प्रति किलोग्राम की दर से खाद्यान्न वितरण की स्वीकृति

अजा और जनजाति के छात्रावासों और आश्रमों की तरह ही विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु कल्याण विभाग के छात्रावास, आश्रम और सामुदायिक कल्याण केन्द्रों में रहवासियों को भोजन के लिए 1 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से खाद्यान्न वितरण किए जाने की स्वीकृति दी है। इसके लिए 12 किग्रा अनाज प्रति छात्र के मान से वितरित खाद्यान्न पर राज्य अनुदान का भुगतान विद्यार्थियों को रियायती दर पर खाद्यान्न योजना पर राज्य शासन से अनुदान मद अंतर्गत विकलनीय होगा।

आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने लिया आशीर्वाद



भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने मंगलवार को भोपाल स्थित विद्योदय तीर्थ में विद्या शिरोमणि परम पूज्य आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन उपस्थित रहे।

मंत्री संपतिया उइके ने स्वागत कर सेवा कार्यों व मां नर्मदा की आरती में की सहभागिता

पीएम मोदी के की जनसेवा युवाओं तक पहुंचाना उद्देश्य

'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' का जिलों में हुआ स्वागत, किए सेवा कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों के निरंतर जनसेवा एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के तहत युवा मोर्चा द्वारा आयोजित 'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' प्रदेश के अलग-अलग जिलों में पहुंची। यात्रा के दौरान पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं सेवा यात्रियों ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित सेवा गतिविधियों में सहभागिता की। मार्ग क्रमांक-1 की यात्रा मंडला जिले के जरगी और खैरी पहुंचने के बाद मोहगांव में रात्रि विश्राम हुआ। यात्रा का प्रदेश सरकार की मंत्री संपतिया उइके, दिलीप जायसवाल एवं जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने स्वागत कर सेवा कार्यों व मां नर्मदा की आरती में सहभागिता की।



जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा जिलों में पहुंची।

पांचों पार्षद कुछ समय पूर्व कांग्रेस छोड़ भाजपा में हो गए थे शामिल

टीकमगढ़ विधायक के नेतृत्व में सदस्यता ग्रहण की

टीकमगढ़ नगर पालिका के पांच पार्षदों ने की कांग्रेस में घर वापसी

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश की टीकमगढ़ नगर पालिका के पांच पार्षदों ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पुनः कांग्रेस परिवार में शामिल होकर घर वापसी की। कुछ समय पूर्व ये पांचों पार्षद कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे। टीकमगढ़ विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला के नेतृत्व में तथा राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे, वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह चौहान एवं अन्य कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में पांचों पार्षदों ने पुनः कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस परिवार में वापस आने वाले पार्षदों में चीता भाई कुशवाहा, अरविंद सिंह, राखी ध्रुव यादव, अंशुल जैन और रामकुमार शामिल हैं। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने पार्षदों का पार्टी में पुनः स्वागत किया और कहा कि कांग्रेस का संगठन लोकतांत्रिक मूल्यों, जनहित और जनता की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।



कांग्रेस में घर वापसी करने वाले टीकमगढ़ के पार्षद

सितार ब्रांड के 50 से अधिक बोरी पकड़ाईं

गोदाम पर छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में गुटखा जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

डायरेक्टर जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने शदाणी दरबार मार्केट स्थित एक गोदाम पर छापामारी करके सितार ब्रांड गुटखा के 50 से अधिक बोरे जब्त किए हैं। महाराष्ट्र से मिले महत्वपूर्ण इनपुट के आधार पर अधिकारियों की टीम तीन गाड़ियों में कारोबारी के ठिकाने पर पहुंची। अधिकारियों ने वहां मौजूद कारोबारी दस्तावेज और गुटखा के पूरे स्टॉक को अपनी जांच के दायरे में ले लिया।

टीम ने मौके पर गोदाम मालिक और कुछ अन्य संबंधित लोगों को बुलवाया और उनसे घंटों पूछताछ की। पूरी छापामारी की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए डीजीजीआई की टीम ने संपूर्ण कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई है।

बंटी से जुड़ रहे तार

जांच अधिकारी फिलहाल यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि इस गोदाम में रखा यह माल वास्तव में किस कारोबारी का है। सूत्रों के अनुसार, गोदाम पर मंगलवार दोपहर को दबिश दी गई, उसका संबंध गुटखा कारोबारी बंटी से जुड़ रहा है। यह कारोबारी वर्तमान में महाराष्ट्र में रहकर अपना पूरा नेटवर्क संचालित कर रहा है। उसने महाराष्ट्र में कल्याण के पास अपनी फैक्टरी स्थापित कर रखी है। वहीं से तैयार गुटखा छग, मप्र, मुंबई और यूपी में लगातार सप्लाई किया जा रहा है। कारोबारी बंटी का दुर्ग जिले में भी एक साझेदार मौजूद है, जिसके ठिकानों पर पहले भी जीएसटी की कार्रवाई हो चुकी है।

कुछ दिन पहले भी हो चुकी है छापामार कार्रवाई

रायपुर की इस छापामारी से ठीक नौ दिन पहले रविवार को केंद्रीय जीएसटी इंटेलिजेंस की 12 सदस्यों की टीम तीन गाड़ियों में सवार होकर दुर्ग जिले के कुम्हारी स्टेशन चौक स्थित एक फैक्टरी में पहुंची थी। वहां अवैध रूप से सितार कंपनी का गुटखा तैयार किया जा रहा था। उस कार्रवाई में अधिकारियों ने गुटखा बनाने में इस्तेमाल होने वाली दो मशीनें और लगभग 30 बोरा निर्मित गुटखा जब्त किया था। दुर्ग में हुई उसी कार्रवाई की कड़ी जोड़ते हुए अधिकारियों ने अब रायपुर के गोदाम में यह छापा मारा है।

बीज उत्पादन में तकनीकी नवाचार, स्थानीय फसलों और पीएसीएस-एफपीओ के माध्यम से वितरण पर जोर

बीज संघ को बनाएंगे देश का अग्रणी संस्थानः सारंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र बीज संघ को अमूल, इफको और कृभको की तर्ज पर एक सशक्त एवं अग्रणी सहकारी संस्था के रूप में विकसित किया जाएं। मप्र बीज संघ को देश के प्रमुख बीज संस्थानों में स्थापित करने के लक्ष्य को मजबूत किया जाना आवश्यक है। यह निर्देश सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने बीज संघ की आम सभा की बैठक में संस्था की वर्तमान गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए दिए। सारंग ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज, बेहतर, फसल, उन्नत खेती, किसान की समृद्धि की पूरी श्रृंखला को सहकारिता के माध्यम से मजबूत किया जाएगा। किसानों को उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के साथ-साथ बीज उत्पादन में आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आम सभा में एपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता, बीज संघ के प्रबंध संचालक महेंद्र दीक्षित सहित प्रदेश की विभिन्न सहकारी समितियों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



तकनीकी नवाचार और नई फसलों पर फोकस

बीज संघ द्वारा हॉर्टीकल्चर और धान के साथ-साथ तिल, अलसी, कपास, मूंगफली और मक्का जैसी फसलों के बीजों पर भी कार्य किया जा रहा है। छोटे आकार के बीजों में उन्नत कोटिंग एवं लोडिंग तकनीक के उपयोग की संभावनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में वैज्ञानिकों के साथ आवश्यक बैठकें एवं चर्चा की जा चुकी हैं।

पीएसीएस-एफपीओ के माध्यम से किसानों तक पहुंचेंगे बीज

सारंग ने निर्देश दिए कि बीजों की बिक्री एवं वितरण व्यवस्था को प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से और मजबूत किया जाए। साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों की स्थानीय एवं पारंपरिक फसलों को भी बीज उत्पादन और विपणन की कार्ययोजना में प्राथमिकता दी जाए।

कांग्रेस पीड़ित परिवारों के साथ, निरंतर जारी रहेगा न्याय के लिए संघर्ष

स्वास्थ्य व्यवस्था, प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर मांगा जवाब

बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मृत्यु की निष्पक्ष व पारदर्शी जांच की जाए: पटवारी

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बालाघाट के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में मासूम बच्चों की मौतों को अत्यंत गंभीर और पीड़ादायक घटना बताते हुए भाजपा सरकार से स्वास्थ्य व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर स्पष्ट जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए तथा जांच के आधार पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। हाईकोर्ट द्वारा भी इस मामले में राज्य सरकार और बालाघाट जिला प्रशासन से जवाब मांगा गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और न्याय की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाएगी।

बीमार बच्चों तक क्यों नहीं पहुंचीं स्वास्थ्य सुविधाएं



पटवारी ने कहा कि प्रदेश सरकार को यह बताना होगा कि आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति क्या है? बीमार बच्चों तक समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं क्यों नहीं पहुंचीं? प्रशासन को बीमारी और संक्रमण की स्थिति का समय पर पता क्यों नहीं चला? प्रभावित परिवारों को बेहतर उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में कहां कमी रही? उन्होंने कहा कि आखिर कब तक व्यवस्था की विफलताओं का खामियाजा प्रदेश के गरीब और आदिवासी परिवारों के मासूम बच्चे भुगतते रहेंगे? जिन क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है, वहां समय पर उपचार, जांच, दवाइयां, टीकाकरण और पोषण की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

नेता प्रतिपक्ष सिंघार का आरोप, भाजपा की कठपुतली हैं मुख्य चुनाव आयुक्त



प्रभावित आदिवासी परिवारों की पीड़ा सुनने की बजाय आवाज कुचल रही सरकार

विस में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि भाजपा सरकार ने राज्यों में सीईसी ज्ञानेश कुमार के जरिए वोट चोरी करवाई की। पोल खुलने पर खुद को बचाने की कोशिश कर रही है। ज्ञानेंद्र कुमार भाजपा की कठपुतली बने हुए हैं। कांग्रेस एसआईआर को लेकर और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से आंदोलन जारी रखेगी। सिंघार ने कहा कि छतरपुर-पन्ना जिले में केन-बेतवा लिंक एवं मझगांय-रूंझ सहित अन्य परियोजनाओं से प्रभावित आदिवासी परिवार अपने हक के लिए लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन सरकार उनकी पीड़ा सुनने के बजाय दमनतंत्र का इस्तेमाल कर रही है। आंदोलनकारियों को पुलिस द्वारा जबरन हिरासत में लिए जाने की तस्वीरें इसी असंवेदनशीलता की गवाही दे रही हैं।

कंपनी एप्पल-पे ने एक्सिस बैंक के साथ मिलकर भारत में शुरू की सेवा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने एक्सिस बैंक के साथ मिलकर एप्पल-पे सेवा शुरू कर भारतीय भुगतान बाजार में प्रवेश किया है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। एप्पल के उपयोगकर्ता आईफोन, आईपैड और एप्पल वॉच के जरिये इस सेवा का इस्तेमाल कर सकेंगे। मैक के लिए भी इसका समर्थन जल्द उपलब्ध होगा।

एप्पल-पे और एप्पल वॉलेट की उपाध्यक्ष जेनिफर बेली ने कहा, ''भारत एक गतिशील आबादी वाला देश है जो डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल करती है और लगातार नकदी रहित भविष्य को अपना रही है। साथ ही सुरक्षा तथा गोपनीयता के उच्च मानकों की अपेक्षा करती है। हमें आज भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए एप्पल-पे लाने को लेकर बहुत उत्साह है।''

एप्पल के उपयोगकर्ता इस सेवा का इस्तेमाल कर सकेंगे, मैक के लिए भी इसका समर्थन जल्द उपलब्ध होगा

पिन डालने या ओटीपी की जरूरत नहीं होगी

कंपनी ने कहा कि एप्पल उपकरणों के उपयोगकर्ता दुकानों, ऐप तथा वेबसाइट पर भुगतान कर सकेंगे। इसके लिए भुगतान के समय पिन डालने या ओटीपी का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं होगी। बयान में कहा गया, ''एक्सिस बैंक द्वारा जारी वीजा और मास्टरकार्ड क्रेडिट कार्ड वाले ग्राहक अपने कार्ड एप्पल पे में जोड़ सकते हैं और भारत में हजारों दुकानों तथा ऑनलाइन कारोबारियों के यहां, साथ ही कहीं भी जहां एनएफसी लेनदेन स्वीकार किए जाते हैं, उनका इस्तेमाल कर सकते हैं।''



एप्पल पे फिलहाल 90 से अधिक देशों में उपलब्ध : एप्पल ने कहा कि उसने भारत में अपने कारोबारी नेटवर्क पर एप्पल पे उपलब्ध कराने के लिए कैशफ्री, जसपे, एमस्वाइप, पेटीएम, पेयू, पाइन लैब्स, रेजरपे, वर्ल्डलाइन और अन्य भुगतान सेवा प्रदाताओं (पीएसपी) के साथ मिलकर काम किया है। समय के साथ और अधिक कारोबारी तथा ऐप इससे जुड़ेंगे। एप्पल पे फिलहाल 90 से अधिक देशों और क्षेत्रों में उपलब्ध है तथा दुनियाभर में 11,000 से अधिक बैंक और नेटवर्क साझेदारों के साथ काम करती है।

डेबिट या क्रेडिट कार्ड ऐप से जोड़ सकते हैं : *एप्पल पे उपयोगकर्ता भुगतान करने के लिए अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड को ऐप में जोड़ सकते हैं। जब ग्राहक एप्पल पे के साथ कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो कार्ड का वास्तविक नंबर न तो उपकरण में और न ही एप्पल के सर्वर पर रखा जाता है और न ही एप्पल इसे कारोबारी के साथ साझा करता है। कंपनी लेनदेन का विवरण अपने पास नहीं रखती इसके बजाय, एक विशिष्ट 'डिवाइस अकाउंट नंबर' दिया जाता है, जिसे एनक्रिप्ट करके सिक्योर एलिमेंट में सुरक्षित रूप से रखा जाता है। यह उद्योग मानकों के अनुरूप प्रमाणित चिप है, जिसे उपकरण में भुगतान संबंधी जानकारी सुरक्षित रखने के लिए तैयार किया गया है। एप्पल लेनदेन का विवरण भी अपने पास नहीं रखती है।*

एप्पल पे की अन्य बैंकों के साथ बातचीत जारी: *मामले से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखने वाले एक सूत्र ने कहा, ''एप्पल पे की अन्य बैंकों के साथ भी बातचीत जारी है। इनमें से कुछ बैंक इस साल के अंत तक इसके साथ जुड़ सकते हैं।'' सेवा शुरू होने के साथ ही एप्पल पे को भारत में लाखों कारोबारियों के यहां स्वीकार किया जाएगा। इनमें एप्पल स्टोर के अलावा ब्लिंकिट, चायोस, कॉमेट, क्रोमा, इंटरफ्लोरा, इक्सिगो, ले15 पैटिसरी, रिलायंस ब्रांड्स, टाटा 1एमजी, जोमैटो और अन्य शामिल हैं।*

आईफोन चोरी पर तुरंत पता लगाया जा सकता है

यदि किसी उपयोगकर्ता का आईफोन खो जाता है या चोरी हो जाता है, तो वह 'फाइंड माई' ऐप का इस्तेमाल कर उस उपकरण का तुरंत पता लगा सकता है, उसे लॉक कर सकता है या उससे भुगतान की सुविधा निलंबित कर सकता है। एप्पल ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के साथ भी बातचीत की है, लेकिन अभी तक इस पर कोई निष्कर्ष नहीं निकला है

खबर संक्षेप

आरमी इंफोटेक का शेयर 21 फीसदी टूटकर सूचीबद्ध



नई दिल्ली। आरमी इन्फोटेक लिमिटेड के शेयर ने बुधवार को बाजार में कमजोर शुरुआत की और सूचीबद्ध होने के बाद अपने 375 रुपये के निर्गम मूल्य से 21 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुआ। कंपनी का शेयर बीएसई पर 368.85 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 1.64 प्रतिशत कम है।

एड्रोइट इंडस्ट्रीज के शेयर की बाजार में मजबूत लिस्टिंग



नई दिल्ली। एड्रोइट इंडस्ट्रीज के शेयर ने बुधवार को बाजार में मजबूत शुरुआत की और 134 रुपये के निर्गम मूल्य से 86.5 प्रतिशत उछलकर सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 250 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 86.56 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर यह निर्गम मूल्य से 75.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 235 रुपये पर खुला।

स्वस्तिक इंफ्रा का शेयर आठ फीसदी बढ़कर हुआ सूचीबद्ध



नई दिल्ली। स्वस्तिक इंफ्रा लिमिटेड का शेयर अपने 185 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले आठ प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। एनएसई दोनों पर 200 रुपये के भाव पर शुरुआत की, जो निर्गम मूल्य से 8.10 प्रतिशत अधिक है। बीएसई पर शेयर 13.48 प्रतिशत उछलकर 209.95 रुपये पर पहुंच गया।

फसाई ने सेवन सीज का लाइसेंस किया निलंबित



नई दिल्ली। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने खराब स्वच्छता और साफ-सफाई के अलावा अन्य कानूनों के उल्लंघन के कारण सेवन सीज हॉस्पिटैलिटी का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। खाद्य परिसर के निरीक्षण के दौरान ''अनुपालन संबंधी गंभीर कमियां'' पाए जाने के बाद उसने सेवन सीज हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस निलंबित कर दिया है।

आईआरएफसी को जीएसटी का कारण बताओ नोटिस



नई दिल्ली। भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों से 396.90 करोड़ रुपये से अधिक का कारण बताओ नोटिस मिला है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। 29 सितंबर को बिहार राज्य जीएसटी प्राधिकारियों से यह नोटिस मिला है। कंपनी इस नोटिस का मूल्यांकन कर रही है और कर सलाहकारों की राय के आधार पर न्याय निर्णय प्राधिकारी के समक्ष विस्तृत जवाब दाखिल करेगी।

नए सीएएफई -3 मानक एक अप्रैल 2027 से होंगे लागू

नए सीएएफई मानक जारी, पांच साल में ईंधन दक्षता 16.7 फीसदी सुधारने का लक्ष्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने यात्री वाहन विनिर्माताओं के लिए सीएएफई-3 के कड़े ईंधन दक्षता मानक अधिसूचित किए हैं, जिनका लक्ष्य पांच साल में वाहनों की औसत ईंधन खपत में 16.7 प्रतिशत सुधार करना है। इसके लिए वाहन कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहन, हाइब्रिड, वैकल्पिक ईंधन और ईंधन बचाने वाली प्रौद्योगिकियों के जरिये लक्ष्य हासिल करने के अधिक विकल्प भी दिए गए हैं।

बिजली मंत्रालय की तरफ से अधिसूचित नए 'कॉरपोरेट औसत ईंधन अर्थव्यवस्था' (सीएएफई-3) मानक एक अप्रैल, 2027 से लागू होंगे और 31 मार्च, 2032 तक प्रभावी रहेंगे। इसके तहत औसत ईंधन खपत का मानक 2027-28 में 3.996 लीटर प्रति 100 किलोमीटर से घटकर 2031-32 में 3.327 लीटर प्रति 100 किलोमीटर हो जाएगा।

अधिसूचित मानक 31 मार्च 2032 तक प्रभावी रहेंगे

औसत ईंधन खपत का मानक घटकर 3.327 लीटर प्रति 100 किमी होगा

वाहनों के औसत वजन को बढ़ाकर 1,229 किलोग्राम कर दिया गया

हल्के वाहनों के लिए नरम लक्ष्य

नए ईंधन दक्षता मानक मौजूदा सीएएफई व्यवस्था की जगह लेंगे। इनमें वाहनों के औसत वजन को भी अधिक महत्व दिया गया है। संदर्भ वाहन का वजन मौजूदा 1,082 किलोग्राम से बढ़ाकर 1,229 किलोग्राम कर दिया गया है। इससे हल्के वाहनों के लिए अपेक्षाकृत नरम लक्ष्य और भारी वाहनों के लिए अधिक ईंधन दक्षता सुधार की जरूरत होगी।

इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को अधिक भार दिया जाएगा

नए मानकों के तहत इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को कंपनी के औसत ईंधन दक्षता लक्ष्य की गणना में उनकी वास्तविक संख्या से अधिक भार दिया जाएगा। इसके तहत बैटरी इलेक्ट्रिक और रेंज एक्सटेंडेड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 3.0, प्लग-इन हाइब्रिड और फ्लेक्स-फ्यूल एथनॉल आधारित मजबूत हाइब्रिड वाहनों के लिए 2.5, मजबूत हाइब्रिड वाहनों के लिए 1.6 और फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए 1.1 का गुणक तय किया गया है।



नई प्रौद्योगिकी शामिल होगी : इनमें स्टार्ट-स्टॉप प्रणाली, टायर प्रेशर निगरानी, रीजनरेटिव ब्रेकिंग, अधिक दक्षता वाले अल्टरनेटर, माइक्रो-हाइब्रिड प्रणाली और एलईडी लाइटिंग जैसी प्रौद्योगिकी शामिल हैं। वैकल्पिक ईंधन से चलने वाले वाहनों को भी सीएएफई-3 के तहत कार्बन निरपेक्षता घटक के जरिये अनुपालन में अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

आठ प्रतिशत का कार्बन निरपेक्षता घटक लागू होगा

इसके तहत ई20 या इससे अधिक एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल से चलने वाले वाहनों के टेलपाइप सीओ2 उत्सर्जन पर आठ प्रतिशत का कार्बन निरपेक्षता घटक लागू होगा। फ्लेक्स-फ्यूल एथनॉल वाहनों के लिए यह घटक 22.3 प्रतिशत होगा। सीएनजी वाहनों के मामले में पांच प्रतिशत या अधिसूचित सीबीजी मिश्रण के प्रतिशत, जो भी अधिक हो, का कार्बन तटस्थता घटक लागू होगा।

नए नियम अनुपालन की पहली अवधि तीन वर्ष की होगी : नए नियमों के अनुपालन की पहली अवधि वित्त वर्ष 2027-28 से तीन साल की होगी, जबकि दूसरी अवधि वित्त वर्ष 2030-31 से दो साल की होगी। किसी भी अवधि के अंत में निपटान नहीं किए गए क्रेडिट समाप्त हो जाएंगे।

उद्देश्य जीवाश्म ईंधन की खपत कम करना

इसका उद्देश्य भारत में जीवाश्म ईंधन की खपत कम करने के साथ इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड, एथनॉल और अन्य स्वच्छ वाहन प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है। एक हजार से कम पात्र वाहनों का सालाना उत्पादन या आयात करने वाली कंपनियां किसी विशिष्ट औसत ईंधन दक्षता लक्ष्य को पूरा करने से मुक्त रहेंगी। हालांकि, उन्हें ईंधन खपत से जुड़े आंकड़ों की जानकारी देनी होगी।

लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में नहीं हुआ कोई बदलाव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र जैसी विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए कोई बदलाव नहीं किया है।

एक अक्तूबर, 2026 से शुरू होने वाली चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए दरों को यथावत रखा गया है।

यह लगातार दसवीं तिमाही है जब लघु बचत योजनाओं की दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वित्त मंत्रालय की बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, ''वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही (एक अक्टूबर, 2026 से 31 दिसंबर, 2026 तक) के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें वही रहेंगी, जो चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए अधिसूचित की गई थीं।'बनी रहेगी।



- लगातार 10वीं तिमाही में इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया
- पीपीएफ और राष्ट्रीय बजत प्रमाणपत्र की ब्याज दर यथावत

किसान विकास पत्र (केवीपी) पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी और इसमें किया गया निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। वहीं, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए ब्याज दर 7.7 प्रतिशत पर बनी रहेगी।

आखिरी बार वर्ष 2023-24 में हुआ था बदलाव

दूसरी तिमाही की तरह ही, डाकघर की मासिक आय योजना के निवेशकों को तीसरी तिमाही में भी 7.4 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा। इसके साथ मुख्य रूप से डाकघरों और बैंकों द्वारा संचालित छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में लगातार 10वीं तिमाही में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में सरकार ने आखिरी बार वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में कुछ बदलाव किया था।

सोना 700 रुपए बढ़कर 1.49 लाख रुपए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में दो महीने के निचले स्तर से सुधार हुआ और ये 700 रुपये बढ़कर 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं।

वैश्विक बाजार में मजबूती के रुख के बीच निवेशकों की कम कीमत पर की गई खरीदारी से सोने में तेजी आई। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में दो सत्रों से जारी गिरावट थम गई और यह 700 रुपये बढ़कर 1,49,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई, जबकि मंगलवार को यह 1,48,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत लगातार दूसरे सत्र में 2.32 लाख रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर स्थिर रही।



- सोने में दो महीने के निचले स्तर से सुधार हुआ
- चांदी की कीमत 2.32 लाख रुपए प्रति किलो पर स्थिर रही

सोना 4,195 डॉलर प्रति औंस के आसपास

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड की जिंस और मुद्रा शोध विश्लेषक, वेदिका नार्वेकर ने कहा, ''सोना 4,195 डॉलर प्रति औंस के आसपास बना हुआ था और सितंबर में पांच प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद होने की राह पर था, जो समर्थन करने वाले कारकों और लगातार बनी हुई चुनौतियों के बीच खींचतान को दिखाता है।''

वेदांता ने डिबेंचर के जरिए जुटाए 2,000 करोड़ रुपए...



नई दिल्ली। वेदांता लिमिटेड ने निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी कर 2,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस राशि का इस्तेमाल वित्तपोषण के स्रोतों में विविधता लाने और मौजूदा कर्ज के पुनर्गठन के साथ बही-खाते को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। वेदांता लिमिटेड ने कहा, ''कंपनी की निदेशकों की समिति ने निजी नियोजन के आधार पर एक-एक लाख रुपये के अंकित मूल्य वाले कुल 2,00,000 बिना गारंटी वाले, विमोच्य, रेटिंग प्राप्त और सूचीबद्ध गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के आवंटन को मंजूरी दी है, जिनका कुल मूल्य दो हजार करोड़ रुपये है।''

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद कारोबारी भरोसा बरकरार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट, ऊंची ऊर्जा कीमतों, महंगाई और रुपये में गिरावट जैसी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अप्रैल-सितंबर, 2026-27 के दौरान भारत में कारोबारी भरोसा बरकरार है। उद्योग मंडल एसोचैम द्वारा बुधवार को परीक्षण के आधार पर जारी नए सूचकांक से यह जानकारी मिली। एसोचैम व्यापार भरोसा (एबीसी) सूचकांक सितंबर में 128.25 रहा, जो पिछले साल इसी महीने में 118.72 था। अप्रैल-सितंबर, 2026-27 के दौरान सूचकांक में सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत सुधार हुआ। इस सूचकांक में अप्रैल, 2023 को आधार महीना माना गया है और इसका आधार मूल्य 100 रखा गया है। एसोचैम ने कहा कि उद्योग जगत और विश्लेषकों से मिले सुझावों के आधार पर सूचकांक को आगे और मजबूत किया जाएगा। एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल कुमार मिंडा ने कहा, एबीसी सूचकांक भारत की आर्थिक स्थिति का समग्र आकलन करता है। इसमें 20 प्रमुख संकेतकों को शामिल किया गया है।



- सूचकांक में सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत सुधार हुआ : एसोचैम
- सूचकांक में अप्रैल, 2023 को आधार महीना माना गया है

अलग-अलग भारांश तय किए गए

एसोचैम ने कहा कि विभिन्न संकेतकों में बदलाव को कारोबारी और आर्थिक माहौल में बदलाव के अनुरूप दर्शाने के लिए सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर उनके अलग-अलग भारांश तय किए गए हैं। एसोचैम के महासचिव सौरभ सान्याल ने कहा, एबीसी सूचकांक प्रमुख संकेतकों को एक साथ लाकर कारोबारी और आर्थिक माहौल में हो रहे बदलाव का व्यवस्थित आकलन करता है।

उद्योगों में कुल रोजगार वर्ष 2024-25 में दो करोड़ के पार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उद्योगों में कुल रोजगार का आंकड़ा 2024-25 में दो करोड़ के पार पहुंच गया। इसमें मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र का योगदान रहा, जिसने 14 लाख से अधिक कामगारों को रोजगार दिया। बुधवार को जारी वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (एएसआई) से यह जानकारी मिली।



- रोजगार उपलब्ध कराने में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान सबसे अधिक रहा
- विनिर्माण क्षेत्र ने 14 लाख से अधिक कामगारों को रोजगार दिया

एएसआई के अनुसार, उद्योगों में काम करने वाले लोगों की अनुमानित संख्या 2024-25 में 7.19 प्रतिशत बढ़कर 2.10 करोड़ हो गई जो 2023-24 में 1.96 करोड़ थी। आधिकारिक बयान के अनुसार, पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार का विस्तार जारी रहा। कामगारों को दिए गए कुल वेतन एवं अन्य पारिश्रमिक में भी 2024-25 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 12.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सर्वेक्षण के अनुसार, 2024-25 में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार देने के मामले में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पांच प्रमुख राज्य रहे। इन राज्यों में मिलकर देश के कुल विनिर्माण रोजगार का करीब 56 प्रतिशत हिस्सा रहा। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बुधवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एएसआई के परिणाम जारी किए। एएसआई 2024-25 के लिए सर्वेक्षण का क्षेत्रीय काम अक्टूबर, 2025 से जून, 2026 के बीच किया गया। वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विनिर्माण उद्योगों में उत्पादन, मूल्यवर्धन, रोजगार, पूंजी निर्माण और अन्य मानकों के आधार पर उनकी संरचना, वृद्धि और बदलाव की स्थिति की जानकारी देना है।

प्रतिष्ठानों में सबसे अधिक संख्या तमिलनाडु की रही

निवेशित पूंजी, कच्चे माल की लागत, उत्पादन, सकल मूल्यवर्धन (जीवीए), रोजगार और मजदूरी जैसे प्रमुख आर्थिक संकेतकों में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई। इस क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की कुल संख्या बढ़कर 2024-25 में 2.67 लाख हो गई जो 2023-24 में 2.60 लाख थी। प्रतिष्ठानों की सबसे अधिक संख्या तमिलनाडु में 41,221 रही। इसके बाद गुजरात (33,084) और महाराष्ट्र (27,379) का स्थान रहा।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रही

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 48 अंक और टूटा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, ऊंचे वैश्विक बॉण्ड प्रतिफल और विदेशी पूंजी की निकासी से निवेशकों में चिंता के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट का सिलसिला जारी रहा।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स दिन के अंत में हुई बिकवाली के कारण 48.78 अंक टूटकर 72,480.29 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 533.16 अंक बढ़कर 73,062.23 अंक तक पहुंच गया था। वहीं पचास शेयर वाला एनएसई निफ्टी 95.75 अंक यानी 0.42 प्रतिशत फिसलकर 22,620.45 अंक पर बंद हुआ। इस महीने बीएसई सेंसेक्स में 4,476.98 अंक जबकि निफ्टी में 1,459.95 अंक की गिरावट आई। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इटर्नल, सन फार्मा, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरावट में रहे। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंटरग्लोब एविएशन और एक्सिस बैंक के शेयर में तेजी दर्ज की गई।



पहली गलती पर 15 दिनों के लिए आउटगोइंग कॉल प्रतिबंधित

ट्राई ने बदला स्पैम कॉल पर लगाम लगाने नियम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्पैम कॉल और परेशान करने वाले कमर्शियल कॉल्स पर लगाम लगाने के लिए ट्राई ने नए नियम जारी किए हैं। अब अगर किसी टेलीकॉम कंपनी का एआई या मशीन लर्निंग बेस्ड सिस्टम किसी नंबर से आने वाली कॉल को 'संदेहास्पद कॉल' के तौर पर फ्लैग करता है, तो कार्रवाई के लिए ग्राहक की शिकायत का इंतजार नहीं करना होगा। ट्राई ने टेलीकॉम कमर्शियल कम्यूनिकेशन कस्टमर प्रिफरेंस (थर्ड अमेंडमेंट) रेगुलेशन , 2026 जारी किए हैं। एआई से स्पैम कॉल पकड़ी गई तो क्या होगा? नए नियमों के तहत जिस टेलीकॉम कंपनी को कोई कॉल संदिग्ध स्पैम के तौर पर मिलेगी, उसे दो घंटे के अंदर उस कॉल की जानकारी उस ऑपरेटर के साथ शेयर करनी होगी, जिसके नेटवर्क से कॉल शुरू हुई थी।

- एआई से आई संदेहास्पद कॉल पर होगी तुरंत कार्रवाई



दोबारा गलती पर एक साल के लिए निलंबन : अगर दोबारा उल्लंघन होता है, तो सेंडर के सभी टेलीकॉम रिसोर्स, जैसे सिम, पीआरआई और सिप ट्रंक आदि को एक साल तक डिस्कनेक्ट किया जा सकता है। इस अवधि में सेंडर को ब्लैकलिस्ट भी किया जाएगा और नया टेलीकॉम रिसोर्स नहीं दिया जाएगा। गंभीर मामलों में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के पास शिकायत भी की जा सकती है।

पहली गलती पर 15 दिन तक आउटगोइंग बंद : अगर एआई सिस्टम के जरिए पहली बार उल्लंघन पकड़ा जाता है, तो सेंडर के सभी टेलीकॉम रिसोर्स की आउटगोइंग सर्विस 15 दिनों के लिए बंद की जा सकती है। इसमें वे कनेक्शन भी शामिल होंगे, जिनका इस्तेमाल उस स्पैम कम्युनिकेशन के लिए नहीं हुआ था।

प्रमोशनल कॉल बंद करने के लिए नया तरीका : *जो ग्राहक सभी कैटेगरी की टेलीमार्केटिंग कॉल्स को ब्लॉक करना चाहते हैं, उन्हें 1909 पर ब्लाक प्रोमो लिखकर एसएमएस करना होगा। इससे प्रमोशनल कमर्शियल कम्युनिकेशन ब्लॉक होंगे, लेकिन ट्रांजैक्शन, सर्विस और सरकारी कम्युनिकेशन प्रभावित नहीं होंगे।*

फुली ब्लॉक 15 दिनों के अंदर *ट्राई के मुताबिक, पहले से फुली प्लॉक कैटेगरी में दर्ज प्रेफरेंस को नोटिफिकेशन के 15 दिनों के अंदर ब्लॉक प्रोमो कैटेगरी में माइग्रेट किया जाएगा। नए नियमों को स्टेज में लागू किया जाएगा, जिसकी प्रक्रिया नोटिफिकेशन के बाद 30 से 90 दिनों के बीच पूरी की जाएगी।*

टेलीकॉम कंपनियों को करनी होगी कार्रवाई

इसके बाद ओरिजनेटिंग एक्सेस प्रोवाडर यानी ओएपी को एक बिजनेस डे के अंदर उस नंबर से जुड़े सेंडर का केवाईसी आइडेंटिफायर पता करना होगा। इसके बाद दूसरे टेलीकॉम ऑपरेटर्स भी अपने सिस्टम में जांच करेंगे कि पिछले 10 दिनों में उसी संदिग्ध सेंडर से जुड़े दूसरे कनेक्शन तो नहीं मिले हैं। अगर पिछले 10 दिनों में सेंडर के पांच या उससे ज्यादा सीएलआई यानी कालिंग लाइन आईडेंटिफिकेशन नंबर संदिग्ध पाए जाते हैं, तो संबंधित टेलीकॉम कंपनियों को उसके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी।

खबर संक्षेप



धरे गये दो बदमाश, चोरी के 4 सबमर्सिबल मोटर पंप बरामद

कटनी। बड़वारा थाना क्षेत्र के कांटी गांव में खेतों से लगातार मोटर पंप चोरी हो रहे थे। पुलिस ने मंगलवार को मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर 4 सबमर्सिबल मोटर पंप बरामद किए हैं। थाना प्रभारी सुयेश पांडे ने बताया कि 25 सितंबर की रात कांटी गांव के खेतों से पंप चोरी की शिकायत मिली थी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मुखबिरों से जानकारी जुटाई। सबूतों के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर छापा मारा गया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी कबूल की। राजेंद्र उर्फ मंजल राठौर (36) और करन सिंह ठाकुर (32) को कानूनी कार्रवाई के बाद कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया। इस कार्रवाई से किसानों को राहत मिली है। कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुयश पांडे, सउनि महेश प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक पवनराज, प्रधान आर नीलेश दुबे रक्षक गौरीशंकर आदि शामिल रहे।

बकाया कर जमा नहीं करने पर काटे नल कनेक्शन

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा जलकर के बकायेदार उपभोक्ताओं को जलकर राहत योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रयास किए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत बकाया जलकर की कुल राशि का 50 प्रतिशत एकमुश्त जमा करने पर शेष 50 प्रतिशत राशि की छूट प्रदान की जा रही है। योजना को नागरिकों का सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना से लाभान्वित करने के लिए निगम का वसूली अमला घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया, इसके अतिरिक्त सुभाष चौक में आयोजित शिविर सहित निगम एवं जोन कार्यालय के माध्यम से उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देकर बकाया राशि जमा करने के लिए प्रेरित कर कुल 147 बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना से लाभान्वित किया गया। लंबे समय से बकाया जलकर जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं को राशि जमा करने के लिए सूचित किया जा रहा है। इसके बावजूद मंगलवार को बकाया राशि जमा नहीं करने वाले 23 बड़े बकायेदार उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई भी की गई।

करंट लगने से मौत

कटनी। बड़वारा थाना क्षेत्र के ग्राम अतरिया में बिजली का करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान अतरिया निवासी राजीव लोचन मिश्रा 48 वर्ष के रूप में हुई है। यह हादसा 30 सितंबर की दोपहर लगभग 2:00 बजे मृतक के घर के पीछे स्थित खेत में मोटर पंप के पास हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

पोषण, शिक्षा और सम्मान के केंद्र बिंदु बने आंगनवाड़ी

कटनी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कलेक्टर आशीष तिवारी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों का उद्देश्य है कि ज़लिं के आंगनवाड़ी केंद्र पोषण, शिक्षा और सम्मान के सशक्त केंद्र बनें। परियोजना कटनी शहरी में राम कृष्ण परमहंस वार्ड स्थित सामुदायिक भवन में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती सपना सरावगी, श्रीमती अनुपमा आटे, परियोजना अधिकारी, विभागीय कर्मचारियों एवं स्थानीय जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना एवं मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के हितग्राहियों से संवाद किया गया।महिलाओं द्वारा विभागीय योजनाओं के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं उनके जीवन में आये सकारात्मक परिवर्तन के अनुभव साझा किये गये।

कलेक्टर के निर्देश पर औषधि प्रशासन विभाग ने मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध की कार्रवाई

आधा दर्जन मेडिकल स्टोर्स में मिली कमियां व अनियमितताएं, संचालकों को थमाया नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी



जिले में मेडिकल स्टोर्स द्वारा औषधियों के विक्रय, भंडारण एवं वितरण में निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने, मेडिकल स्टोर्स का नियमित निष्पक्ष व जाँच करने के कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा दिए गए निर्देश के पालन में औषधि प्रशासन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी क्रम में विभागीय टीम द्वारा विभिन्न मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर औषधियों के विक्रय अभिलेख, भंडारण व्यवस्था, रख-रखाव एवं साफ-सफाई सहित आवश्यक वैधानिक दस्तावेजों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कई प्रतिष्ठानों में विभिन्न कमियां एवं अनियमितताएं सामने आने पर संबंधित संचालकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं।

इन मेडिकल स्टोर्स में कार्रवाई

औषधि प्रशासन विभाग के निरीक्षण में जिन मेडिकल स्टोर्स में नियमों के तहत कमिया मिली उनमें बसंत मेडिकल एजेंसी हीरागंज, लकी फार्मा हीरागंज, भभूती मेडिकल स्टोर्स माधवनगर, मोहित फार्मानिक माधवनगर तथा श्री जय मेडिकल स्टोर्स माधवनगर शामिल है।

दुरुपयोग की संभावना वाली औषधियों के विक्रय अभिलेखों में मिली अनियमितताएं

निरीक्षण के दौरान विशेष रूप से ऐसी औषधियों के विक्रय अभिलेखों की जांच की गई, जिनका नशीले पदार्थ के रूप में दुरुपयोग किए जाने की संभावना रहती है। जांच में कुछ प्रतिष्ठानों के विक्रय अभिलेखों में अनियमितताएं पाई गईं। इसके अलावा कुछ मेडिकल स्टोर्स में साफ-सफाई का उचित स्तर नहीं पाया गया तथा औषधियों का रख-रखाव एवं भंडारण निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिला।

एमटीपी किट्स एवं सिडूयल एचएच-1 औषधियों की हुई जांच

निरीक्षण के दौरान एमटीपी किट्स तथा सिडूयल एच एवं सिडूयल एच-1 के अंतर्गत आने वाली औषधियों के विक्रय, अभिलेख संधारण एवं भंडारण व्यवस्था की भी जांच की गई। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि ऐसी औषधियों के विक्रय एवं अभिलेखों के संधारण में निर्धारित वैधानिक प्रावधानों का पालन किया जाना आवश्यक है।

कारण बताओ नोटिस जारी

निरीक्षण में पाई गई कमियों एवं अनियमितताओं के संबंध में संबंधित मेडिकल स्टोर्स को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं। संबंधित संचालकों को निर्धारित समयावधि में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त स्पष्टीकरण एवं निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के आधार पर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 एवं उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों तथा अन्य लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

औषधि प्रशासन विभाग ने जिले के सभी औषधि विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वे औषधियों का विक्रय एवं भंडारण निर्धारित नियमों के अनुरूप ही करें। विशेष रूप से दुरुपयोग की संभावना वाली औषधियों, एमटीपी किट्स तथा सिडूयल एच एवं सिडूयल एच-1 औषधियों के विक्रय एवं संबंधित अभिलेखों का उचित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

धोखाधड़ी एवं ठगी के 5 मामलों में लाखों रूपये की लगाई चपत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी



जिले में आनलॉइन ठगी एवं साइबर धोखाधड़ी की घटनाएं कुछ दिनों से अधिक हो रही है। आये दिन शातिर जालसाज किसी न किसी को आर्थिक चपत लगा रहे हैं। जिले के कोतवाली, माधवनगर, कैमोर और बरही थाना क्षेत्रों में साइबर फ्रॉड और धोखाधड़ी के 5 अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

माधवनगर थाना क्षेत्र के हरदुआ पहाड़ी (निवार) निवासी लालबहादुर सिंह कुशवाहा 47 वर्ष के साथ लाखों रुपये की साइबर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। 11 सितंबर की सुबह लगभग 11:00 बजे अज्ञात ठग ने प्रार्थी के बैंक खाते में सेंध लगाकर कुल 2,46,000 रुपये की राशि अवैध रूप से निकाल ली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। इसी तरह कैमोर के वार्ड नंबर 14 अमरैयापार निवासी रफीक खान 50 वर्ष साइबर अपराध का शिकार बन गए। 5 सितंबर की शाम 7:00 बजे अज्ञात साइबर ठग ने धोखाधड़ी कर पीड़ित के बैंक खाते से 93,591 रुपये निकाल लिए। शिकायत के आधार पर कैमोर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया गया। बरही थाना क्षेत्र के ग्राम बरन महगवां निवासी दीपक पूरी गोस्वामी 47 वर्ष को अज्ञात ठग ने अपना शिकार बनाया। 19 अगस्त 2026 की दोपहर 3:42 बजे अज्ञात व्यक्ति द्वारा झांसा देकर और साइबर माध्यमों का दुरुपयोग कर पीड़ित के खाते से 61,900 रुपये उड़ा लिए गए। शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। कैमोर थाना क्षेत्र में 19 सितंबर की सुबह 9:40 बजे वार्ड नंबर 7 विश्वकर्मा मोहल्ला निवासी राजेश सोनी 63 वर्ष)एसबीआई एटीएम से पैसे निकालने गए थे। वहां मौजूद अज्ञात शातिर ने मदद के बहाने छल से उनका एटीएम कार्ड बदल लिया और खाते से 40,000 रुपये निकाल लिए। थाना कैमोर में अपराध दर्ज कर जांच जारी है। कोतवाली थाना क्षेत्र में 14 अगस्त 2026 को झूलेलाल मंदिर के पास कन्हैयालाल मंगलानी 51 वर्ष के साथ भी 40,000 रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया, जिस पर थाना कोतवाली में अपराध दर्ज किया गया है।

सफाई मित्रों की सुरक्षा एवं सम्मान को दी गई प्राथमिकता

महापौर ने सुरक्षा किट वितरित कर सुरक्षित कार्यप्रणाली एवं स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी



सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम द्वारा नगर निगम परिसर स्थित एमआईसी हॉल में बुधवार को सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य सफाई मित्रों को कार्य के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के प्रति जागरूक करने के साथ उनके योगदान के लिए सम्मानित एवं उत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम में महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगम अध्यक्ष मनीष पाठक द्वारा सफाई मित्रों को सुरक्षा किट का वितरण किया गया। इस दौरान सफाई मित्रों को कार्यस्थल पर सुरक्षा उपकरणों का नियमित एवं उचित उपयोग करने तथा सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाने की सलाह दी गई। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में सफाई मित्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए उनकी सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

शिविर के दौरान सफाई मित्रों को कार्य के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों, सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग, सुरक्षित तरीके से कार्य करने तथा स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। उन्हें प्रेरित किया गया कि वे निर्धारित सुरक्षा सामग्री का उपयोग करते हुए सावधानीपूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

सम्मान का भी संदेश

कार्यक्रम में सफाई मित्रों द्वारा नगर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की गई। उनके योगदान को रेखांकित करते हुए सम्मान एवं उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि स्वच्छ शहर के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई मित्रों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान को समान रूप से प्राथमिकता दी जा रही है।

कार्यक्रम में मेयर-इन-काउंसिल सदस्य सुभाष साहू, डॉ. रमेश सोनी, उमेंद्र अहिरवार, श्रीमती बीना बैनर्जी, पार्षद शशिकांत तिवारी, गोविंद चावला, श्रीमती शकुंतला सोनी एल्डरमैन नरेश अग्रवाल, समाजसेवी अज्जू सोनी स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी एवं नोडल अधिकारी आदेश जैन सहित निगम के अधिकारीगण मौजूद रहे।

घर घर जाकर नागरिकों को किया जा रहा जागरूक



नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत नागरिकों को कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूक करने का अभियान जारी है। नगर निगम द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर एवं संस्थानों तक पहुंचकर नागरिकों को कचरे के उचित प्रबंधन तथा स्रोत स्तर पर ही कचरा अलग-अलग रखने की जानकारी प्रदान की गई। अभियान के अंतर्गत कुल 160 घरों एवं संस्थानों को सेग्रीगेशन के लिए समझाइश दी गई। अभियान के दौरान क्षेत्र क्रमांक 01 में 25, क्षेत्र क्रमांक 03 में 15, क्षेत्र क्रमांक 04 में 25, क्षेत्र क्रमांक 06 में 50 तथा क्षेत्र क्रमांक 07 में 45 घरों एवं संस्थानों तक पहुंचकर नागरिकों को कचरा पृथक्करण के महत्व से अवगत कराया गया। इस दौरान लोगों को गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा निर्धारित कचरा संग्रहण व्यवस्था का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्राम पंचायतों के कार्यों का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी



जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर के निर्देश पर जिला पंचायत के योजना प्रभारी अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायतों में संचालित योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की मैदानी स्थिति का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। VB-G RAM G योजना के परियोजना अधिकारी ऋषि राज चढ़ार ने विकासखंड बड़वारा की ग्राम पंचायत निगहरा, बरछेका, बनहरा एवं अमाड़ी का भ्रमण कर योजना के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान परियोजना अधिकारी श्री चढ़ार ने निर्माण कार्यों में कार्यरत ग्रामीण श्रमिकों से प्रत्यक्ष संवाद कर मजदूरी भुगतान एवं कार्य की स्थिति की जानकारी ली।

श्रमिकों ने बताया कि VB-G RAM G योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों में उन्हें 300 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी प्राप्त हो रही है। अधिकारियों द्वारा श्रमिकों से कार्यस्थल पर उपलब्ध सुविधाओं एवं उपस्थिति दर्ज किए जाने की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान मेट सुश्री सुलोचना ने NMMS के माध्यम से श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज करने में लगने वाले समय के संबंध में अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि सुबह एवं शाम दोनों समय कार्य करने वाले श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है। अधिकारियों ने कार्यस्थल पर श्रमिकों की उपस्थिति एवं योजना के निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप कार्य संचालन की जानकारी भी प्राप्त की।

जिला पंचायत सीईओ के निर्देशानुसार अधिकारियों द्वारा किए जा रहे इस तरह के क्षेत्रीय भ्रमण का उद्देश्य योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना, श्रमिकों की समस्याओं को समझना तथा कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति की निगरानी सुनिश्चित करना है।

कामकाजी अभिभावकों को मिलेगी राहत, खेल खेल में सीखेंगे बच्चे

पालन घर का शुभारंभ, 2 से 6 वर्ष तक के बच्चों के सर्वांगीण विकास की होगी व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी



कामकाजी अभिभावकों की सुविधा और उनके नन्हे बच्चों की बेहतर देखभाल की दिशा में नगर पालिक निगम कटनी द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए टी.सी. बाजार स्कूल परिसर में 'पालन घर' का शुभारंभ किया गया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने मंगलवार को विधिवत शुभारंभ कर इस सुविधा का लोकार्पण किया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने इस पहल के माध्यम से बच्चों के सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

पालन घर में 2 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं आनंदमय वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। यहां बच्चों की उम्र और रुचि के अनुरूप खेल सामग्री, शैक्षणिक गतिविधियों तथा रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाएगा। बच्चों को पौष्टिक आहार, उचित देखभाल और प्रशिक्षित स्टाफ की निगरानी में रहने की सुविधा भी मिलेगी। इसके साथ ही बच्चों के मानसिक, शारीरिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

पालन घर की शुरुआत से उन अभिभावकों को विशेष राहत मिलेगी, जिन्हें कामकाज के दौरान अपने छोटे बच्चों की देखभाल को लेकर चिंता रहती है। अब वे अपने बच्चों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण में छोड़कर निश्चिंत होकर अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। यह पहल बच्चों की देखभाल के साथ-साथ अभिभावकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में निगम प्रशासन का सार्थक प्रयास है।

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार की पहल पर शुरू की गई इस सुविधा का उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही सीखने, खेलने और अपनी प्रतिभा विकसित करने के अनुकूल वातावरण प्रदान करना है। पालन घर में बच्चों को स्नेहपूर्ण देखभाल के साथ ऐसी गतिविधियों से जोड़ा जाएगा, जो उनके व्यक्तित्व विकास की मजबूत नींव तैयार करने में सहायक होंगी।

इस अवसर पर उपायुक्त प्रियंका झरिया,एमआईसी सदस्य सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद वंदना यादव,एल्डरमैन नरेश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

कई स्कूलों में जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियां आयोजित

'कबाड़ से जुगाड़' ने विद्यार्थियों को सिखाया अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी



स्वच्छ एवं सुंदर शहर का निर्माण केवल सफाई व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए प्रत्येक नागरिक में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित करना भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से स्वच्छता ही सेवा अभियान एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम कटनी की सहयोगी संस्था द्वारा शहर के विभिन्न विद्यालयों में स्वच्छता जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व के साथ ही उन्हें पर्यावरण संरक्षण, कचरे के उचित प्रबंधन और जनभागीदारी की भूमिका के प्रति जागरूक किया गया।

विद्यालयों में आयोजित इन कार्यक्रमों में कहीं चार बिन के माध्यम से कचरे को अलग-अलग रखने की जानकारी दी गई, तो कहीं चित्रकला प्रतियोगिता एवं कबाड़ से जुगाड़ जैसी रचनात्मक गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों को स्वच्छता का व्यावहारिक संदेश दिया गया। बच्चों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि स्वच्छता केवल सफाईकर्मियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की दैनिक आदतों और सामूहिक सहभागिता से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है।

वार्ड क्रमांक 25 स्थित साधु राम स्कूल तथा कनकने स्कूल में स्वच्छता से समृद्धि गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों को कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन एवं पृथक्करण की जानकारी दी गई। इस दौरान चार बिन प्रणाली के माध्यम से गीले, सूखे, सैनिटरी एवं विशेष देखभाल वाले कचरे को अलग-अलग रखने की प्रक्रिया समझाई गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि घरों एवं विद्यालयों में ही कचरे का सही पृथक्करण करने से उसके संग्रहण, प्रसंस्करण एवं उचित निपटान में सुविधा होती है।

चित्रों में उकेरे स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संदेश

स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 26 स्थित पूरवार स्कूल में विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता एवं रचनात्मकता के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ शहर की परिकल्पना को चित्रों में उकेरा। रंगों और कल्पनाओं के जरिए प्रस्तुत किए गए संदेशों ने बच्चों को स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और उसे व्यवहार में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषय से रचनात्मक तरीके से जोड़ने का प्रयास किया गया। अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 4 स्थित जैन नर्सरी इंग्लिश मीडियम स्कूल में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत जागरूकता गतिविधि के साथ 'कबाड़ से जुगाड़' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी एवं आकर्षक वस्तुएं तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। गतिविधि के माध्यम से बच्चों को यह संदेश दिया गया कि कई ऐसी वस्तुएं जिन्हें हम बेकार समझकर फेंक देते हैं, उनका रचनात्मक उपयोग कर दोबारा काम में लाया जा सकता है।

गोंड आदिवासी परिवारों को वन अधिकार पट्टा दिलाने की पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

विकासखंड ढीमरखेड़ा क्षेत्र के सैकड़ों गोंड आदिवासी परिवारों के पात्र व्यक्तियों को वन अधिकार पट्टा दिलाए जाने की मांग को लेकर जिला पंचायत के वरिष्ठ सदस्य एवं मध्यप्रदेश जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजय गोटिया ने कलेक्टर आशीष तिवारी से भेंट की। उन्होंने क्षेत्र की वस्तुस्थिति से कलेक्टर को अवगत कराते हुए पात्र हितग्राहियों को वन अधिकार अधिनियम के तहत उनके अधिकारों का लाभ दिलाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

पात्र आवेदनों पर शीघ्र होगी विधि-संगत कार्रवाई

श्री गोटिया ने बताया कि ढीमरखेड़ा विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में गोंड आदिवासी परिवार लंबे समय से वन अधिकार पट्टा प्राप्त करने की प्रक्रिया से जुड़े हुए हैं।

उन्होंने पुनः भौतिक सत्यापन एवं परीक्षण कराया जाकर पात्र परिवारों के आवेदनों के निराकरण तथा नियमानुसार वन अधिकार पट्टा दिलाए जाने की आवश्यकता पर कलेक्टर का ध्यान आकर्षित किया।

कलेक्टर आशीष तिवारी ने प्रकरणों की जानकारी प्राप्त करते हुए आश्वस्त किया कि प्राप्त आवेदनों की नियमानुसार जांच एवं परीक्षण कर यथाशीघ्र विधि-संगत कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को भी प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक विमल चौरसिया भी उपस्थित रहे।

निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करें समय पर पूरे हों कार्य : कलेक्टर

नगरीय निकायों में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा



जबलपुर। जिले के नगरीय निकायों में संचालित विकास कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने नगर निगम जबलपुर, नगर पालिका सिहोरा एवं पनागर तथा जिले की नगर परिषदों के अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की हिदायत भी इन अधिकारियों को दी है। कलेक्टर श्री सिंह बुधवार को जिले के सभी नगरीय निकायों में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर रविशंकर राय, कार्यपालन यंत्री नगर निगम कमलेश श्रीवास्तव, जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी तथा सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत जिले के शहरी क्षेत्रों में संचालित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रगतिरत कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने हरित क्षेत्र के अंतर्गत निर्मित पार्कों के रखरखाव और शेष कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार कार्यों की समीक्षा करते हुये उन्होंने कहा कि तालाबों के मूल स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए जीर्णोद्धार एवं विकास के कार्य किए जाएं। बैठक में जल प्रदाय योजनाओं की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने पाइपलाइन बिछाने के कार्यों को तेजी से पूरा करने की हिदायत दी । उन्होंने कहा कि मुख्य मार्गों पर आवश्यकतानुसार रात के समय पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जाए, ताकि आवागमन प्रभावित न हो। पाइपलाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई के बाद सड़क का व्यवस्थित रेस्टोरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश भी कलेक्टर श्री सिंह ने दिये। शहपुरा-भिटौनी जल प्रदाय योजना तथा बरेला-नर्मदा नदी जल प्रदाय योजना की प्रगति की जानकारी भी बैठक में ली गई। कलेक्टर श्री सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए राशि प्राप्त हो चुकी है, उनके निर्माण कार्य की लगातार मॉनिटरिंग की जाए। राशि प्राप्त करने के बाद भी आवास निर्माण नहीं करने वाले हितग्राहियों के विरुद्ध नियमानुसार आरआरसी जारी कर रिकवरी की कार्रवाई की जाए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रथम एवं द्वितीय चरण के अंतर्गत आवास निर्माण और आवेदनों के सत्यापन की स्थिति का ब्यौरा कलेक्टर ने लिया।

23 साल पहले मिली कैबिनेट मंजूरी, अब भी अधूरा सिहोरा जिला का सपना

सिहोरा।

सिहोरा को जिला बनाने का सपना 23 वर्ष बाद भी पूरा नहीं हो सका है।

आंदोलन समिति के अनुसार 1 अक्टूबर 2003 को मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट ने सिहोरा, मझौली, बहोरीबंद और ढीमरखेड़ा को मिलाकर जिला बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इससे पहले 11 जुलाई 2003 को इसका प्रस्ताव राजपत्र में सामने आया था। समिति के अनुसार उस समय प्रदेश में 48 जिले थे, जो अब 55 हो चुके हैं। कैबिनेट मंजूरी के बाद कई नए जिले अस्तित्व में आए, लेकिन सिहोरा को अब तक जिले का दर्जा नहीं मिला। मांग को लेकर समय-समय पर धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन और जनसंपर्क अभियान चलाए गए हैं। समिति पिछले करीब पांच वर्षों से लगातार आंदोलन कर रही है। आंदोलनकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री से दो बार वार्ता भी हो चुकी है। समिति ने सवाल उठाया कि यदि 2003 का प्रस्ताव सही था तो 23 वर्षों में उसे लागू क्यों नहीं किया गया? वहीं यदि प्रस्ताव में कोई कमी थी तो उसे वापस क्यों नहीं लिया गया। लोगों का कहना है कि अब सरकार को इस मांग पर स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए।

काव्य गोष्ठी में 'पुष्पवाटिका' की समीक्षा



सिहोरा। साहित्यिक संस्था अभिव्यक्ति सिहोरा के तत्वावधान में सरस काव्य गोष्ठी एवं वरिष्ठ कवि विजय बागरी 'विजय' की काव्य कृति 'पुष्पवाटिका' खंड-काव्य की समीक्षा का आयोजन हुआ। अध्यक्षता वरिष्ठ कवि अश्वनी कुमार पाठक ने की। मुख्य अतिथि हास्य कवि शरद जायसवाल और विशिष्ट अतिथि गुरुदयाल कनौजिया रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ चंद्रकिशोर श्रीवास्तव 'चंदन' ने मां सरस्वती की वंदना से किया। अध्यक्ष अश्वनी कुमार पाठक ने 'पुष्पवाटिका' की समीक्षा करते हुए कृति के कथ्य, भाव-पक्ष, भाषा-शैली, छंद-विधान और काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कृति को समकालीन हिंदी काव्य जगत की उल्लेखनीय रचना बताया। इसके बाद कृतिकार विजय बागरी ने कृति के चुनिंदा छंदों का वाचन किया। गोष्ठी में डॉ. अरुणा पाण्डेय, आशा अवस्थी, आशा निर्मल जैन, लक्ष्मीनारायण पटेल, मुकेश त्रिपाठी, डॉ. श्रीकृष्ण तिवारी, सुशील शर्मा एवं नारायण तिवारी ने रचनाएं प्रस्तुत कीं। अखिलेश दुबे सहित अनेक साहित्यप्रेमी मौजूद रहे।

जल संरक्षण का संदेश लेकर मझौली पहुंची जल नल बाइक यात्रा

मझौली। जल संरक्षण एवं जल स्रोतों की सुरक्षा का संदेश लेकर बड़नगर से बनारस तक निकाली जा रही सेवा संकल्प अभियान की जल नल बाइक यात्रा बुधवार को मझौली पहुंची। इस दौरान अभियान कार्यकर्ताओं ने विभिन्न सामाजिक गतिविधियां आयोजित कीं। कार्यक्रम में मिसा बंदी एवं सफाई मित्रों का सम्मान किया गया। वहीं वार्ड क्रमांक 13 स्थित बावड़ी (बहर) की सफाई कर जल स्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यकर्ताओं ने लोगों से जल स्रोतों को स्वच्छ रखने तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कार्यक्रम में विधायक अजय विश्नोई, मुकेश सेन, राजेंद्र चौरसिया, दिनेश चौरसिया, शिप्रा राजेंद्र चौरसिया, विजय साहू, गंगाराम कोष्टा, मो. शकील एवं प्रताप साहू सहित भाजपा कार्यकर्ता और नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि पारंपरिक जल स्रोतों की सफाई और संरक्षण भविष्य के लिए आवश्यक है।

मझौली महाविद्यालय में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



मझौली। शासकीय महाविद्यालय मझौली में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बीएमओ मुकेश सोनी एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों को कैंसर के कारणों, प्रमुख लक्षणों, बचाव के उपायों तथा समय पर जांच और उपचार के महत्व की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने कैंसर से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, तंबाकू एवं अन्य हानिकारक पदार्थों से दूर रहने तथा संदिग्ध लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कोष्टा, एनएसएस प्रभारी जितेंद्र द्विवेदी, राजेंद्र मालवे, सहायक प्राध्यापक रागनी मार्को, डॉ. सोनिका एवं निशा परोहा सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता कर कैंसर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को जागरूक कर स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली के लिए प्रेरित करना रहा।

'गांधी से गोविंद दास तक' पखवाड़ा 2 से 16 अक्टूबर तक

राष्ट्र, साहित्य, संस्कृति एवं सेवा से जुड़े होंगे आयोजन



जबलपुर। शहीद स्मारक ट्रस्ट एवं हितकारिणी सभा के संयुक्त तत्वावधान में 2 से 16 अक्टूबर तक "गांधी से गोविंद दास तक—राष्ट्र, साहित्य, संस्कृति एवं सेवा पखवाड़ा" आयोजित किया जाएगा। इसकी जानकारी हितकारिणी सभा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक नित्य निरंजन खंपरिया ने प्रेस वार्ता में दी। पखवाड़े का शुभारंभ 2 अक्टूबर को सुबह 11:30 बजे गोविंद स रंगमंच, शहीद स्मारक में होगा। इससे पहले सुबह 10:30 बजे हितकारिणी महिला महाविद्यालय से छात्र-छात्राओं की रैली निकलेगी। कार्यक्रम में गांधीजी के विचारों, प्रिय भजनों एवं सर्वधर्म प्रार्थना की प्रस्तुति होगी। मुख्य अतिथि बाबू विश्वमोहन मंत्री तथा अध्यक्ष मदन तिवारी होंगे। पखवाड़े में विभिन्न संस्थाओं में व्याख्यान, परिचर्चा, पुस्तक वाचन तथा निबंध, भाषण, वाद-विवाद, कविता पाठ, चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं होंगी। 16 अक्टूबर को सेठ गोविंद दास जयंती पर समापन समारोह में व्याख्यान, साहित्यिक प्रस्तुतियां और विजेताओं का सम्मान होगा। प्रेस वार्ता में एडवोकेट जयेश राठौर, डॉ. नीलेश पाण्डेय एवं आर.के. टहंगुरिया सहित आयोजन से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे।

'किस्सा कोताह' का पांचवां द्विवार्षिक समारोह 2 एवं 3 अक्टूबर को

सिहोरा। हिन्दी की प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका 'किस्सा कोताह' का पांचवां द्विवार्षिक समारोह 2 एवं 3 अक्टूबर को होटल परिणिता में आयोजित होगा। कार्यक्रम गुरु दयाल कनौजिया के सौजन्य से प्रातः 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक चलेगा। इसमें विभिन्न राज्यों से आए साहित्यकार शामिल होंगे। 2 अक्टूबर को उद्घाटन सत्र डॉ. शिशिर पांडेय की अध्यक्षता में होगा। स्वागत भाषण गुरु दयाल कनौजिया 'दयाल' देंगे। इस दौरान राज नारायण बोहरे, गुरु दयाल कनौजिया, रामगोपाल भावुक, शिवमंगल सिंह एवं मनोरमा पंत सहित अन्य साहित्यकारों की पुस्तकों का विमोचन होगा। इसके बाद मनोरमा पंत, पवन शर्मा, कविता मुकेश, मुकेश पोपली एवं डॉ. ज्योति गजभिए कथा, बालकथा एवं लघुकथा पाठ करेंगे। कार्यक्रम का संचालन एवं समीक्षा डॉ. आशा वर्मा एवं शिवमंगल सिंह करेंगे। समारोह में कहानी एवं बाल कहानी प्रतियोगिता-2026 के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

भीम आर्मी की संभागीय बैठक संपन्न, 9 को भोपाल चलो का आह्वान



जबलपुर। भीम आर्मी भारत एकता मिशन की संभागीय स्तरीय बैठक तिलवारा रोड स्थित कोकला रिजॉर्ट में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सुनील बैरसिया उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष संजू लाल झरिया एवं संभागीय अध्यक्ष चंद्रभान बौद्ध सहित विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों ने सहभागिता की। बैठक में सिवनी जिला अध्यक्ष सदर पटेल, कटनी जिला अध्यक्ष संदीप चौधरी तथा बालाघाट जिला अध्यक्ष रितेश बोरकर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में संगठन की गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा की गई। जबलपुर में संगठन का सदस्यता अभियान शुरू करने की जानकारी दी गई। बैठक में करीब 350 सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान 9 अक्टूबर को भोपाल में मान्यवर कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता के लिए "भोपाल चलो" का आह्वान किया गया। पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने और अधिक लोगों को सदस्यता से जोड़ने पर जोर दिया।

राज्य कर्मचारी संघ ने 23 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा



जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने संभागीय आयुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम 23 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एसडीएम सृष्टि प्रजापति को सौंपा। ज्ञापन संभागीय अध्यक्ष सतीश गोंडाने के नेतृत्व में प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह सहित पदाधिकारियों ने प्रस्तुत किया। संघ ने मुख्यमंत्री चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने, केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने, पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) वरिष्ठता के साथ पुनः लागू करने तथा ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा केंद्र के समान 25 लाख रुपये करने की मांग की। इसके अलावा लिपिक संवर्ग को मंत्रालय के समान समयमान वेतनमान, कर्मचारी आयोग का गठन, दो संतान की बाध्यता समाप्त करने तथा कार्यभारित स्थापना के कर्मचारियों को अवकाश नगदीकरण एवं पदोन्नति का लाभ देने की मांग भी शामिल है। इस अवसर पर अटल उपाध्याय, देवेंद्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री, विवेक रंजन शुक्ला, बृजेश मिश्रा, पंकज जायसवाल, योगेश कपूर, शैलेंद्र दुबे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कराटे चैंपियनशिप में जबलपुर के खिलाड़ियों ने जीते 14 पदक



जबलपुर। इंदौर में 26 और 27 सितंबर को आयोजित 17वीं चीडो कप अखिल भारतीय कराटे चैंपियनशिप में जबलपुर की मास्टर संघ कराटे एकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। एकेडमी के अध्यक्ष सेन्साई महेंद्र सोनकर ने बताया कि प्रतियोगिता में एकेडमी के 13 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और कुल 14 पदक जीते। स्वर्ण पदक विजेताओं में जिज्ञासा काछी, विकास सैनी, आशना अग्रवाल, आरना सिंह और दैविक कुशवाहा शामिल रहे। रजत पदक ऋषित सिंह, आशना अग्रवाल और मोहम्मद आतिफ अंसारी ने जीते। वहीं कांस्य पदक कृति वाल्मीकि, आदित्य गोस्वामी, अथर्व पटेल, आयुषी पटैल और उज्जवल चौकसे ने हासिल किए। टीम के प्रशिक्षक की भूमिका सेन्साई भगवान दास ने निभाई। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर महेंद्र सोनकर, अंकित सोनकर, करन सोनकर, सोना काछी एवं संजय जैन ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेवा संकल्प अभियान के तहत पौधारोपण



पाटन। मध्य प्रदेश जनअभियान परिषद पाटन टीम द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत पौधारोपण किया गया तथा कलश यात्रा में सहभागिता की गई। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक नूपुर खरे, नवांकुर संस्था प्रतिनिधि रामनारायण एवं जितेंद्र राठौर, प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष पवन बर्मन, दिनेश राठौर और परामर्शदाता राम राजा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों तक शासकीय योजनाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और अन्य जनकल्याणकारी सेवाओं की जानकारी पहुंचाना है। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग, पर्यावरण संरक्षण एवं पौधारोपण को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर "सेवा ही संकल्प, जनकल्याण ही हमारा लक्ष्य" का संदेश दिया गया। आयोजकों ने समाज में सेवा, सहयोग और जनभागीदारी की भावना मजबूत करने का संकल्प लिया।

श्री अखिलेश कुमार मिश्रा

श्री अखिलेश कुमार मिश्रा- सिहोरा स्थित मुखर्जी वार्ड निवासी श्री अखिलेश कुमार मिश्रा (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुकेश कुमार मिश्रा- कालीमठ आमनपुर मदनमहल निवासी श्री मुकेश कुमार मिश्रा (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री मोहन लाल यादव- पुलिस लाइन कांचघर निवासी श्री मोहनलाल यादव (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती नीलिमा मनोहर नाइक- चिरोल्या कॉलोनी रीवा निवासी श्री मनोहर नाइक की धर्मपत्नी श्रीमती नीलिमा मनोहर नायक (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गनपत चौधरी- भानतलैया चौधरी मोहल्ला निवासी श्री वेदराज चौधरी के पुत्र श्री गनपत चौधरी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री त्रयम्बक लाल राठौड़- अनगढ़ महावीर मंदिर के पास गोरखपुर निवासी श्री त्रयंबक लाल राठौर (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बाबू लाल दाहिया- लालमाटी बड़ी संतोषी निवासी श्री बाबू लाल दाहिया (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री राम प्रसाद द्विवेदी- भारत कॉलोनी मदनमहल एलआईसी के पास निवासी श्री राम प्रसाद द्विवेदी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।



श्रीमती श्यामा कश्यप- फूटाताल दुर्गा चौक निवासी श्री राजू कश्यप की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा कश्यप (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री मोहन लाल खैरा- विजयनगर एचबी कॉलेज के पास निवासी श्री मोहन लाल खैरा (75) का निधन हो गया । अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंद्रा ललवानी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री कुंदन लाल ललवानी की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रा ललवानी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री दशाराम पारधी- रानीपुर सुदामा नगर मदनमहल निवासी श्री दशाराम पारधी (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. अलका पांडे- नई बस्ती 1, गोहलपुर निवासी श्री मनोज पांडे की पुत्री कु. अलका पांडे (27) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

मेजर प्रकाश राम सिंह- कौशल्या होम्स हेड पोस्ट ऑफिस के पास साउथ सिविल लाइन निवासी मेजर प्रकाश राम सिंह (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती केवलवासी शर्मा- रामनगर रामपुर निवासी श्री सरजू प्रसाद शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती केवलवासी शर्मा (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संजय कुमार आहके- कंचन विहार विजयनगर निवासी श्री संजय कुमार आहके (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ललऊ प्रसाद केवट- पिपरिया परियट निवासी श्री ललऊ प्रसाद केवट (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अमित खरे- फूटाताल निवासी श्री ओम प्रकाश खरे के पुत्र श्री अमित खरे (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सविता चटर्जी- गंगानगर गढ़ा निवासी श्री प्रशांत चटर्जी की धर्मपत्नी श्रीमती सविता चटर्जी (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अनीता बाई चौधरी- गली नंबर 3 पोलीपाथर बादशाह हलवाई मंदिर के पास निवासी श्री विष्णु प्रसाद चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता बाई चौधरी (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भोलाराम कनोजिया- सिविल लाइन निवासी श्री भोलाराम कनौजिया (97) का हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री जगदीश पिल्ले- बिलहरी पोस्ट ऑफिस के पास निवासी श्री जगदीश पिल्ले (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री हमदीप जाटव- सर्वोदय नगर रानीताल निवासी श्री दालचंद जाटव के पुत्र श्री हमदीप जाटव (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती मुन्नी बाई गौंड- बृजमोहन नगर छापर रामपुर निवासी श्री सुमन सिंह गौड़ की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई गौंड (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री राकेश पटेल- इंदिरा नगर मंडीदीप निवासी श्री बीडी पटेल के पुत्र श्री राकेश पटेल (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एम/188
दिनांक:- 30/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री चिराग गाला गाला बिल्डर्स द्वारा पार्टनर पिता हरीश कुमार गाला ने मकान नं. 894/1A वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी क्षेत्रफल 3667 व.फु., भूतल 1500 व.फु., बैसमेंट 2000 व.फु., प्रथमतल 1500 व.फु., द्वितीय तल 1500 व.फु., तृतीय तल 1500 व.फु., विक्रयपत्रों के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एम/189
दिनांक:- 30/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री चिराग गाला गाला बिल्डर्स द्वारा पार्टनर पिता हरीश कुमार गाला ने मकान नं. 894/1 वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी क्षेत्रफल 2572.18 व.फु., भूतल 1500 व.फु., बैसमेंट 1500 व.फु., प्रथमतल 1500 व.फु., द्वितीय तल 1500 व.फु., तृतीय तल 1500 व.फु., विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

नाम परिवर्तन

मैं, श्री योगेश कुमार बजाज पिता स्व. श्री राम कुमार बजाज पता-40, बलदेवबाग चेरिताल वार्ड नं. 12 जिला जबलपुर (म.प्र.) उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूँ। मेरे पासपोर्ट में मेरा पुराना नाम योगेश बजाज लिखा है जो गलत है। जिसे मैंने बदलकर योगेश कुमार बजाज कर लिया है जो मेरे आधार कार्ड नं.9280 5088 0259 एवं अन्य दस्तावेजों मे भी दर्ज है। मुझको इसी नाम योगेश कुमार बजाज के नाम से जाना एवं पहचाना जावे।

गलत नामः
योगेश बजाज
सही नामः
योगेश कुमार बजाज

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **RESHMA PRAGI** AFTER MARRIAGE I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **RESHMA PRAGI KHAN** W/O MUNEER KHAN TAJ RESIDENT OF- H. NO. 605, MIRJA GAKIB MARG, ALLAHBADI DAWAKHANA, NAYA MOHALLA, JABALPUR (M.P.) 482001.

आम सूचना खंडन

सर्व साधारण, बैंकों एवं भावी क्रेताओं को एतद् द्वारा सूचित व सावधान किया जाता है कि अधिवक्ता देवेन्द्र खरे द्वारा अपने पक्षकार शिव कुमार सोनी हेतु समाचार पत्र हरिभूमि में प्रकाशित आम सूचना दिनांक 02.09.2026 के जवाब व आपत्ति स्वरूप, मेरे पक्षकार श्री पंकज बुधोलिया पिता श्री एन.पी. बुधोलिया द्वारा यह सार्वजनिक सूचना दी जाती है कि उक्त सूचना में वर्णित ग्राम मौजा बहदन, खसरा नंबर 11/8 के कुल 5,937.5 वर्गफीट प्लॉट में से 2,969 वर्गफीट (23.75 × 125 फीट) भूमि का मूल भू-स्वामी पवन कुमार साहू द्वारा मेरे पक्षकार के पक्ष में दिनांक 06.03.2014 को अनुबंध निष्पादित कर चुका है। उक्त भूमि को पवन कुमार साहू द्वारा अवैध रूप से बेचने के विरुद्ध मेरे पक्षकार का व्यवहार वाद क्रमांक RCS A/960/2026 (पंकज बुधोलिया विरुद्ध पवन कुमार साहू व अन्य) न्यायालय २३वें व्यवहार न्यायाधीश श्रेणी-1, जबलपुर में विचाराधीन है। अतः संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 52 के अंतर्गत न्यायालयीन वाद लंबित रहने के दौरान उक्त संपत्ति का कोई भी क्रय-विक्रय, अंतरण या सौदा पूर्णतः अवैध, शून्य व निष्प्रभाव होगा तथा कोई भी लेन-देन करने वाला स्वयं जोखिम व खर्चे हेतु उत्तरदायी होगा।

दिनांक: 30/09/26
स्थान: जबलपुर (म.प्र.)
द्वारा:
श्रीकृष्ण शर्मा, अधिवक्ता
म.प्र. उच्च न्यायालय, जबलपुर
कार्यालय: 630, बोहरबाग, जबलपुर (म.प्र.)
मो.: +91 8989189954

1912 और सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बावजूद नहीं हुआ समाधान

पोल से सर्विस लाइन का तार जुड़वाने किसान को 27 दिन से इंतजार

दीपेश द्विवेदी

मऊगंज। मऊगंज जिले में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर एक किसान ने गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्राम मटियरा निवासी किसान दीपेश कुमार द्विवेदी का कहना है कि पोल से सर्विस लाइन का केबल टूटने के बाद शिकायत दर्ज कराने के बावजूद 27 दिन बीत जाने पर भी विभाग की ओर से तार जोड़ने के लिए कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे किसान को मोटर चलाने और सिंचाई के साथ-साथ पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। किसान दीपेश कुमार द्विवेदी के अनुसार उन्होंने वर्ष 2010 से दो-फेस मोटर का विद्युत कनेक्शन ले रखा है और नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान करते हैं। उनका कहना है कि 3 सितंबर 2026 को पोल से सर्विस लाइन का केबल अलग हो गया, जिसके कारण मोटर बंद हो गई। उन्होंने संबंधित लाइनमैन से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन नहीं उठाया गया। इसके बाद 4 सितंबर को बिजली विभाग की हेल्पलाइन 1912 पर शिकायत दर्ज कराई गई, जिसका शिकायत क्रमांक 15993857 बताया गया। किसान के मुताबिक 11 सितंबर को उन्हें शिकायत के निराकरण का संदेश प्राप्त हुआ, जबकि मौके पर समस्या का समाधान नहीं हुआ था। इसके बाद उसी दिन दोबारा शिकायत दर्ज कराने पर 16059586 शिकायत क्रमांक मिला। 20 सितंबर को फिर से निराकरण का संदेश भेजा गया, लेकिन किसान का कहना है कि तार अब भी नहीं जोड़ा गया। किसान ने 20 सितंबर को पुनः शिकायत दर्ज कराई, जिसका क्रमांक 16155329 बताया गया। इसके बावजूद 30 सितंबर तक विभाग की ओर से समस्या का समाधान नहीं किया गया।



सीएम हेल्पलाइन में शिकायत

समस्या का समाधान नहीं होने पर किसान ने 19 सितंबर 2026 को सीएम हेल्पलाइन 181 पर भी शिकायत दर्ज कराई। किसान के अनुसार शिकायत क्रमांक 4064477074 मिला, लेकिन इसके बाद भी सर्विस लाइन का तार जोड़ने की कार्रवाई नहीं हुई।

शिकायतों के निराकरण पर सवाल

किसान का आरोप है कि 1912 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज होने के बाद कुछ दिनों में शिकायत को निराकृत दिखा दिया जाता है, जबकि जमीनी स्तर पर समस्या जस की तस बनी रहती है। उनका कहना है कि एक ही समस्या को लेकर बार-बार शिकायत करने के बावजूद उन्हें केवल नए शिकायत क्रमांक और निराकरण के संदेश मिल रहे हैं। किसान ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों को बेहतर बिजली आपूर्ति और कृषि क्षेत्र को सुविधाएं देने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर शिकायतों का समय पर समाधान नहीं होने से इन योजनाओं का लाभ प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से सर्विस लाइन का तार तत्काल जुड़वाने और शिकायतों के वास्तविक निराकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

दीपक एडवरटाइजिंग ने जीता 200वां अवॉर्ड, रचा इतिहास



इंदौर। यह सिर्फ एक अवॉर्ड नहीं, एक अटूट सफर की कहानी है। क्रिएटिव इंडस्ट्री के लिए यह गर्व का क्षण है जब इंदौर की दीपक एडवरटाइजिंग को कल एक मीडिया ग्रुप द्वारा आयोजित समारोह में पुनः एक और अवार्ड से नवाज़ा गया। यह एजेंसी का विभिन्न मीडिया समूहों द्वारा दिया गया 200 वा अवॉर्ड है।

इतने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों के साथ दीपक एडवरटाइजिंग ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती। कई दशकों से यह एजेंसी विज्ञापन जगत में नए मानक गढ़ रही है - कभी प्रभावशाली कैंपेन बनाकर, कभी ब्रांडों को नई पहचान देकर और कभी क्षेत्रीय विज्ञापन को राष्ट्रीय फलक पर पहुँचाकर। इंदौर से शुरू हुआ यह सफर आज सम्पूर्ण भारत में गूंज रहा है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर दीपक जेठा, प्रबंध निदेशक, दीपक एडवरटाइजिंग ने कहाः यह अवॉर्ड ट्रॉफी नहीं, तीन दशकों की तपस्या है। यह हमारी ईश्वर और सीनियर्स के आशीर्वाद के साथ ही टीम के समर्पण , हमारे क्लाइंट्स के अटूट भरोसे और उस जुनून का फल है जो पहले दिन से आज तक हमारे साथ है। हर नया अवॉर्ड हमें रुकने के लिए नहीं, और ऊँचा उड़ने के लिए प्रेरित करता है। यह सम्मान इंदौर का सम्मान है, जिसने एक मध्य प्रदेश बेस्ड एडवरटाइजिंग एजेंसी को नेशनल ब्रांड बनने का हौसला दिया। रचनात्मकता से लेकर मीडिया, इवेंट्स से लेकर आउटडोर तक - हर प्लेटफॉर्म पर अपनी छाप छोड़ चुकी दीपक एडवरटाइजिंग ने हाल में ही अंतरराष्ट्रीय समिट अवार्ड जीतकर भी भारतीय रचनात्मकता का परचम लहराया है।

घड़ी डिटर्जेंट का नया कैंपेन 'विश्वास की परीक्षा' लॉन्च

सतना। आरएसपीएल ग्रुप ने घड़ी डिटर्जेंट का नया कैंपेन 'विश्वास की परीक्षा' लॉन्च किया है। बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को घड़ी डिटर्जेंट का नया ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। कैंपेन का संदेश है—"विश्वास की खास बात यही है कि उस पर हमेशा खरा उतरना पड़ता है।" कंपनी के अनुसार नए घड़ी डिटर्जेंट में 2X फोम टेक्नोलॉजी, सुपर पाउडर फॉर्मूला और जल्दी घुलने वाला फॉर्मूला शामिल है। कैंपेन फिल्म में नए उत्पाद की सफाई और गुणवत्ता को विभिन्न परीक्षणों के जरिए प्रदर्शित किया गया है। ब्रांड की पुरानी टैगलाइन "पहले इस्तेमाल करें, फिर विश्वास करें" को भी बरकरार रखा गया है। इस अवसर पर आरएसपीएल ग्रुप के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल ज्ञानचंदानी ने कहा कि ग्राहकों के भरोसे पर खरा उतरने के लिए उत्पाद में लगातार सुधार जरूरी है। कंपनी के मुताबिक नई पैकेजिंग के साथ घड़ी डिटर्जेंट देशभर के बाजारों और बिक्री केंद्रों पर उपलब्ध होगा।



एफबीआई ने बराड़ पर घोषित किया 10 लाख डॉलर का इनाम

एजेंसी : वाशिंगटन। गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को एफबीआई ने अपनी 10 सबसे वांछित अपराधियों की सूची में शामिल किया है। एफबीआई ने खालिस्तानी अलगाववादी हरजीत सिंह निज्जर की हत्या सहित कई गंभीर अपराधों में शामिल बराड़ की जानकारी देने वाले को 10 लाख डॉलर (करीब 9.6 करोड़ रुपए) का इनाम देने की घोषणा की है। एफबीआई ने कहा कि गोल्डी बराड़ अमेरिका में है और उत्तरी अमेरिका में इस गिरोह का कथित सरगना है। बराड़ पर सबसे गंभीर आरोप जून 2023 में कनाडा में निज्जर की हत्या का है। जो भारत में आतंकवादी घोषित था। आरोप है कि बिश्नोई और बराड़ ने निज्जर की हत्या का आदेश दिया था। उसे 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरुद्वारे के बाहर गोली मारी गई थी।

जबलपुर में सोलर स्क्वायर के पहले सौर अनुभव केंद्र का शुभारंभ

जबलपुर। छतों पर सौर ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी सोलर स्क्वायर ने नेपियर टाउन में शास्त्री ब्रिज के पास अपने पहले सौर अनुभव केंद्र का शुभारंभ किया। केंद्र का उद्देश्य परिवारों को सौर ऊर्जा की तकनीक, लागत, रखरखाव और लाभों की जानकारी देकर इसे अपनाने की प्रक्रिया को सरल और भरोसेमंद बनाना है। केंद्र में वास्तविक आकार के सौर ऊर्जा संयंत्र के माध्यम से कंपनी की विंडप्रो माउंट तकनीक का प्रदर्शन किया गया है। आगंतुक तूफान प्रदर्शन प्रणाली के जरिए तेज हवाओं और मौसम की परिस्थितियों में इसकी क्षमता को समझ सकेंगे। साथ ही, डिजिटल दृश्यांकन सुविधा के माध्यम से घर की छत पर सौर पैनल लगने के बाद उसका संभावित स्वरूप भी देखा जा सकेगा। सोलर स्क्वायर की सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रेया मिश्रा ने कहा कि केंद्र का उद्देश्य सौर ऊर्जा से जुड़ी भ्रांतियों को दूर कर परिवारों को आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने में सक्षम बनाना है। कंपनी के अनुसार, मध्य प्रदेश में 13,500 से अधिक घरों और देशभर में 50,000 से अधिक घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा चुका है। केंद्र में स्कूलों, महाविद्यालयों और आवासीय परिसरों के साथ जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।



फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज में मोटोरोला के स्मार्टफोन्स पर फेस्टिव ऑफर

नई दिल्ली। मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज़ सेल 2026 के तहत #बिगबिलियनमोटो डील्स की घोषणा की है। सेल 27 सितंबर शाम 6 बजे से शुरू हो चुकी है। इसके तहत मोटोरोला के नए स्मार्टफोन्स आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध हैं। Motorola Edge 70 Fusion का 8+128GB मॉडल 29,999 रुपये में उपलब्ध है। इसमें 50MP कैमरा, 1.5K क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले, स्नैपड्रैगन 7s Gen 4 प्रोसेसर और 7000mAh बैटरी दी गई है। Motorola Edge 70 Pro के 8+256GB और 12+256GB मॉडल क्रमशः 36,999 और 39,999 रुपये में मिलेंगे। इसमें 50MP के तीन कैमरे और 144Hz डिस्प्ले है। Motorola Edge 70 Pro+ का 12+256GB मॉडल 44,999 रुपये में उपलब्ध है, जिसमें चार 50MP कैमरे, 6500mAh बैटरी और 90W चार्जिंग है। वहीं Moto G37 Power के मॉडल 16,999 रुपये से शुरू हैं। इसमें 7000mAh बैटरी, 5G और 120Hz डिस्प्ले दी गई है।





सब्जियों को ले डूबी बारिश, लौकी, भाजी खीरा, टमाटर बरबाद, खेतों में अब भी पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बारिश अभी थम गई है, पर बाढ़ के निशान अभी मौजूद हैं। इस भारी बारिश ने धान की फसलों को तो ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचाया, पर सब्जियों को खासा बरबाद किया है। खेतों में पानी भरने से टमाटर, मिर्च, बरबट्टी और खीरा जैसी मौसमी सब्जियां सड़ने लगी हैं। इसका असर बाजार में भी दिखने लगा है। सब्जियां महंगी हो गई हैं। टमाटर अभी 35-40 रुपए बिक रहा है।

राज्य में भारी बारिश और बाढ़ का असर रायपुर के अलावा बस्तर, दुर्ग, रायगढ़, धमतरी, बिलासपुर, और बलौदबाजार-भाटापारा जैसे कई प्रमुख जिलों में बड़े पैमाने पर पड़ा है। रायपुर के अभनपुर इलाके के पारागांव, नवापारा और कुटीपारा जैसे ग्रामीण व कृषि क्षेत्र भारी जल-जमाव की चपेट में हैं। भाठागांव और काठाडीह में सब्जियां उगाने वाले किसानों ने बताया कि पानी भरने से सब्जियों के उत्पादन पर खासा असर पड़ रहा है। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण सब्जियों ▶▶|शेष पेज 5 पर की फसल को मुख्य रूप से नुकसान पहुंच रहा है। जड़ों का सड़ना, खेतों में कई दिनों तक पानी जमा रहने से सब्जियों के पौधों की जड़ों को ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है। इससे टमाटर, मिर्च और धनिया जैसी फसलों की जड़ें गलकर काली पड़ रही हैं। पौधे खड़े-खड़े सूख रहे हैं। अत्यधिक नमी और लगातार पानी गिरने से बेल वाली सब्जियां जैसे खीरा, बरबट्टी, लौकी और पत्तीदार सब्जियां जैसे लालभाजी, पालक जमीन के संपर्क में आकर सड़ने लगी हैं। भारी बारिश की सीधी मार से पौधों में लगे फूल और छोटे फल असमय ही टूटकर गिर रहे हैं। इससे आने वाले हफ्तों में सब्जियों का उत्पादन पूरी तरह ठप होने की कगार पर है।

पत्तेदार सब्जियों को ज्यादा नुकसान, धनिया पहुंच गया 300 रुपए किलो

धमतरी। सप्ताह भर लगातार हुई बारिश ने सब्जी उत्पादक किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। खेतों और बाड़ियों में पानी भरने से हरी सब्जियों की फसल गलने लगी है। टमाटर, भिंडी और करेला जैसी फसल में कीड़े लगने के साथ दाग-धब्बे भी पड़ गए हैं। वहीं पालक, चेंच, चौलाई, लाल भाजी और धनिया जैसी पत्तेदार सब्जियां पानी में खराब हो गई हैं। सब्जी उत्पादक किसान कैलाश सोनकर ने बताया कि उनकी बाड़ी में हरी मिर्च, पालक, चेंच भाजी, चौलाई भाजी और लाल भाजी की फसल लगी थी। बारिश से करीब एक फीट पानी भर गया। पानी में डूबने के कारण पौधे गल गए और पूरी फसल खराब हो गई। कृषक उदयराम सोनकर ने बताया कि उनकी बाड़ी में फूलगोभी, पत्तागोभी और टमाटर की फसल लगी थी। लगातार बारिश के कारण फसल में दाग-धब्बे पड़ गए और कीड़े लगने से नुकसान हुआ है। कृषक जगदीश निषाद ने बताया कि उनकी भिंडी की फसल भी बारिश और बादल के कारण प्रभावित हुई है। भिंडी मुड़ गई और उसमें कीड़े लग गए। सब्जी उत्पादक कृषक नारायण पटेल ने बताया कि फूल और पत्तियां झड़ने से तोरई की फसल बरबाद हो गई। पांच डिसमिल में लगाई गई मेथी की फसल भी पानी में पूरी तरह डूबकर गल गई।

लोकल आवक बंद, बाहर से आ रही सब्जियों पर बढ़ा परिवहन खर्च

सब्जी विक्रेता कैलाश यादव और तन्वी सुनहरे ने बताया कि बारिश के कारण स्थानीय सब्जियों की आवक लगभग बंद हो गई है। बाहर से आने वाली सब्जियों में भी कई बार खराब माल पहुंच रहा है। धमतरी के बाजार में रायपुर, दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, गुंडरदेही, बालोद और महाराष्ट्र से सब्जियां आ रही हैं।

3.96 लाख हेक्टेयर में सब्जी

कृषि विभाग के अनुसार, राज्य में करीब 3.96 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सब्जियों की खेती होती है। जलभराव वाले क्षेत्रों और सब्जी उत्पादन वाले इलाकों को आधार मानते हुए प्रारंभिक अनुमान में 10 से 12 हजार हेक्टेयर सब्जी क्षेत्र प्रभावित होने की आशंका है।

बेचना है

बेचना है - बिलासपुर सकरी मेन रोड से दो कदम दूर पूर्ण विकसित कॉलोनी में सीसी रोड नाली, पानी, बिजली, सर्वसुविधायुक्त सहित नॉर्थ फेसिंग प्लॉट 100 x 50= 5000 वर्गफुट बेचना है सम्पर्क करें - 7898855268 (बिलासपुर / 05 / अक्टू.)

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(ई निविदा सूचना संख्या वरि. भंडार आपूर्ति हेतु वरि. मंडल सा. प्रबंधक/ई.पी.एस/54/2026)
वरि. मं. सा. प्रबं. प.म.रे. भारत के राष्ट्रपति कि ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदायें आमंत्रित करते है। इसमें हस्तलिखित डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किये जायेंगे। पूर्ण विवरण विनिर्देशन के लिए https://ireps.gov.in पर ई निविदा की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। Tender No.: 94266044, Short Description: Supply, Installation, Testing and commissioning of N.B IOT & B.L.E Enabled Three Phase Smart Prepaid/Postpaid Energy Meter., Tendered Qty : 624 Nos., Opening Date : 20-OCT-2026 हस्ता.
वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

जबलपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री
JABALPUR CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRY
Moti Building, Ashok Marg Cantt., JABALPUR (M.P.) INDIA - 482001
Ph.: 91-0761 - 2971866, 2620626 e-mail : jcclin@yahoo.com, www.jcci.in
नोटिस दिनांक – 07/09/2026
जबलपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की वार्षिक महासभा की 30 वीं बैठक 09/10/2026 शुक्रवार समय सायं 7 बजे स्थान होटल सत्य अशोक, राईट टाउन, जबलपुर में आयोजित की गई है। इस बैठक में वर्ष 2026–27 आय व्यय का ब्यौरा, स्थापना दिवस समारोह, सम्मानीय सदस्यगण कृपया अपना ई–मेल, मोबाईल नं. एवं पता चेम्बर कार्यालय में अपग्रेड करें। वर्ष 2026–27 की ऑडिट रिपोर्ट चेम्बर कार्यालय में उपलब्ध है। आप देख सकते है।
पंकज माहेश्वरी
(सचिव)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330
सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय

वृश्चिक संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि

मीन किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 6364

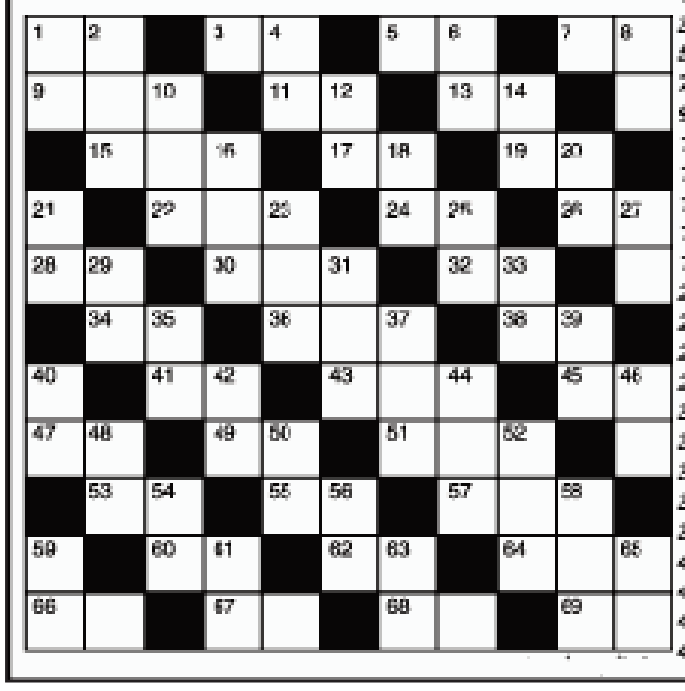

बाएं से दाए
1. उम्मीद, अशा-2
3. जी, चित्त-2
5. भस्म, खाक-2
7. जल, फंदा-2
9. चिंतन, सोचना-3
11. ठाठ-बाट-2
13. क्रिकेट में बनते हैं-2
15. एक राशि-3
17. काया, बदन-2
19. एक विदेशी शराब-2
22. बोलने का तरीका-3
24. शालीन, सभ्य-2
26. बल, ताकत-2
28. भैंस जैसा एक पशु-2
30. पुत्री की पुत्री-3
32. कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34. मोटा आटा-2
36. जुड़वा-3
38. आनंदित-2
41. नौकर, गुलाम-2
43. बूंद-3
45. लक्ष्मी, विष्णुप्रिया -2
47. जंगल, कानन-2
49. मेहंदी-2
51. दृष्टि, निगाह-3
53. बुरी आदत -2
55. बुढ़ापा -2
57. नमस्कार, प्रणाम -3
60. खुमार, सरूर -2
62. भीगा हुआ -2
64. पक्षाघात-3
66. चुनौती-2
67. ऋण, उधार -2
68. भूमि, जमीन-2
69. चस्का, बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे
1. फलों का राजा-2
2. साजन, बलमा-3
4. खुमार-2
6. खच्चर, तथा-2
8. वहम, संदेह-2
10. अनुकृति-3
12. झुका हुआ-2
14. आदमी-2
16. वास करना-3
18. आकाश-2
20. घमंड-2
21. बदन-2
23. जातिवाद-3
25. पिघले पत्थर-2
27. रोग,-2
29. हाथ, टैक्स-2
31. लवण-3
33. ताकत-2
35. वचन-2
37. प्रयत्न-3
39. स्थिति -2
40. नवीन-2
42. सच्चा-2
44. राजा-3
46. हार-2
48. टोरी-2
50. गुमान-2
52. पासों का खेल-3
54. काया-2
56. रात्रि-2
58. हुबहू-3
59. सत्य-2
61. सब्जी-2
63. गाड़ी-2
65. गैस-2

शब्द पहेली- 6363 का हल

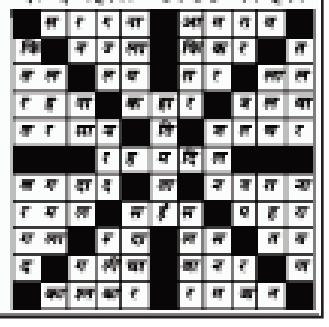

सूडोकु नवचाल - 6374

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवचाल - 6373 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	6	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

बुजुर्गों में होने वाली अधिकांश समस्याओं को दूर करने के लिए उनकी डाइट न्यूट्रिशस और बैलेंस्ड होना बहुत जरूरी है। बुजुर्गों की डाइट कैसी होनी चाहिए, यहां डिटेल में बता रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस
1 अक्टूबर, विशेष

न्यूट्रिशस-बैलेंस्ड हो बुजुर्गों की डाइट

डाइट सजेशन
सवी जैन, डाइटीशियन

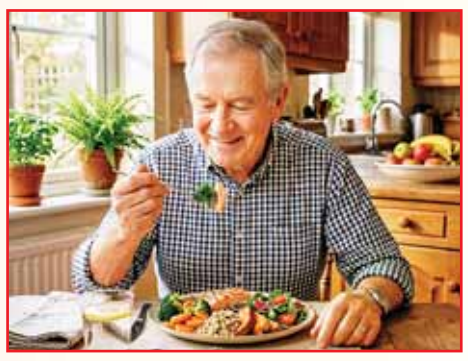

साठ की उम्र के बाद शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। ऐसे में उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने के लिए स्वस्थ आहार लेते रहना महत्वपूर्ण हो जाता है। इस उम्र में डाइजेशन सिस्टम धीमा हो जाता है, शारीरिक गतिविधियां कम होती हैं और हड्डियां तथा मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में सही और संतुलित आहार बुजुर्गों को ऊर्जावान बनाए रखने, बीमारियों से बचाने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मसल्स के लिए प्रोटीन: उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। इसलिए दालें, बींस, अंकुरित अनाज, सोयाबीन, दूध, दही, पनीर के रूप में पर्याप्त प्रोटीन डाइट में जरूर शामिल करें। नॉन-वेजिटेरियन हैं तो उबला अंडा या ग्रिल्ड मछली खा सकते हैं। मांसपेशियों के निर्माण, अच्छी सेहत और संतुलित पोषण के लिए मीट, सफेद मांस वाली मछली, अंडे का सफेद भाग और बींस डाइट में शामिल करें।



बोंस के लिए कैल्शियम-विटामिन डी: हड्डियों को मजबूत रखने और फ्रैक्चर के जोखिम को कम करने के लिए कैल्शियम युक्त भोजन करें। कम फैट वाले डेयरी उत्पाद जैसे टोंड दूध और पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें, क्योंकि इनमें कैल्शियम काफी मात्रा में होता है। डाइट में कम वसा वाला दूध, दही, छाछ, पनीर और रागी खाएं। थोड़ी देर सुबह की धूप में बैठें।

पाचन के लिए फाइबर: बुजुर्गों में कब्ज की समस्या आम होती है, जिससे फाइबर युक्त खाना राहत देता है। इसके लिए डाइट में ओट्स, दलिया, छिलके वाली दालें, सेब, पपीता, अमरूद और हरी सब्जियां शामिल करें। उच्च फाइबर वाले फूड्स, पोषण से भरपूर होते हैं उनके सेवन से कब्ज में राहत मिल सकती है।

इम्यूनिटी के लिए विटामिन सी: रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए ताजे फल और सब्जियां जैसे संतरे, आंवला, नीबू, पालक, ब्रोकली और टमाटर डाइट में शामिल करें।

याददाश्त के लिए: बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त में कमी आना एक आम समस्या होती है, जिसे अकसर डिमेंशिया के रूप में जाना जाता है। इसे पूरी तरह रोकना संभव नहीं होता, लेकिन सही खानपान अपनाकर इसके प्रभाव और गति को कम जरूर किया जा सकता है। डिमेंशिया के प्रभाव और गति को कम करने के लिए रोजाना के भोजन में ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां और साबुत अनाज शामिल करें। ये दिमाग को आवश्यक एंटी-ऑक्सीडेंट्स प्रदान करते हैं।

डेली डाइट चार्ट: बुजुर्गों का डेली डाइट चार्ट कुछ ऐसा होना चाहिए। सुबह सबसे पहले 1 गिलास गुनगुना पानी, 4-5 भीगे बादाम और अखरोट। नाश्ते में ओट्स/दलिया/बेसन का चीला/पोहा/इडली और 1 कप टोंड दूध या चाय।

दोपहर के खाने में 1-2 रोटी (मल्टीग्रेन), 1 कटोरी चावल, दाल, हरी सब्जी, 1 कटोरी दही/सलाद। शाम के नाश्ते में 1 कप मखाना/भुना चना/सूप/कोई 1 मौसमी फल, मट्ठा या हर्बल-टी। रात के खाने में 1-2 रोटी, पतली दाल या लौकी/तोरई की सब्जी रात 8 बजे तक खा लें। सोने से पहले 1 छोटा गिलास हल्दी वाला गुनगुना दूध। इनके अलावा कुछ अन्य बातों पर भी ध्यान देना चाहिए।

- जिन बुजुर्गों को दांतों की समस्या है या चबाने में कठिनाई होती है, उन्हें अच्छी तरह पका खाना, मैश करके दलिया/सूप के रूप में खाना चाहिए।
- ब्लड प्रेशर और डायबिटीज को कंट्रोल में रखने के लिए सीमित मात्रा में नमक और चीनी का प्रयोग करना चाहिए।
- सैचुरेटेड फैट को कम करें और तले हुए भोजन, हाई फैट वाले डेयरी और मांस को कम करें। इसके बजाय एवोकैडो, मछली और वनस्पति तेलों जैसे अनसैचुरेटेड फैट वाले फूड्स का सेवन करें।
- उम्र के साथ प्यास कम लगती है, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है। इससे बचने के लिए दिनभर में 7-8 गिलास पानी या नारियल पानी, छाछ, सूप लेना चाहिए। पानी से दिमाग को हेल्दी रखने, शरीर का तापमान मेंटेन करने में मदद मिलती है। *

वृद्धावस्था में गिरने की आशंका बहुत बढ़ जाती है। किसी बीमारी या कमजोरी से ज्यादा सही तरीके से न चलने के कारण वृद्ध अधिक गिरते हैं। ऐसे में गिरने से बचाव के लिए डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट से चलने-फिरने का सही तरीका सीखना जरूरी है। इस बारे में सभी वृद्धजनों के लिए बहुत उपयोगी सलाह दे रहे हैं।

सीख लें चलने का सही तरीका वृद्धावस्था में गिरने से होगा बचाव

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. मोहसिन वली
सीनियर फिजिशियन, सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली



अकसर लोग बढ़ती उम्र में गिरने को सामान्य घटना मान लेते हैं। लेकिन वैज्ञानिक मानते हैं कि बुजुर्गावस्था में गिरना स्वाभाविक नहीं है, इसे समय रहते पहचाना और रोका जा सकता है। बुजुर्ग कमजोरी या अधिक उम्र के बजाय शारीरिक-असंतुलन, स्थिरता, चलने-फिरने की सही तकनीक और गिरने से बचाव में की जाने वाली असावधानियों की वजह से ज्यादा गिरते हैं। जो बुजुर्ग एक विशेष तरीके से चलते हैं, वे न केवल बहुत कम गिरते हैं और कम चोटिल होते हैं और अधिक समय तक स्वतंत्र (बिना दूसरों पर निर्भर हुए) जीवन जी पाते हैं। इसलिए बुजुर्गों के लिए सही ढंग से चलना सीखना, गिरने से बचाव का सबसे प्रभावी उपायों में से एक है।



बड़ी समस्या है ओल्ड एज में गिरना: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार गिरना दुनिया भर में अनजाने में होने वाली चोटों और उनसे होने वाली मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। हर साल करीब 6 लाख 84 हजार लोगों की मौत गिरने की वजह से होती हैं। 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में गिरने से होने वाली मौतों की दर सबसे ज्यादा है। करीब 3 करोड़ 73 लाख गिरने की घटनाएं, ऐसी शारीरिक क्षमता में गिरावट की शुरुआत होती हैं, जिससे इंसान अकसर उबर नहीं पाता। ऐसे लोग एक बार बिस्तर पकड़ लेते हैं तो दुबारा अपने बल पर पूरी तरह खड़े नहीं हो पाते हैं।

क्या हैं कारण: शोध बताते हैं कि 65 साल की उम्र के बाद कदम की चौड़ाई में भिन्नता स्वाभाविक रूप से बढ़ने लगती है, क्योंकि पैरों के तलवों से मिलने वाला संवेदी फीडबैक, आंखों की दृष्टि और भीतरी कान का संतुलन-तंत्र (वेस्टीबुलर सिस्टम), ये तीनों उम्र के साथ धीरे-धीरे कमजोर पड़ते हैं। दिमाग को शरीर की स्थिति और जमीन की सतह की जानकारी सही समय पर नहीं मिल पाती, जिससे पैर रखने में मामूली चूक होने लगती है। गिरने का खतरा सिर्फ कमजोरी या उम्र से नहीं, बल्कि चलने के पैटर्न में आई सूक्ष्म अनियमितताओं से भी जुड़ा होता है। गिरना अकसर चलने के तरीके में आई एक बहुत छोटी और लगभग अदृश्य गड़बड़ी से शुरू होता है। पैर थोड़ा कम उठना, कदम का थोड़ा असमान होना या शरीर का संतुलन एक पल के लिए डगमगाना- ये सब मिलकर उस स्थिति को जन्म देते हैं, जब शरीर संभल नहीं पाता।

क्या होता है असर: गिरने की घटना बुजुर्गों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। आत्मविश्वास कम होने और दोबारा गिरने का डर विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है। वे चलना-फिरना, घर से बाहर निकलना या सामान्य गतिविधियां करना कम कर देते हैं। जिससे उनकी मांसपेशियां और कमजोर होने लगती हैं, शारीरिक सक्रियता और स्वतंत्रता दोनों प्रभावित होती है, गिरने का खतरा और बढ़ जाता है।

किन्हें है ज्यादा रिस्क: कुछ लोगों में गिरने का खतरा अपेक्षाकृत अधिक होता है। इन्हें चलने की सही तकनीक सीखने के साथ-साथ नियमित तौर पर चिकित्सकीय जांच भी करानी चाहिए।

- 65 वर्ष से अधिक आयु के लोग।
- जिनकी दृष्टि कमजोर हो।
- जिन्हें गठिया या ऑस्टियोपोरोसिस हो।
- पैरों की संवेदना कम हो गई हो।
- पार्किंसन या स्ट्रोक की समस्या रही हो।
- जिन्हें बार-बार चक्कर आते हों।
- जो ऐसी दवाएं लेते हों जिनसे नींद या चक्कर आ सकते हों।

तब डॉक्टर से करें कंसल्ट: अगर किसी बुजुर्ग को बार-बार चक्कर आते हों, चलते समय पैर कांपते हों, संतुलन लगातार बिगड़ता हो या बिना कारण बार-बार गिर रहे हों, तो इसे केवल बढ़ती उम्र का असर मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह पार्किंसन रोग, स्ट्रोक, तंत्रिका संबंधी समस्या, विटामिन बी-12 की कमी, लो ब्लड प्रेशर या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी हो सकता है। ऐसी स्थिति में चिकित्सक या फिजियोथेरेपिस्ट से परामर्श लेना आवश्यक है।

कैसे करें बचाव: गिरने से बचाव के लिए चलने की सही तकनीक अपनाना, सही चाल विकसित करना जरूरी है। चलने की कुछ आदतों में छोटे-छोटे बदलाव करके संतुलन और आत्मविश्वास दोनों को बेहतर बनाया जा सकता है। लंबे समय तक सुरक्षित, सक्रिय और आत्मनिर्भर जीवन जिया जा सकता है।



हमेशा सामने देखें: अधिकांश बुजुर्ग चलते समय अपने पैरों या जमीन की ओर देखते रहते हैं। उन्हें लगता है कि नीचे देखने से वे गड्ढों या बाधाओं को आसानी से देख पाएंगे और गिरने से बच जाएंगे। लेकिन वास्तव में यह आदत संतुलन को कमजोर कर सकती है।

क्या करें: चलते समय सिर झुकाने के बजाय सामने देखने की आदत डालें। इससे ठोकर लगने और दूरी का गलत अनुमान लगाने की संभावना कम हो सकती है।

नियंत्रित कदमों से चलें: कुछ लोग चलते समय पैर जोर से जमीन पर पटकते हैं। यह केवल आवाज ही नहीं पैदा करता, बल्कि घुटनों, टखनों और कूल्हों पर अतिरिक्त दबाव भी डालता है। भारी कदमों से चलने पर शरीर का संतुलन बिगड़ सकता है और अचानक प्रतिक्रिया देने की क्षमता भी कम हो जाती है। जबकि कदम हल्के, मुलायम और नियंत्रित हों, तो शरीर सहज रूप से आगे बढ़ता है और पैर के जोड़ों पर कम दबाव पड़ता है।

क्या करें: धीरे-धीरे चलें। धीरे, आराम से और बिना पैरों को पटकते हुए चलने से संतुलन और चलने की स्थिरता दोनों बेहतर होती हैं।

सही पैटर्न को करें फॉलो: कई बुजुर्ग चलते समय पूरे पैर को एक साथ जमीन पर रखते हैं या पैरों को घसीटते हुए चलते हैं। इससे चाल अस्थिर हो जाती है और ठोकर लगने का खतरा बढ़ जाता है।

क्या करें: बुजुर्गों को फिजियोथेरेपिस्ट से सीखकर एड़ी से पंजे तक चलने की सही तकनीक अपनानी चाहिए। यानी पहले एड़ी जमीन को छुए, फिर पूरा तलवा धीरे-धीरे आगे बढ़े और अंत में पंजे के सहारे शरीर को आगे धकेला जाए। इससे पिंडली, टखने और कूल्हे की महत्वपूर्ण मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जो संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

खड़े होने के बाद तुरंत न चलें: कई बुजुर्ग कुर्सी, बिस्तर या सोफे से उठने के तुरंत बाद गिर जाते हैं। अचानक खड़े होने पर कुछ लोगों का रक्तचाप कुछ क्षणों के लिए कम हो जाता है। इससे चक्कर, धुंधलापन या अस्थिरता महसूस हो सकती है।

क्या करें: जब भी बैठी या लेटी हुई अवस्था से उठें, तो पहले आराम से खड़े हों और लगभग दो सेकेंड तक वहीं रुकें। जब शरीर सामान्य महसूस होने लगे, तभी चलना शुरू करें। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

बरतें ये भी सावधानियां

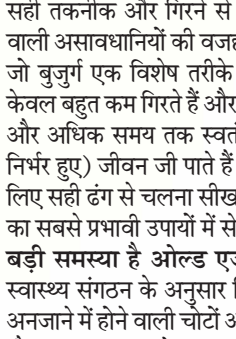

- हड्डियों-मांसपेशियों की मजबूती और संतुलन बढ़ाने के लिए रोज 20-30 मिनट टहलें।
- फिसलन वाली चप्पल या ढीले जूते न पहनें।
- पौष्टिक और संतुलित आहार का सेवन करें। आहार में प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन-डी को पर्याप्त मात्रा में शामिल करें।
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार विटामिन-डी और कैल्शियम सप्लीमेंट लें।
- पैरों की संवेदनशीलता का ध्यान रखें। सुन्नपन, डायबिटीज से जुड़ी न्यूरोपैथी की समस्या या तलवों की कमजोर संवेदना को नजरअंदाज न करें, ये सीधे चाल को प्रभावित करते हैं।
- आंख और कान की जांच कराएं। दृष्टि और भीतरी कान का संतुलन-तंत्र ठीक रखने से पैर रखने की सटीकता बेहतर होती है।
- दवाओं की समीक्षा करवाएं। कुछ दवाएं (जैसे नींद की गोलियां, ट्रैंक्विलाइजर) संतुलन और सतर्कता को प्रभावित करके चाल बिगाड़ सकती हैं।
- घर को सुरक्षित बनाएं। बाथरूम में ग्रैब बार (पकड़ने की रॉड) लगवाएं। फिसलन वाले फर्श पर एंटी-स्लिप मैट रखें।

ऐसे पूरी करें विटामिन बी-12 की कमी

सजेशन
विधि गोयल



विटामिन-बी12 एक ऐसा पोषक तत्व है, जिसकी मात्रा अगर शरीर में कम हो जाए, तो एक नहीं कई परेशानियां शुरू हो सकती हैं। इसकी कमी के कारण नर्व डैमेज होना, एनीमिया, थकान, कमजोरी, हाथ-पैरों में सुन्नपन या झनझनाहट, चक्कर आने और मुंह में छाले जैसे लक्षण नजर आते हैं। डाइटिशियन सवी जैन बताती हैं, विटामिन बी-12 की कमी से बोन डेंसिटी भी कम होती है, जिससे हड्डियां नाजुक हो जाती हैं और ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। विटामिन बी-12 रेड ब्लड सेल्स बनाने से लेकर डीएनए बनाने तक के लिए जरूरी होता है। इसकी उचित मात्रा से स्किन, बालों और आंखों को भी फायदा मिलता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स: आहार में नियमित रूप से दूध, पनीर और दही का सेवन शरीर में विटामिन बी-12 की कमी को पूरा करता है। इससे शरीर में एनर्जी का स्तर बना रहता है और बढ़ने वाली थकान कम होने लगती है। रोज एक गिलास दूध या एक कटोरी दही, पनीर और छाछ का सेवन करने से शरीर में दिनभर की 46 फीसदी विटामिन बी-12 की कमी को पूरा किया जा सकता है।

फोर्टिफाइड फूड: बाजार में मिलने वाले ऐसे ओट्स, कॉर्न फ्लेक्स या सोया मिल्क लें, जिनमें बी-12 मिलाया गया हो।



अंडे: उबले अंडे का पीला हिस्सा विटामिन बी-12 से भरपूर होता है। इसका सेवन करने से शरीर को विटामिन बी-12 और प्रोटीन की प्राप्ति होती है। दिनभर में 2 अंडों का सेवन करने से दिन भर की 39 फीसदी विटामिन बी-12 की कमी पूरी हो जाती है। इससे विटामिन-डी भी मिलता है।

मछली और सी फूड: सैल्मन, ट्राउट और टूना जैसी मछलियां शरीर में विटामिन बी-12 की कमी को पूरा करने में मदद करती है। इसके अलावा क्लैम, केकड़े, शेलफिश भी बी-12 का बेहतरीन स्रोत हैं। मछली का सेवन करने से जहां शरीर को फैटी एसिड की प्राप्ति होती है, तो वहीं प्रोटीन की भी कमी को पूरा किया जा सकता है। कलेजी में सबसे ज्यादा बी-12 पाया जाता है। चिकन और रेड मीट भी बी-12 के अच्छे सोर्स होते हैं।

न्यूट्रिशनल यीस्ट: यह एक तरह का पावडर होता है, जिसका स्वाद चीज जैसा होता है। इसे सब्जी या सूप में डालकर खाया जा सकता है।

नट्स-सीड्स: विभिन्न प्रकार के ड्राय फ्रूट्स में भी विटामिन बी12 प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। बादाम, काजू, किशमिश, अखरोट और मूंगफली में भी विटामिन बी-12 पाया जाता है। *



डॉक्टर्स सजेशन
डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब कोल्ड डिश खाने पर लगातार आने लगें छींकें



मेरी उम्र 46 वर्ष है। मैं जब भी कुछ ठंडा खाता-पीता हूं तो तुरंत छींकें आने लगती हैं। प्लीज इस समस्या का समाधान बताएं।

-संजीत, रायपुर

हालांकि आजकल मौसम बदल रहा है, इसलिए इस तरह समस्याएं काफी लोगों में दिख रही हैं। बदलते मौसम में वायरल इंफेक्शन की समस्या बढ़ रही हैं। इससे बचाव के लिए सबसे बेहतर तरीका है कि इस समय ज्यादा ठंडा या फ्रिज में रखी चीज ना खाएं। अगर समस्या हो रही है तो आपको सुबह-शाम नमक वाले पानी का गरारा करना चाहिए। फिलहाल इस तरह बचाव से राहत मिल सकती है।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। दो साल पहले मैंने अपने घुटने का ऑपरेशन करवाया था। पिछले कुछ समय से फिर से दर्द होना शुरू हो गया है। कृपया उचित समाधान बताएं।

-मूलचंद, बिलासपुर

सबसे पहले इस बात पर गौर करें कि आपके घुटने में कोई चोट तो नहीं लगी, क्योंकि सर्जरी के बाद चोट लगने पर इस तरह दर्द शुरू हो सकता है। अगर ऐसा नहीं है तो जरूर आपको एक बार उसी सर्जन से संपर्क करना चाहिए, जिन्होंने आपकी सर्जरी की है। क्योंकि उन्हें आपकी केस हिस्ट्री पूरी मालूम है और वी दर्द का कारण जानकर ट्रीटमेंट करेंगे। फिलहाल सीढ़ियां अधिक चढ़ना उतरना, रनिंग न करें और ज्यादा वजन न उठाएं।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मेरी सिटिंग जॉब है। पिछले कुछ महीनों से अक्सर मेरी कमर और गर्दन में अकड़न बनी रहती है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-विपिन, रोहतक

आप अपनी समस्या का कारण खुद ही बता रहे हैं, क्योंकि आपकी लंबी सीटिंग जॉब है और इस वजह से यह समस्या आ रही है। मौजूदा समय में लंबी सिटिंग करने वालों में इस तरह की समस्या ज्यादा देखी जा रही है। इसका सबसे बेहतर तरीका यह होगा कि आप सुबह और शाम नियमित रूप में सर्वाइकल और कमर की एक्सरसाइज करें। इसके साथ ही ऑफिस में बीच-बीच में चहलकदमी करते रहें। एक बार आप कैल्शियम, बी-12 और विटामिन-डी की जांच जरूर करवा लें। ऑफिस में बैठने वालों को इसकी कमी हो सकती है, जिस वजह से भी दर्द शुरू होता है।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मेरे चेहरे और माथे पर झाइयां हो गई हैं। मार्केट में मिलने वाले कई सारे प्रोडक्ट्स यूज करने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ। कृपया इसका सॉल्यूशन बताएं।

-प्रकाश, भोपाल

मार्केट में मिलने वाले तरह-तरह के प्रोडक्ट के इस्तेमाल से भी इस तरह की समस्याएं आती हैं। सबसे पहले आप बाजार में मिलने वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल बंद करें और कुछ समय के लिए साबुन का इस्तेमाल भी नहीं करें। आपको एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वह फिजिकल जांच कर इसका ट्रीटमेंट बताएंगे। बगैर डॉक्टर से संपर्क किए कोई दवा या प्रोडक्ट का इस्तेमाल बिल्कुल ना करें।

मेरी उम्र 60 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मेरे मुंह में छाले हो रहे हैं। दवाइयां लेने पर कुछ समय ठीक रहता है, फिर वापस से छाले निकल आते हैं। प्लीज मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-किशोर, महासमुंद

सामान्य तौर पर मुंह में छाले होने का संबंध पेट की गड़बड़ी से होता है। अगर आपकी पाचन क्रिया प्रभावित है तो मुंह में छाले हो जाते हैं लेकिन अगर ऐसा नहीं है तो जरूर आपको एक बार ईएनटी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वह जांच कर इसका कारण बताएंगे और जरूरत पड़ने पर इसका ट्रीटमेंट शुरू करेंगे। बगैर डॉक्टर से संपर्क के कोई भी दवा आप न लें। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने के करीब पहुंची महिला हॉकी टीम



कोरिया को हराकर फाइनल में बनाई जगह, अब सामना चीन से

एजेंसी ▶▶| काकामिगाहारा

शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों में 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने के करीब पहुंच गई, जिसने बुधवार को दक्षिण कोरिया को 2-0 से हराकर 8 साल बाद फाइनल में जगह बनाई।

भारत के लिए इशिका ने 44वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया जबकि चार मिनट बाद कप्तान सलीमा टेटे ने गोल दागा। एशियाई खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिर्फ एक बार दिल्ली में 1982 में स्वर्ण पदक जीता था जब पहली बार महिला हॉकी को इन खेलों में शामिल किया गया। पिछली बार भारत ने कांस्य जीता और 2018 में रजत पदक जीता था। भारत का सामना अब मौजूदा चैंपियन चीन से होगा।

ग्रुप चरण में अजेय रही भारतीय टीम

ग्रुप चरण में सारे मैच जीतकर अजेय रही भारतीय टीम को कोरिया के डिफेंडरों ने बांधे रखा और मैच में बारह पेनल्टी कॉर्नर में से सिर्फ एक पर गोल हो सका। भारत ने पहले दो क्वार्टर में आठ पेनल्टी कॉर्नर बनाए लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर दूसरे ही मिनट में मिला लेकिन दीपिका की फ्लिक को कोरियाई गोलकीपर सियोयिओन ली ने कुशलता से बचाया। दो मिनट बाद भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर नवनीत कौर को कामयाबी नहीं मिली। कोरियाई गोलकीपर ने 13वें मिनट में फिर बचाव किया जब दूर से मिले पास पर रुतुजा पिसाल का डिफ्लैक्शन सफल नहीं रहा। दूसरे क्वार्टर में भारत को तीन और पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। दूसरे हाफ में भी भारत ने लगातार हमले बोले जबकि कोरिया का डिफेंस मजबूत रहा।

आज सेमीफाइनल : पाकिस्तान से भिड़ेगा भारत



गत चैंपियन भारत गुरुवार को यहां एशियाई खेलों के पुरुष हॉकी सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के साथ अंतरराष्ट्रीय हॉकी की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक को फिर जीवंत करेगा तो टीम की नजरें 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने पर भी टिकी होंगी।

एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम सीधे लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेगी और भारत इस मौके को गंवाना नहीं चाहेगा। दूसरे सेमीफाइनल में मलेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

कुश्ती : सुनील ने लगातार जीता दूसरा कांस्य



सुनील कुमार दो एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले भारत के पहले ग्रीको रोमन पहलवान बन गए, जिन्होंने बुधवार को पुरुषों के 87 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता जबकि निशा दहिया प्रतियोगिता के पहले ही दिन हारकर बाहर हो गई। सुनील ने फिलीपीन के रॉबर्टर्स कालम जॉनस्टन को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी का दाहिना हाथ बांधकर उन्हें पटखनी देते हुए 4-0 से बढत बना ली। रक्षात्मक खेल रहे जॉनस्टन को 'पार टेरे' पोजिशन से जमीन पर गिराते हुए सुनील ने स्कोरिंग मूव बनाते हुए पहले ही पीरियड में मुकाबला जीत लिया।



टेनिस : नागल ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नागोया। टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने बुधवार को पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली जबकि दक्षिणेश्वर सुरेश तीसरे दौर में हारकर बाहर हो गए। सातवीं वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में 249वें स्थान पर काबिज नागल ने उज्बेकिस्तान के सर्गेई फोमिन को सीधे सेट में 6-3, 6-2 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। नागल ने फोमिन के खिलाफ मुकाबले में शुरू से नियंत्रण बनाए रखा और सीधे सेटों में जीत दर्ज की। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त चीन के यीबिंग वू से होगा, जो विश्व रैंकिंग में 111वें स्थान पर हैं। नागल और वू इससे पहले 2024 शंघाई मास्टर्स में एक बार आमने-सामने हुए थे, जहां भारतीय खिलाड़ी को चीनी खिलाड़ी के खिलाफ 3-6, 3-6 से हार मिली थी। दूसरी ओर दक्षिणेश्वर को तीसरे दौर में चीनी ताइपे के छठी वरीयता प्राप्त चुन शिन सेंग के हाथों 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा।

मुक्केबाजी : गोल्ड से एक जीत दूर लवलीना

निशियो। मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने बुधवार को एशियाई खेलों में महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में जगह पक्की की, लेकिन प्रिया घंघास और कपिल पोखरिया को सेमीफाइनल में हारने के कारण कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पिछले एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता लवलीना ने 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की मुक्केबाज नतालिया बोगदानोवा पर 3-2 के विभाजित फैसले से जीत हासिल की। बोगदानोवा 70 किलोग्राम में मौजूदा विश्व चैंपियन हैं। इससे लवलीना लगातार दो बार एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं।



प्रिया और कपिल को कांस्य

प्रिया हालांकि महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में चीन की पूर्व विश्व चैंपियन यांग चेंग्यू से हार गई और इस तरह से उन्हें कांस्य पदक मिला। एशियाई खेलों में पदार्पण कर रही 20 वर्षीय प्रिया को अपने कहीं अधिक अनुभवी चीनी प्रतिद्वंद्वी से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य भारतीय मुक्केबाज कपिल भी पुरुषों के 90 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन तुराबेक खबीबुल्लाएव से 1-4 के समान अंतर से हार गए और उन्हें भी कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

मुकाबला काफी कठिन था : लवलीना

लवलीना ने कहा, 'यह शानदार अनुभव रहा। यह मेरे दूसरे एशियाई खेल हैं। पिछली बार मैंने रजत पदक जीता था। इसलिए इस बार मैं निश्चित रूप से स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करूंगी। देखते हैं फाइनल में क्या होता है।' उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि यह मुकाबला काफी कठिन था।

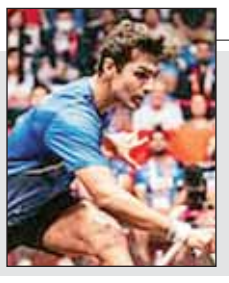

स्क्वाश : पुरुष और महिला टीम ने किए पदक पक्के

नागोया। भारतीय पुरुष और महिला टीम ने बुधवार को क्रमशः कुवैत और सिंगापुर को हराकर एशियाई खेलों की स्क्वाश प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई और अपने लिए पदक पक्के किए। भारतीय महिला टीम गुरुवार को सेमीफाइनल में हांगकांग से भिड़ेगी जबकि पुरुष टीम का सामना मलेशिया से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में कुवैत पर 2-0 से जीत हासिल की। वीर चोटरानी ने पहले एकल मुकाबले में बदर अलमोगरेबी के खिलाफ काफी पसीना बहाया लेकिन आखिर में वह 34 मिनट तक चले मैच में 12-10, 8-11, 11-0, 11-5 से जीत हासिल करने में सफल रहे।

कैंपबेल ने तोड़ा 27 साल पुराना पॉवेल का रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा वनडे मुकाबला गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। कैरेबियाई टीम के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल ने तूफानी शतक लगाकर इतिहास रच दिया है।

जॉन कैंपबेल वनडे क्रिकेट में भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कैंपबेल ने दूसरे वनडे में सिर्फ 65 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। कैंपबेल ने 27 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। यह रिकॉर्ड उनसे पहले रिकार्डो पॉवेल के नाम था, जिन्होंने साल 1999 में भारत के खिलाफ खेलते हुए 72 गेंदों में शतक लगाया था।

जॉन ने भारत के खिलाफ लगाया सबसे तेज शतक



कैंपबेल का वनडे में पांचवां सबसे तेज शतक

कैंपबेल ने वेस्टइंडीज की तरफ से वनडे फॉर्मेट में पांचवां सबसे तेज शतक लगाया। 50 ओवर के फॉर्मेट में वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम दर्ज है, जिन्होंने 1999 में बांग्लादेश के खिलाफ 45 गेंदों में शतक लगाया था। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कीसी कार्टी 10 गेंदों में 9 रन बनाने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा का शिकार बने। हालांकि, इसके बाद कप्तान शाई होप और जॉन कैंपबेल ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 79 गेंदों में 110 रनों की शानदार साझेदारी निभाई। कैंपबेल 68 गेंदों में 101 रन बनाकर आउट हुए।

कुलदीप के वनडे में 200 विकेट पूरे कुंबले और वॉर्न से निकले आगे

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में कुलदीप यादव ने वनडे में अपने 200 विकेट पूरे कर लिए। उन्होंने कीमो पॉल को विराट कोहली के हाथों कैच कराकर यह उपलब्धि हासिल की। कुलदीप ने सिर्फ 123 वनडे में 200 वनडे विकेट पूरे कर लिए हैं। वह वनडे में भारत के लिए सबसे कम मैच में 200 विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। वह मोहम्मद शमी से पीछे हैं, जिन्होंने सिर्फ 104 वनडे मैच में ही अपने 200 विकेट पूरे कर लिए थे। कुलदीप ने इस मैच में अपने 200 विकेट पूरे करने के साथ ही अनिल कुंबले और शेन वॉर्न जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। वह सबसे कम गेंदों में 200 वनडे विकेट लेने के स्पिन गेंदबाजों में शकलैन मुश्ताक और राशिद खान के बाद तीसरे नंबर पर हैं।



कम वनडे में भारत के लिए 200 विकेट

मैच	खिलाड़ी
104	मोहम्मद शमी
123	कुलदीप यादव
133	अजीत अगरकर
144	जहीर खान
147	अनिल कुंबले/ जवागल श्रीनाथ

खबर संक्षेप

एमसीसी ने आयोजित की अंपायरों के लिए कार्यशाला

नई दिल्ली। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की ओर से क्रिकेट के नियमों में किए गए नए बदलावों को एक अक्टूबर से लागू किया जाएगा, जिसके मद्देनजर एमसीसी ने दिल्ली में अंपायरों और क्रिकेट अधिकारियों के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की, जिसमें नए नियमों में किए गए बदलावों की जानकारी देने के साथ उनके सवालों का जवाब भी दिया गया। इस मौके पर हिन्दी में 'लॉज ऑफ क्रिकेट' ऐप भी लॉन्च किया गया। एमसीसी के क्रिकेट प्रमुख फ्रेजर स्टीवर्ट ने कहा कि संस्था का उद्देश्य क्रिकेट के नियमों को दुनिया भर के खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों के लिए अधिक सरल, स्पष्ट और सुलभ बनाना है। स्टीवर्ट ने कहा, ' एमसीसी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ मिलकर क्रिकेट के नियमों का कई भाषाओं में अनुवाद किया है। एमसीसी का नया 'लॉज ऑफ क्रिकेट' ऐप भी लॉन्च किया गया है, जिसमें नियम अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में उपलब्ध हैं।'

आज से ईरानी कप, आकाश पर नजर

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर



कमर में खिंचाव के कारण 7 महीने तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी करने वाले तेज गेंदबाज आकाश दीप शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू कश्मीर के बीच गुरुवार से शुरू होने वाले ईरानी कप मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

आकाश दीप आखिरी बार फरवरी में रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में खेले थे और अब उन्हें सात महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद अपनी फिटनेस साबित करने के साथ-साथ गेंदबाजी की लय हासिल करने का मौका मिलेगा। इस मैच के दौरान कम से कम दो राष्ट्रीय चयनकर्ता उपस्थित रहेंगे और उनका ध्यान निश्चित तौर पर आकाश दीप के प्रदर्शन पर रहेगा, जो जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ के साथ न्यूजीलैंड जाने वाली टेस्ट टीम में पांचवां तेज गेंदबाज बनने की दौड़ में हैं।

शेष भारत की अगुवाई करेंगे पंत

खूबसूरत शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में होने वाले इस मैच में शेष भारत की अगुवाई ऋषभ पंत करेंगे जिसमें घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ी शामिल हैं। जम्मू कश्मीर को हालांकि अपने मुख्य तेज गेंदबाज औकिब नबी की कमी खलेगी, जो अभी राष्ट्रीय टीम के साथ हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने लंबे समय बाद श्रीनगर में कोई महत्वपूर्ण मैच का आयोजन किया है।



ऑस्ट्रेलियाई टीम 176 रन पर ढेर इंडिया-ए विमेंस की पकड़ मजबूत

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

इंडिया-ए विमेंस ने ऑस्ट्रेलिया-ए विमेंस के खिलाफ जारी अनाधिकारिक टेस्ट मुकाबले में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में जारी इस मुकाबले के दूसरे दिन की समाप्ति तक भारतीय टीम के पास 322 रन की मजबूत बढ़त है। चार दिवसीय मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी इंडिया-ए विमेंस ने अपनी पहली पारी में 364 रन बनाए। शुभा सतीश और प्रिया पुनिया की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 102 रन की साझेदारी की। शुभा 59 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जबकि प्रिया ने 46 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।



ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में सिर्फ 176 रन पर सिमट गई। कप्तान रेचल ट्रेनामन ने ताहलिया विल्सन के साथ पहले विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। ताहलिया 44 रन, जबकि विल्सन 35 रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

शुभमन की बादशाहत बरकरार, चौथे नंबर पर रोहित शर्मा

कोहली को मिला इनाम, वनडे रैंकिंग में पहुंचे दूसरे नंबर पर

एजेंसी ▶▶| दुबई

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में शतकीय पारी खेलने का इनाम विराट कोहली को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है।

बल्लेबाजों की रैंकिंग में कोहली ने एक पायदान की छलांग लगाई है और वह अब दूसरे नंबर पर आ गए हैं। कोहली से आगे वनडे रैंकिंग में अब सिर्फ शुभमन गिल हैं, जो पहले एकदिवसीय मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी बादशाहत को बरकरार रखने में सफल रहे हैं। विराट के एक पायदान ऊपर चढ़ने से न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल को नुकसान पहुंचा है। वह बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में अब तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। हालांकि, रोहित शर्मा की पोजीशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है और वह चौथे नंबर पर बने हुए हैं।



मेंडिस ने हासिल की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग

श्रीलंका के बल्लेबाज कुशल मेंडिस वनडे क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे हैं। उन्होंने तीन पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। मेंडिस को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 121 रनों की शानदार पारी का इनाम मिला है। हैरी ब्रूक टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल होने से महज एक पायदान दूर हैं। वह ताजा रैंकिंग में 11वें नंबर पर आ गए हैं। आयरलैंड के बल्लेबाज हैरी टेक्टर 10वें नंबर पर बने हुए हैं।

बावुमा ने लगाई 10 पायदान की छलांग

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में शतकीय पारी खेलने वाले टेंबा बावुमा ने 10 पायदान ऊपर की छलांग लगाई हैं और वह अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें नंबर पर आ गए हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके ने 19 पायदान की छलांग लगाई है और वह अब 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। डेविड मिलर 142 रनों की शानदार पारी खेलने के साथ ही 41वें नंबर पर आ गए हैं।

गोल्फ : दूसरे स्थान पर प्रणवी

नागोया। प्रणवी उर्स चार अंडर 66 स्कोर करके एशियाई खेलों की गोल्फ स्पर्धा में बुधवार को व्यक्तिगत श्रेणी में दूसरे स्थान पर है जबकि भारतीय महिला टीम संयुक्त छठे स्थान पर है।

टीम स्पर्धा में दो सर्वश्रेष्ठ स्कोर को शामिल करते हुए भारत ने तीन अंडर का टीम स्कोर बनाया और संयुक्त रूप से छठे स्थान पर रहा। सिंगापुर आठ अंडर के स्कोर के साथ कोरिया, चीन और चीनी ताइपे से चार शॉट आगे था, जो चार अंडर के स्कोर पर बराबरी पर थे। पुरुष वर्ग में सप्तक तलवार चार अंडर 66 के स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। वह शीर्ष पर काबिज जापान के काजुकी हिगा और चीन के वांग वेइ सुआन से एक शॉट पीछे हैं। दूसरी बार एशियाई खेलों में भाग ले रही प्रणवी दूसरे स्थान पर हैं और शीर्ष पर काबिज सिंगापुर की शेनोन टैन से तीन शॉट पीछे है। एशियाई खेल 2023 की रजत पदक विजेता अदिति अशोक और दीक्षा डागर एक ओवर 71 के स्कोर के साथ संयुक्त 18वें स्थान पर हैं। पुरुषों में युवराज संधू और वीर अहलावत संयुक्त 23वें स्थान पर हैं।

हाईकोर्ट ने सास गिरीबाला सिंह की याचिका में मांगा बदलाव

ट्विशा शर्मा डेथ केसः सीबीआई जांच में खारिज हुए दहेज प्रताड़ना के आरोप

जबलपुर। बहुचर्चित ट्विशा शर्मा डेथ केस की मुख्य आरोपी व मृतका की सास गिरीबाला सिंह की नियमित जमानत अर्जी पर बुधवार को मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले की जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार , जांच एजेंसी को मृतका के मायके पक्ष द्वारा लगाए गए दहेज उत्पीड़न के आरोपों की पुष्टि के लिए कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं। जांच एजेंसी के इसी निष्कर्ष को आधार बनाते हुए जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की सिंगल बेंच ने बचाव पक्ष को जमानत याचिका में आवश्यक संशोधन करने के निर्देश जारी किए हैं।

गिरिबाला सिंह की ओर से कहा गया कि सीबीआई द्वारा प्रस्तुत विस्तृत जांच रिपोर्ट व चार्जशीट के अनुसार, मृतका की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और पारिवारिक विवाद की जांच के दौरान वैवाहिक दहेज की मांग या तंग किए जाने का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला। जांच दल ने गवाहों के बयानों और बैंक लेन-देन का सूक्ष्म परीक्षण किया, किंतु दहेज उत्पीड़न का कोई वैधानिक आधार सिद्ध नहीं हो सका। न्यायिक समीक्षा के दौरान एजेंसी का यही निष्कर्ष आवेदिका की ओर से मुख्य कानूनी आधार बना।

सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह की



ओर से तर्क दिया गया कि जब निष्पक्ष जांच एजेंसी स्वयं दहेज उत्पीड़न के आरोप खारिज कर चुकी है, तब इस आधार पर आवेदिका को न्यायिक हिरासत में रखना अनुचित है। कोर्ट ने इन दलीलों को रिकॉर्ड पर लेते हुए बचाव पक्ष को निर्देशित किया कि वे अपने मूल जमानत आवेदन से दहेज प्रताड़ना संबंधी संदर्भों को तत्काल संशोधित कर हटाएं, ताकि याचिका सीबीआई की चार्जशीट के अनुरूप हो सके।बेंच ने अभियोजन पक्ष को संशोधित दस्तावेजों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हुए मामले की अगली सुनवाई आगामी 8 अक्टूबर को निर्धारित की है।

व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दी अनुपालन की जानकारी

हाईकोर्ट ने कलेक्टर पन्ना के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट किया निरस्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पूर्व में पारित आदेश का पालन नहीं किए जाने को गंभीरता से लेते हुए पन्ना कलेक्टर उषा परमार के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। बुधवार को कलेक्टर व्यक्तिगत रूप से जस्टिस दीपक खोत की सिंगल बेंच के समक्ष उपस्थित हुईं। उन्होंने माफी मांगते हुए न्यायालय को बताया कि आदेश का पालन कर दिया गया है। इस पर कोर्ट ने वारंट निरस्त करते हुए अवमानना याचिका का निराकरण कर दिया।

सेवानिवृत्त कर्मचारी जाविन आरा रिजवी की ओर से दायर अवमानना याचिका में बताया गया कि वह पन्ना कलेक्टर कार्यालय में सेक्शन आफिसर के पद पर कार्यरत थीं। नियमितीकरण सहित अन्य वेतन लाभ दिए जाने की मांग को लेकरयू उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। 13 अगस्त 2025 को हाई कोर्ट ने याचिका का निराकरण करते हुए उनके अभ्यावेदन का 90 दिनों में निराकरण करने के निर्देश दिए थे। आदेश का पालन नहीं होने पर अवमानना याचिका दायर की गई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि अवमानना याचिका पर चार दिसंबर 2025 को नोटिस जारी होने के बावजूद कलेक्टर की ओर से अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थिति दर्ज नहीं कराई गई और न ही आदेश के अनुपालन की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने पांच अक्टूबर 2025 को हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार को पत्र भेजकर नोटिस प्राप्त होने की जानकारी दी थी तथा कलेक्टर कार्यालय की स्थापना शाखा के प्रभारी अधिकारी को मामले में संपर्क अधिकारी नियुक्त किया था। इसके बाद आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई। कोर्ट ने परिस्थितियों को देखते हुए कलेक्टर उषा परमार की उपस्थिति सुनिश्चित करने और आदेश का पालन कराने के लिए गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। वारंट की तामील की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक, पन्ना को सौंपी गई थी। बुधवार को सुनवाई के दौरान कलेक्टर ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आदेश के अनुपालन की जानकारी दी और गिरफ्तारी वारंट निरस्त करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया।



मानकुंवर बाई महिला महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, रैगिंग रोकने का लिया संकल्प

रैगिंग के बताए दुष्परिणाम, छात्राओं को दिलाई एंटी-रैगिंग की शपथ

हरिभूमि, जबलपुर।

शासकीय मानकुंवर बाई आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज फॉर वूमेन में 30 सितंबर को एंटी-रैगिंग समिति के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बीए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा एमए की छात्राओं को रैगिंग के दुष्परिणाम, रोकथाम के उपाय और एंटी-रैगिंग संबंधी नियमों की जानकारी दी गई। प्राचार्य प्रो. सुनीता मिश्रा ने छात्राओं को रैगिंग से जुड़े नियमों और इसके प्रति सजग रहने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने छात्राओं से महाविद्यालय परिसर में सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को एंटी-रैगिंग की शपथ दिलाई गई। छात्राओं ने रैगिंग न करने, न होने देने और इसके विरुद्ध जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. आशा दुबे, सह-नोडल अधिकारी डॉ. दीपशिखा शर्मा, डॉ. तुलिका गौतम, डॉ. कृष्ण कुमार पांडेय एवं डॉ. अर्चना उपस्थित रहीं।

- हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने एसपी को सौंपा ज्ञापन
- संदिग्ध बिंदुओं की जांच के दिए निर्देश

युवा अधिवक्ता शिवम शर्मा की संदिग्ध परिस्थिति में मौत की निष्पक्ष जांच की मांग

जबलपुर। युवा अधिवक्ता व हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्य शिवम शर्मा की कथित सड़क दुर्घटना में संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत की निष्पक्ष, स्वतंत्र और उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर एसोसिएशन ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। एसपी ने ज्ञापन में उठाए गए बिंदुओं को संज्ञान में लेते हुए संबंधित जांच अधिकारी को घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जांच के निर्देश दिए हैं।

एसोसिएशन ने ज्ञापन में कहा कि घटना से जुड़ी कुछ परिस्थितियां ऐसी हैं, जिनका वैज्ञानिक परीक्षण आवश्यक है। विशेष रूप से शिवम शर्मा की कार का जसूजा होटल के समीप लावारिस अवस्था में मिलना महत्वपूर्ण बिंदु है। बताया गया कि कार में उनकी चाबी, पर्स और मोबाइल फोन मौजूद थे। एसोसिएशन ने घटनास्थल और संबंधित मार्गों के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर उनकी जांच कराने की मांग की है। साथ ही मोबाइल फोन

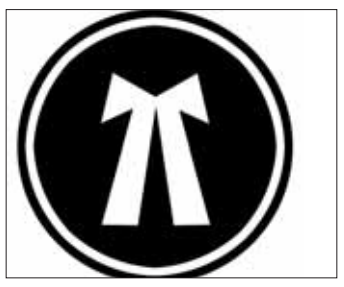

की कॉल डिटेल और लोकेशन का विधिसम्मत परीक्षण तथा संबंधित वाहनों की फॉरेंसिक एवं मैकेनिकल जांच कराने का आग्रह किया है। ज्ञापन में पोस्टमार्टम रिपोर्ट, चोटों की प्रकृति और विशेष रूप से गर्दन के पीछे मिली चोट का विशेषज्ञ चिकित्सकीय एवं फारेंसिक परीक्षण कराने की मांग भी की गई। घटना से जुड़े व्यक्तियों के कथनों का उपलब्ध भौतिक और इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों से मिलान करने का आग्रह किया गया है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि वह किसी व्यक्ति पर आरोप अथवा कोई पूर्व निष्कर्ष नहीं थोपना चाहती, बल्कि सभी संभावित तथ्यों की निष्पक्ष जांच के माध्यम से वास्तविक घटनाक्रम सामने लाने की मांग कर रही है। इस अवसर पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष मृगेंद्र सिंह, सचिव असीम त्रिवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विश्वास पलिया, उपाध्यक्ष सत्येंद्र ज्योतिषी, महिला उपाध्यक्ष अनुराधा तिवारी चौबे, सह सचिव रुपेश पटेल, कोषाध्यक्ष सुशीला पालीवाल, लाइब्रेरी सचिव अजय शुक्ला, कार्यकारिणी सदस्य पाठक, शांति तिवारी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। एसोसिएशन ने कहा कि युवा अधिवक्ता की असामयिक मृत्यु न्यायिक समुदाय के लिए भी गंभीर पीड़ा का विषय है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 6 महीने की मासूम की मौत

उपचार में लापरवाही के आरोप, जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित

जबलपुर। संभाग के सबसे बडे सरकारी अस्पताल नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के शिशु रोग विभाग में एक छह माह की मासूम बच्ची की मौत के बाद उसके परिजनों ने इलाज में लापरवाही के आरोप लगाए, जिसके बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति कि गठन कर दिया । प्राप्त जानकारी के मुताबिक मेडिकल कॉलेज के डीन डॉक्टर नवनीत सक्सेना ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। जिसमें अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद शर्मा, शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. पवन घनघोरिया और डॉ. रानू तिवारी मिश्रा को शामिल किया गया है।उक्त समिति बच्ची के इलाज से जुड़े रिकॉर्ड, चिकित्सकीय प्रक्रिया और परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की पड़ताल करेगी और पांच दिवस के भीतर अपनी रिपोर्ट मेडीकल प्रबंधन को सौंपेगी।

मानसून सीजन की विदाई, गर्मियों में जल संकट की चिंता बढ़ी

इस साल जबलपुर में 35 फीसद कम बारिश

जबलपुर। इस साल मानसून न केवल विलम्ब से आया, बल्की मानसून कमजोर भी रहा. औसत से करीब 18 इंच बारिश कम हुई और सामान्य बारिश से आंकड़ा 35 प्रतिशत पीछे रह गया. जबलपुर में औसतन 50-55 इंच बारिश का आंकड़ा होता है. मौसम विभाग के मुताबिक 1 जून से 30 सितम्बर तक मानसून सीजन माना जाता है. जबलपुर में आमतौर पर 15 से 20 जून के बीच मानसून की दस्तक होती है, लेकिन इस साल मानसून देर से आया। 1 जून से 30 सितम्बर तक मात्र 845.2 मिमि (33.02 इंच) वर्षा हो पाई और मानसून सीजन विदा हो गया।

जबकि सामान्य बारिश करीब 1300 मिमी मानी जाती है। इस तरह अब तक करीब 455 मिमी कम पानी बरसा है। वर्ष 2021 के बाद यह दूसरी बार है, जब बारिश सामान्य औसत से इतनी कम रही है। 2021 में पूरे सीजन में सिर्फ 625.8 मिमी बारिश हुई थी और इसके बाद गर्मियों में जलस्रोतों पर दबाव बढ़ने से जलसंकट की स्थिति बनी थी।

कम बारिश का असर इस बार जलस्रोतों के साथ खेती पर भी पड़ने की आशंका है। वर्ष 2025 में 1180.8 मिमी बारिश के बावजूद परियट, खंदारी और बरगी जलस्रोतों के जलस्तर में गिरावट आई थी और शहर की करीब एक चौथाई आबादी को एक-दो दिन के अंतराल पर पानी देना पड़ा था। इसके विपरीत 2024 में 1464.5 मिमी बारिश हुई थी। मौसमविदों के अनुसार इस बार मानसून करीब नौ दिन देर से आया और पूरे सीजन में बारिश की गतिविधियां कमजोर रहीं।



फसलों पर भी असर

कृषि वैज्ञानिक मनीष भान के अनुसार कम बारिश के साथ तेज धूप और उमस के कारण फसलों में कीट एवं रोग का प्रकोप सामने आ रहा है। पानी की नियमित उपलब्धता नहीं होने से उत्पादन आंशिक रूप से प्रभावित होने का अनुमान है। क्षेत्रीय मौसम कार्यालय के प्रभारी अधिकारी देवेंद्र तिवारी ने बताया कि जबलपुर में औसतन करीब 1300 मिमी बारिश होती है। इस बार औसत से कम बारिश की संभावना पहले से थी, हालांकि एक-दो साल के अंतराल में औसत से अधिक बारिश होने के कारण इसका प्रभाव सीमित रहने की उम्मीद है।

ऐसा रहा मौसम का हाल

मानसून सीजन के आखरी दिन मौसम शुष्क रहा. पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 33.04 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक और न्यूनतम तापमान 22.03 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 81 प्रतिशत और सायंकाल 54 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 6.02 मिनिट पर और सूर्यास्त सायं 05.58 बजे हुआ। पिछले 24 घंटों के दौरान 46.8 मिमी वर्षा नहीं हुई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 845.02 मिमी (लगभग 33 इंच) दर्ज की जा चुकी है। जबकि गत वर्ष आज के दिन तक कुल वर्षा 1180.8 मिमी दर्ज की जा चुकी थी। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 31.07 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री दर्ज किया गया था। उत्तर पश्चिमी हवाएं 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

चार दिवसीय शिविर के तीसरे दिन का चार न्यायाधीशों ने किया शुभारंभ

अधिवक्ताओं और उनके परिवारों की सुरक्षा से जुड़े प्रयास समय की आवश्यकता

जबलपुर। अधिवक्ताओं और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी और सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के सौजन्य से चार दिवसीय अधिवक्ता सामाजिक सुरक्षा शिविर का बुधवार को तीसरा दिन रहा। शिविर का शुभारंभ न्यायमूर्ति विवेक सिंह, न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी, न्यायमूर्ति प्रमोद अग्रवाल और न्यायमूर्ति देवी नारायण मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति विवेक सिंह ने अधिवक्ताओं की सामाजिक सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण और प्रशंसनीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं और उनके परिवारों की सुरक्षा से जुड़े ऐसे प्रयास समय की आवश्यकता हैं।

शिविर में अधिवक्ताओं को सामाजिक सुरक्षा से संबंधित सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी दी गई तथा उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष मृगेंद्र सिंह, सचिव असीम त्रिवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विश्वास पलिया, उपाध्यक्ष सत्येंद्र ज्योतिषी, महिला उपाध्यक्ष अनुराधा तिवारी चौबे, सह सचिव रुपेश पटेल, कोषाध्यक्ष सुशीला पालीवाल, लाइब्रेरी सचिव अजय शुक्ला, कार्यकारिणी सदस्य आशीष तिवारी, शांति तिवारी और वरुण दुबे सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। राज्य अधिवक्ता परिषद के नव निर्वाचित सदस्य आर.के. सिंह सैनी और राशिद सुहैल सिद्दीकी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

रामपुर में घर में मिला युवक का शव

सड़क हादसों में युवती की मौत, चार घायल

जबलपुर। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक युवती की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। वहीं गोरखपुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव उसके घर में सीढ़ियों के नीचे मिला। पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग और अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इलेक्ट्रिक ऑटो की टक्कर से भाई-बहन घायल- पाटन थाना क्षेत्र में इलेक्ट्रिक ऑटो की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार भाई-बहन घायल हो गए। रामनगर रद्दी चौकी अधारताल निवासी 32 वर्षीय अलादीन अंसारी ने 29 सितंबर की रात रिपोर्ट दर्ज कराई। अलादीन के अनुसार वह अपने बहनोई अरीफ खान, बुआ की बेटी शबनम परवीन और भाई कुतुबुद्दीन अंसारी के साथ जबलपुर से 11वीं शरीफ के कार्यक्रम में शामिल होने पाटन आए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी दो मोटरसाइकिलों से जबलपुर लौट रहे थे।

रात करीब 8:15 बजे पाटन-जबलपुर मुख्य मार्ग पर ग्राम तिलगवां मोड़ के पास पाटन की ओर से आ रहे नीले रंग के बाजार इलेक्ट्रिक ऑटो क्रमांक एमपी 20 एक्ससी 1180 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए कुतुबुद्दीन अंसारी की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

हादसे में कुतुबुद्दीन और शबनम मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गए और दोनों के हाथ-पैर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। घायलों को उपचार के लिए जबलपुर भेजा गया। पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ धारा 281, 125(ए) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

घर में सीढ़ियों के नीचे मिला युवक का शव- गोरखपुर थाना क्षेत्र में 46 वर्षीय राकेश पटेल का शव उसके घर में सीढ़ियों के नीचे मिला। रामपुर छापर निवासी गोविंद पटेल ने 30 सितंबर को पुलिस को सूचना दी।

गोविंद ने बताया कि रात करीब 3 बजे उसके मामा का लड़का राकेश पटेल, निवासी रामपुर छापर, गुरुद्वारा के पीछे स्थित अपने घर में सीढ़ियों के नीचे पड़ा मिला। पास जाकर देखने पर राकेश की मृत्यु हो चुकी थी। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम और जांच के बाद चल सकेगा।

रेलवे ने वसूला 66 हजार 800 रुपये जुर्माना

78 यात्री अनुचित टिकट के साथ पकड़े

जबलपुर। यात्रियों को बेहतर और व्यवस्थित रेल यात्रा उपलब्ध कराने तथा वैध टिकट के साथ यात्रा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जबलपुर रेल मंडल ने जबलपुर-कटनी रेलखंड पर सघन टिकट जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान 78 से अधिक यात्रियों को अनुचित टिकट के साथ यात्रा करते पकड़ा गया, जिनसे रेलवे ने नियमानुसार 66 हजार 800 रुपये का राजस्व अर्जित किया। सहायक वाणिज्य प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में चल टिकट निरीक्षकों और रेलवे सुरक्षा बल के सहयोग से यह अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रेन संख्या 13202 का भी निरीक्षण किया गया। कोचों में साफ-सफाई व्यवस्था की जांच कर संबंधित ठेकेदार को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए।



पेंट्री कार में मिली अनुपयोगी सामग्री हटवाई

पेंट्री कार के निरीक्षण के दौरान अनुपयोगी सामग्री और उत्पादों को हटवाया गया। खाद्य सामग्री तैयार करने और यात्रियों को परोसते समय निर्धारित स्वच्छता एवं सावधानी के मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान एक अवैध वेंडर भी पकड़ा गया, जिसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई।

यात्रियों से लिया सुविधाओं का फीडबैक

टिकट जांच के दौरान रेलकर्मियों ने यात्रियों से संवाद कर रेल सेवाओं और यात्री सुविधाओं को लेकर फीडबैक भी लिया। यात्रियों से मिले सुझावों के आधार पर सुविधाओं में सुधार करने की बात कही गई। इसके अलावा झुकेही और ननवारा गुड्स शेड का भी निरीक्षण किया गया। यहां मूलभूत सुविधाओं, वाणिज्यिक गतिविधियों, रेल राजस्व से संबंधित अभिलेखों के रखरखाव तथा संरक्षा संबंधी निर्देशों के पालन की स्थिति देखी गई। माल परिवहन से जुड़ी व्यवस्थाओं और उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया गया।

पॉलिसी लैप्स होने का डर दिखाकर 95 हजार रुपये ठगे

जबलपुर। पनागर थाना क्षेत्र में पॉलिसी लैप्स होने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 95 हजार 213 रुपये की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को इंश्योरेंस कंपनी का प्रबंधक बताते हुए पॉलिसी का प्रीमियम जमा कराने के नाम पर व्हाट्सऐप पर भेजे गए स्कैनर से भुगतान कराया। रकम दूसरे खाते में ट्रांसफर होने के बाद पीड़ित को ठगी का संदेह हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम डुंगरिया निवासी 43 वर्षीय अजीत कुमार पटेल ने 29 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई। अजीत ने बताया कि वह वर्ष 2023 से एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस की पॉलिसी लिए हुए है। 17 सितंबर को उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने अपना नाम जगमोहन पांडे बताया और खुद को मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ क्षेत्र का प्रबंधक बताया। फोन करने वाले ने अजीत को उसकी पॉलिसी लैप्स होने और प्रीमियम जमा नहीं करने पर पॉलिसी बंद होने की जानकारी दी। आरोपी ने यह भी कहा कि पॉलिसी नंबर के माध्यम से भुगतान नहीं हो पाएगा। इसके बाद उसने व्हाट्सऐप पर एक स्कैनर भेजते हुए उसमें स्कैन कर 95 हजार 213 रुपये का प्रीमियम जमा करने को कहा। अजीत ने आरोपी द्वारा भेजे गए स्कैनर को स्कैन कर अपने एसबीआई खाते से दोपहर करीब 2:10 बजे 95 हजार 213 रुपये का ट्रांजेक्शन कर दिया। ट्रांजेक्शन में राशि प्राप्त करने वाले का नाम आरिफ मलिक प्रदर्शित हुआ। इसके बाद अजीत को संदेह हुआ कि अज्ञात व्यक्ति ने पॉलिसी लैप्स होने की बात कहकर उसके साथ धोखाधड़ी की और उसके खाते से 95 हजार 213 रुपये की राशि दूसरे खाते में ट्रांसफर करा ली। रिपोर्ट पर पनागर पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस एवं 66 आईटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आपरेशन सिंदूर के बाद धनुष तोप का उत्पादन बढ़ेगा

पांच सालों में 3 सौ तोपें सेना को उपलब्ध कराने का लक्ष्य

जबलपुर। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में विकसित धनुष तोप की मांग बढ़ने के साथ इसके उत्पादन को बढ़ाने की तैयारी तेज हो गई है। नई धनुष तोप को 95 प्रतिशत स्वदेशी कलपुर्जों के साथ माउंटेन गन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसकी जगह पुरानी टोड गनों को सेना के बेड़े से हटाने की योजना है। नई खेप में 300 तोपें पांच वर्षों में चरणबद्ध तरीके से सेना को उपलब्ध कराई जाएंगी। गन कैरिज फैक्ट्री (जीसीएफ) निर्माणी महाप्रबंधक राहुल चौधरी ने बताया कि सेना के लिए नई धनुष तैयार करने को लेकर चर्चा अंतिम चरण में है। जल्द ही इस संबंध में मंजूरी मिलने की उम्मीद है। धनुष 155 मिलीमीटर, 45 कैलिबर की स्वदेशी हावित्जर तोप है। इसे 1980 के दशक की बोफोर्स तोप के डिजाइन के आधार पर विकसित किया गया है और इसकी मौजूदा मारक क्षमता करीब 38 किलोमीटर है।

माउंटेन गन से आसान होगा परिवहन

धनुष के नए माउंटेन गन संस्करण को ट्रक से आसानी से ले जाया जा सकेगा। इसके लिए टोड गन की तरह भारी सैन्य ट्रक या आर्टिलरी ट्रैक्टर की जरूरत नहीं होगी। तोप की मारक क्षमता को भी 44 किलोमीटर से अधिक तक बढ़ाने की तैयारी है। धनुष एक मिनट में करीब छह राउंड फायर करने में सक्षम है। पिछले 13 वर्षों में इसमें स्वदेशी कलपुर्जों की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत से बढ़कर 95 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240